THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 120 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.2 2083 शुक्रवार, 31 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ यात्रा रोकी गई

जम्मू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने गुरुवार को राजस्थान समेत 16 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में रेड अलर्ट है। रेड अलर्ट का मतलब है 24 घंटे में 204mm से ज्यादा बारिश। उत्तराखंड में रुद्रप्रयाग के गौरीकुंड के पास लैंडस्लाइड होने से केदारनाथ यात्रा लगातार तीसरे दिन बंद है। पहाड़ी-मैदानी इलाकों में लगातार हो रही बारिश से हरिद्वार में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। गंगाजल भरने गए कांवड़िए को एसडीआरएफ टीम ने बहने से बचा लिया।

'पैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराएं'

*** दिल्ली सरकार को आदेश * केंद्र जंतर-मंतर प्रोटेस्ट में इस्तेमाल हथियारों का रिकॉर्ड रखे**

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली सरकार को आदेश दिया कि 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संसद मार्च में बैलेट गन से घायल प्रदर्शनकारियों का इलाज कराया जाए। वहीं कोर्ट ने केंद्र से कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ के हथियारों और गोला-बारूद के इस्तेमाल का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाए।

सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहन की बेंच ने पैलेट गन के इस्तेमाल पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस विशेष स्थितियों में इसका इस्तेमाल कर सकती है। कोर्ट ने कहा कि जब तक पैलेट गन के इस्तेमाल की परमिशन देने वाले पुलिस नियमों को चुनौती नहीं दी जाती, तब तक इस पर रोक लगाने का आदेश देना मुश्किल है। कोर्ट ने इसके इस्तेमाल से जुड़ी गाइडलाइन पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। पूर्व आईपीएस अधिकारी यशोवर्धन

आजाद, प्रशांत कुमार सिंह और शेख इरशाद मंसूरी (दोनों पीड़ित) ने याचिका में पैलेट गन पर बैन लगाने की मांग की थी। उन्होंने दावा किया था कि संसद मार्च में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने छात्रों पर पैलेट गन चलाई थी।

संसद मार्च में 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारी घायल हुए

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला था। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन में कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी।

कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, संसद की ओर मार्च किया। ये लोग जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक से संसद के करीब पहुंच गए थे। इन लोगों ने संसद में घुसने की कोशिश की थी। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे।

दावा किया गया कि छात्रों पर पैलेट गन भी चलाई गई। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं।'

पैलेट गन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की मांग पर पीठ ने क्या कहा?

जस्टिस बागची ने कहा कि आम लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पैलेट गन के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग अस्पष्ट है, क्योंकि इसमें पुलिस के उन नियमों को चुनौती नहीं दी गई थी जो ऐसे हथियारों के इस्तेमाल की इजाजत देते हैं। कोर्ट ने माना कि ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट एडवाइजरी के नियमों के तहत पुलिस विशेष परिस्थितियों में पैलेट गन का इस्तेमाल कर सकती है। जस्टिस बागची ने कहा, 'पुलिस के नियम खास हालात में पैलेट गन के इस्तेमाल की इजाजत देते हैं, जब तक कि आप खुद उन नियमों को ही चुनौती न दें। चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई करने के कदमों में से एक कदम पैलेट गन का इस्तेमाल है।'

लोकसभा में भी वंदे मातरम बिल पास

विपक्ष बोला-यह केवल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा के बाद गुरुवार को लोकसभा में भी वंदे मातरम बिल पास कर दिया गया है। बिल को लेकर विपक्ष के भारी हंगामे के बीच इसे पास किया गया। इसी के साथ ही साथ सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई है। सदन की कार्यवाही 31 जुलाई सुबह 11 बजे से फिर से शुरू होगी। इस बिल का मकसद यह है कि 'वंदे मातरम' को भी राष्ट्रगान 'जन गण मन' की तरह ही कानूनी सुरक्षा देना है। अगर कोई 'वंदे मातरम' का अपमान करता है तो उसे 3 साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। बिल पास होने के बाद सपा सांसद जियाउर्रहमान ने कहा कि देश में बड़ी मुस्लिम आबादी है, इसलिए उनकी भावनाओं और चिंताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इस बिल के जरिए सरकार हिंदू-मुस्लिम के बीच दूरी पैदा करना चाहती है। मैं हिंदू समाज से पूछना चाहता हूं कि इससे उनके बच्चों को न रोजगार मिलेगा, न भ्रष्टाचार खत्म होगा, न महंगाई कम होगी या न नीट जैसी समस्याओं का समाधान होगा। यह केवल असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि हम मुस्लिम राष्ट्रगान का विरोध नहीं करते। हम उसे गाते हैं, उससे प्यार करते हैं। राष्ट्रगीत में जो शब्द हैं, उससे हमारे धर्म का टकराव होता है। इसलिए हम उसे नहीं गा सकते, इसलिए उसका विरोध है। यही कारण है, इसके अलावा कुछ नहीं। भाजपा सांसद विनोद तावड़े ने इस बिल को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि वंदे मातरम का सम्मान, भारत का अभिमान है। जिस मंत्र ने, जिस जय घोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा दी, प्रेरणा दी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया, उस राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का गर्व के साथ पुण्य स्मरण करना हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पेश

जितेंद्र सिंह बोले-सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को राज्यसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक 2026 विचार एवं पारित कराने के लिए पेश किया। उन्होंने कहा कि यह संशोधन 2024 के कानून को और अधिक कठोर तथा प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लाया गया है, ताकि पेपर लीक जैसे अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जा सके।

विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह विधेयक लोकसभा से पारित होकर राज्यसभा में आया है, जहां इस पर लगभग दस घंटे चर्चा हुई थी। उन्होंने राज्यसभा को वरिष्ठों, अनुभवी और अधिक परिपक्व सदस्यों का सदन बताते हुए सभी दलों से रचनात्मक सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 स्वतंत्र भारत का अपनी तरह का पहला कानून था और वर्तमान संशोधन उसी का विस्तार है। यह कानून प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विद्यार्थियों और युवाओं के भविष्य के प्रति संवेदनशीलता से प्रेरित है।

जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर अहम के साथ नहीं चलती और रचनात्मक सुझावों का हमेशा स्वागत करती है।

छात्रों पर हुई हिंसा का जवाब देने से क्यों डर रहे? : राहुल गांधी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में सीजेपी आंदोलन और पुलिस कार्रवाई को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक टकराव अब तक थमा नहीं है। लोकसभा में तीखी बहस के एक दिन बाद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गृह मंत्री अमित शाह पर फिर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने लिखा, अमित शाह संसद में आकर छात्रों के खिलाफ हुई बर्बर हिंसा पर जवाब देने से इतना क्यों डर रहे हैं? यह अपराधबोध की तरह लगता है।

राहुल गांधी के इस पोस्ट के बाद बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने नेता प्रतिपक्ष का कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अमित शाह जी डरते नहीं हैं आप उनसे डरते हैं वो डराने वाले आदमी हैं और डराने वाले किसको जो देशद्रोही ताकत हैं जो आतंकवादी, नक्सलवादी हैं जो देश को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं वो सारे लोग उनसे डरते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अमित शाह को कोई प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जनता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें गृह मंत्री बनाया है। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में कहा, अमित शाह संसद में आकर छात्रों के खिलाफ हुई बर्बर हिंसा पर जवाब देने से इतना क्यों डर रहे हैं? इससे अपराधबोध की गंध आती है।

निशिकांत दुबे का जवाब

राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, अमित शाह जी डरते नहीं हैं आप (राहुल गांधी) उनसे डरते हैं वो डराने वाले आदमी हैं और डराने वाले किसको जो देशद्रोही ताकत हैं जो आतंकवादी, नक्सलवादी हैं जो देश को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं वो सारे लोग उनसे डरते हैं।

वे आगे कहते हैं कि तो आप डर रहे होंगे और आपके सर्टिफिकेट की आवश्यकता नहीं है जनता और पीएम मोदी ने उन्हें गृह मंत्री बनाया है जब तक जनता भाजपा को वोट देती रहेगी और पीएम मोदी पीएम बनते रहेंगे और पीएम मोदी जब तक अपने मंत्रीमंडल में अमित शाह जी को गृह मंत्री बनाते रहेंगे आपकी कोई आवश्यकता नहीं है।

बलूचिस्तान में चीनी प्रोजेक्ट्स को खतरा? बीएलए ने 6 मजदूरों को मारी गोली

कराची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में चीन समर्थित परियोजनाओं पर विद्रोहियों के हमले का खतरा बढ़ गया है। प्रतिबंधित विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने चेतावनी दी है कि अगर चीन इस सूबे में अपनी परियोजनाओं को तत्काल बंद नहीं करता है, तो उन पर हमले किए जाएंगे। बीएलए की यह धमकी तब आई है, जब एक दिन पहले ही केच जिले के तुर्बत के पास अगवा किए गए छह मजदूरों के शव मिले हैं। इससे पाकिस्तान की टेंशन बढ़ गई है। चीन ने पहले ही पाकिस्तान को विद्रोहियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने का अल्टीमेटम दिया है, नहीं तो वह इस सूबे में जारी अपनी परियोजनाओं को बंद कर देगा। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों का दावा है कि हत्या किए गए मजदूरों को 2 जुलाई को केच जिले के कलातुक से अगवा किया गया था। ये मजदूर उस इलाके से गुजर रहे थे। इस दौरान हथियारबंद विद्रोहियों ने खैबर पख्तूनख्वा के स्वाबी के रहने वाले जावेद नाम के एक मजदूर की गोली मारकर हत्या कर दी और छह अन्य लोगों को अगवा कर लिया।

छोटा राजन को पासपोर्ट धोखाधड़ी मामले में 7 साल की सजा, चेन्नई की विशेष सीबीआई कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। चेन्नई की विशेष सीबीआई कोर्ट ने गुरुवार को गैंगस्टर छोटा राजन को जाली दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट हासिल करने के लिए सात साल की सजा सुनाई। एजेंसी ने 22 साल की लंबी कानूनी लड़ाई के बाद राजन को दोषी ठहराने में कामयाबी हासिल की। राजन ने स्कूल से ट्रांसफर सर्टिफिकेट, राशन कार्ड जैसे झूठे दस्तावेज जमा करके 'विजया कदम' की पहचान अपनाई थी। सीबीआई प्रवक्ता ने बयान में कहा कि दोषी छोटा राजन अभी नई दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है, जहां वह पहले से ही उम्रकैद की सजा काट रहा है।

खरगे की मनुस्मृति वाली टिप्पणी पर राज्यसभा में हंगामा

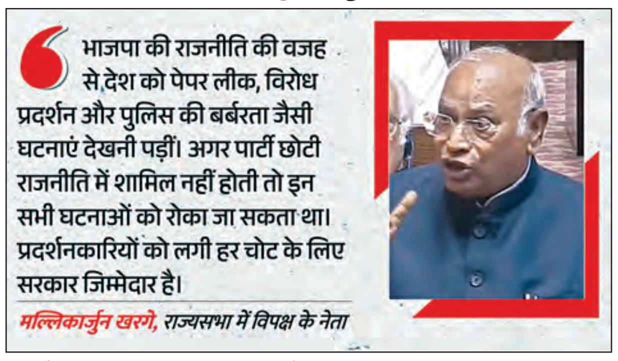

स्पीकर ने बयान को रिकॉर्ड से हटाया

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आज संसद के मानसून सत्र का नौवां दिन है। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित कर दी गई। दोपहर तीन बजे तक के लिए निचले सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। वहीं, राज्यसभा में लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पर चर्चा जारी है।

लोकसभा की कार्यवाही फिर से शुरू हो गई। इस समय राष्ट्रीय गौरव सम्मान संशोंधन विधेयक पर चर्चा हो रही है। इस दौरान सदन में सांसद संबित पात्रा बोल रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर निशाना साधा। हालांकि विपक्ष लगातार नारेबाजी कर रहा है। सुधांशु त्रिवेदी ने बोलना शुरू किया तो उन्होंने पूर्व कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश विलियम जोन्स और डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुस्तक का हवाला देते हुए मूल ग्रंथ के प्रमाणीकरण की आवश्यकता बताई। इस दौरान कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने एक पुस्तक दिखाते हुए कहा कि यह मौजूदा सरकार के कार्यकाल में प्रकाशित हुई है, बाजार में उपलब्ध है और इस पर कोई प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने तर्क दिया कि यदि सत्ता पक्ष इसी पुस्तक का हवाला दे रहा है तो इसकी जिम्मेदारी भी उसी की बनती है, क्योंकि वह पिछले 12 वर्षों से सत्ता में है। इस पर जेपी नड्डा ने फिर मूल और ब्रिटिश काल से पहले के संस्करण को पेश करने की मांग की और कहा कि ऐसे बयान समाज में अशांति फैलाते हैं। बाद में सभापति ने खरगे की मनुस्मृति संबंधी टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने का निर्देश दिया। राज्यसभा में कांग्रेस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मनुस्मृति पर की गई टिप्पणी के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने खरगे से माफी की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी की और कहा कि सदन में इस तरह की बयानबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सदन के नेता जेपी नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने तथ्यात्मक रूप से गलत बातें कही हैं। उन्होंने मनुस्मृति के मूल पाठ का प्रमाणीकरण कराने की मांग की।

एसआईआर के दौरान सरकारी अधिकारी पर हमला, दो गिरफ्तार

बेंगलुरु, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलुरु पुलिस ने गुरुवार को दो लोगों को मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) के लिए तैनात सरकारी अधिकारी पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारी पर यह हमला तब हुआ जब वह बेंगलुरु में बूथ स्तर के अधिकारियों की निगरानी कर रहे थे।

आरोपियों की पहचान दस्तगीर (22) और यारब (21) के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता पकीरप्पा कर्नाटक स्लम डेवलपमेंट बोर्ड में अधीक्षक हैं, उन्हें पुलकेशिनगर राजस्व कार्यालय द्वारा वार्ड नंबर 47 में एसआईआर का काम करने वाले बूथ-स्तरीय अधिकारियों के लिए पर्यवेक्षक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। एफआईआर के अनुसार, यह घटना बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे रोशन नगर के कौसर मस्जिद के पास घटी।

भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

जुमे की नमाज के लिए दरगाह की जमीन देने के निर्देश

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अहम अंतरिम आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को परिसर से सटी दरगाह की जमीन (खसरा नंबर 596) पर मुस्लिम समुदाय के लिए जुमे की नमाज की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि मुस्लिम समुदाय हर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक इस स्थान पर नमाज अदा कर सकेगा और राज्य सरकार आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में क्या कहा

रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि खसरा नंबर 596, जो दरगाह की भूमि बताई गई है, विवादित परिसर के बिल्कुल निकट है और वहां तक अलग पहुंच मार्ग भी उपलब्ध है। अदालत ने इसे नमाज के लिए उपयुक्त स्थान मानते हुए मध्य प्रदेश सरकार को तत्काल आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। यह आदेश मुस्लिम पक्ष की उस अर्जी पर आया, जिसमें पहले तय किए गए वैकल्पिक स्थल को बदलने की मांग की गई थी।

मुस्लिम पक्ष ने अदालत को बताया कि प्रशासन ने पहले जिस स्थान को नमाज के लिए चिन्हित किया था, वह भोजशाला परिसर से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर था, जिससे सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश का उद्देश्य पूरा नहीं हो रहा था। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने कहा कि प्रशासन की ओर से सुझाए गए नए विकल्प भी विवादित परिसर से काफी दूर थे। इसके बाद अदालत ने परिसर से सटी दरगाह की जमीन को उपयुक्त विकल्प मानते हुए नया निर्देश जारी किया। यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में उन अपीलों के जरिए लंबित है, जिनमें मुस्लिम पक्ष ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के 15 मई 2026 के फैसले को चुनौती दी है।

पीएम मोदी ने अरुणाचल और नगालैंड के सांसदों को दिया भरोसा

> बाढ़ से निपटने में केंद्र देगा पूरा सहयोग

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के पांच सांसदों को भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए सभी जरूरी सहायता देगी और संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर समन्वय से काम करती रहेगी। दोनों पूर्वोत्तर राज्यों के सांसदों से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों से मुलाकात हुई। हमने बाढ़ के कारण इन राज्यों में बनी स्थिति पर बात की। केंद्र सरकार संबंधित राज्य सरकारों के साथ मिलकर चुनौतियों से निपटने के लिए काम करती रहेगी। सभी के कुशल और सुरक्षित रहने की कामना करता हूं। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू के नेतृत्व में पांच सांसदों ने संसद भवन, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान दोनों राज्यों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई।

बाद में किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड के सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से संसद भवन में मुलाकात कर दोनों राज्यों की बाढ़ स्थिति से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने हर संभव मदद का भरोसा दिया और प्रभावित लोगों के लिए समय पर राहत, पुनर्स्थापन और सहायता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी निर्देश भी दे दिए हैं। प्रधानमंत्री से मिलने वाले सांसदों में तापिर गाओ (लोकसभा, अरुणाचल प्रदेश), ताई तागक (राज्यसभा, अरुणाचल प्रदेश), एस. सुपोंगमेरेन जमीर (लोकसभा, नगालैंड) और एस. फांगनोन कोन्याक (राज्यसभा, नगालैंड) शामिल थे। कांग्रेस सांसद एस. सुपोंगमेरेन जमीर को छोड़कर बाकी सभी सदस्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से हैं।

'कैलाश' और 'शिवालिक' कोडनेम से तैयार हुए थे पेपर सेट

नीट पेपर लीक जांच में नया खुलासा

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। 'कैलाश' और 'शिवालिक' देश की प्रतिष्ठित पर्वत श्रृंखलाओं के नाम हैं। 3 मई को आयोजित नीट यूजी परीक्षा के दौरान एग्जाम सेंटर पर प्रिंट किए गए और बांटे गए दो अलग-अलग प्रश्नपत्र सेट के कोडनेम थे। देश को झकझोर देने वाले पेपर लीक मामले की जांच में सीबीआई ने यह खुलासा किया है। देशभर के मेडिकल कॉलेजों में सीट पाने के इच्छुक 22 लाख से ज्यादा छात्रों ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित 3 मई की नीट यूजी परीक्षा दी थी। पेपर लीक सामने आने के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई। इस घटना के बाद देशभर में विरोध प्रदर्शन हुए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। पेपर लीक मामले की जांच में 77 दिनों में बड़ा हिस्सा पूरा करने के बाद सीबीआई ने मंगलवार को दिल्ली की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट में अपनी चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने इस मामले में 13 आरोपियों को नामजद किया है। इनमें एनटीए की बायोलॉजी एक्सपर्ट मनीषा मंधारे, केमिस्ट्री एक्सपर्ट प्रल्हाद विठ्ठलराव कुलकर्णी और फिजिक्स एक्सपर्ट मनीषा संजय हवालदार भी शामिल हैं।

सीबीआई की ओर से दाखिल की गई चार्जशीट 94 पन्नों की है जबकि पूरे मामले की केस फाइल 20000 से ज्यादा पन्नों में फैली हुई है। अभियोजन पक्ष ने अदालत में 360 गवाहों से पूछताछ कराने का प्रस्ताव रखा है और रिकॉर्ड पर 422 दस्तावेज तथा 43 भौतिक साक्ष्य (आर्टिकल) पेश किए हैं। एक सूत्र ने बताया, 'जांच के दौरान कई छात्रों और अन्य महत्वपूर्ण गवाहों के बयान भी मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज कराए गए।'

आपके जज्बे को सलाम! आईएएसवी त्रिवेणी की महिला क्रू टीम का राजनाथ सिंह ने किया सम्मान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को 'समुद्र प्रदक्षिणा' अभियान को सफलतापूर्वक पूरा करने पर भारतीय ऑटोनॉमस सरफेस वेसल (आईएएसवी) त्रिवेणी की तीनों सेनाओं की महिला क्रू टीम को सम्मानित किया।

नई दिल्ली में महिला अधिकारियों से बातचीत करते हुए रक्षा मंत्री ने चार महासागरों में लगभग 25,500 समुद्री मील की 314 दिनों की यात्रा को सफलतापूर्वक पूरा करने में टीम के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने इस अभियान को 'नारी शक्ति' का प्रमाण और त्रि-सेवाओं के आपसी सहयोग और तालमेल का एक बेहतरीन उदाहरण बताया।

महिला अफसरों ने राजनाथ से शेयर किए अनुभव

महिला अधिकारियों ने राजनाथ सिंह के साथ अपने अनुभव शेयर किए और बताया कि इस मुश्किल अभियान ने उनकी यात्रा को यादगार बनाया। उन्होंने कहा कि देश को गौरवान्वित करने के मजबूत इरादों ने उन्हें प्रेरित रखा, जिससे वे भारी शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना कर सकीं।

4 महासागर, 25500 समुद्री मील, 314 दिनों की यात्रा

रक्षा मंत्री ने कहा कि महिला टीम के समर्पण ने उन्हें प्रेरित किया और उनके अपने संकल्प को और मजबूत किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि महिला टीम की उपलब्धि यह दिखाती है कि मजबूत विश्वास और दृढ़ संकल्प से जीवन में कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अफसरों की काबिलियत और आत्मविश्वास को 'अविश्वसनीय' बताते हुए राजनाथ सिंह ने अहम टिप्पणी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'समुद्र प्रदक्षिणा' की कामयाबी ने उन रूढ़िवादी सोच को तोड़ दिया है जिनके अनुसार महिलाएं मुश्किल सैन्य मिशन पूरे नहीं कर सकतीं। उन्होंने महिला अफसरों से कहा कि आपने साबित कर दिया है कि शारीरिक क्षमता, मानसिक मजबूती और नेतृत्व के गुण जेंडर तक सीमित नहीं हैं। भारत की हर बेटी आपको देखकर यह विश्वास कर सकती है कि वह भी समुद्र पार कर सकती है और दुनिया जीत सकती है।

प्रधान का इस्तीफ़ा तो बस शुरुआत है

शिक्षा व्यवस्था में बहुत ज़्यादा गड़बड़ी है: कांग्रेस

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी बहुत गहरी है और शिक्षा मंत्री के तौर पर धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा इसकी विश्वसनीयता को फिर से बहाल करने की लंबी यात्रा का सिर्फ़ पहला कदम है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि महाराष्ट्र के प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में एडमिशन की प्रक्रिया जांच के दायरे में आ गई है,

क्योंकि परीक्षा केंद्रों में धांधली का एक घोटाला सामने आया है। रमेश ने एक्स पर कहा, भारत की शिक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी बहुत गहरी है और मंत्री प्रधान का इस्तीफ़ा इसकी विश्वसनीयता को फिर से बहाल करने की लंबी

यात्रा का सिर्फ़ पहला कदम है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों से इंजीनियरिंग के लिए महाराष्ट्र कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एमएच-सीईटी) के नतीजों और 12वीं कक्षा के बोर्ड के अंकों के बीच अंतर देखा जा रहा है। रमेश ने कहा कि एम एच सीईटी में टॉप करने वाले छात्र अपने बोर्ड एग्ज़ाम में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।कांग्रेस नेता ने कहा, क्या ऐसा किसी गड़बड़ी की वजह से हो रहा है? क्या ऐसा स्कूल-आधारित शिक्षा के बजाय कोचिंग के बढ़ते चलन की वजह से हो रहा है? हमें इस पर गहराई से सोचने की ज़रूरत है।

रमेश ने कहा कि पेपर लीक के मामलों के लिए फ़ास्ट-ट्रैक कोर्ट बनाने का कानून पास करना ही समाधान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह कदम उन लाखों युवाओं की भावनाओं और जायज़ गुस्से का अपमान है जो पिछले कुछ महीनों से सड़कों पर उतरे हुए हैं।

जंगल में भालू ने किया हमला, आधी रात मदद के लिए पहुंची मेडिकल टीम

गढ़चिरौली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में मेडिकल टीम ने मानवता का परिचय देते हुए जंगल में घायल युवक की जान बचा ली। यह युवक जंगल के अंदर भालू के हमले में घायल हुआ था। वह चलने की स्थिति में नहीं था। ऐसे में पहले मेडिकल टीम जंगल के अंदर पहुंची और प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद जंगल में ही रात गुजारी और अगली सुबह घायल युवक को लेकर 18 किलोमीटर तक चले।

जंगल से बाहर आने के बाद युवक को अस्पताल पहुंचाया गया और उसे उचित इलाज मिलने से जान बच गई। मूसलाधार बारिश के कारण चारों ओर के रास्ते पानी से कट गए थे। ऐसी विषम परिस्थितियों में किसी भी वाहन का पहुंचना संभव नहीं था, वहां स्वास्थ्य विभाग की टीम, और मानवता का परिचय देते हुए घायल युवक की जान बचा ली।

पीओजेके में बंद करो बल प्रयोग

इंसानियत दिखाए पाकिस्तान पीडीपी प्रधान महबूबा मुफ्ती का पाक को कड़ा संदेश

श्रीनगर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने गुरुवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के उस पार गुलाम जम्मू कश्मीर के हालात पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों पर बलप्रयोग की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से गुलाम जम्मू कश्मीर में बल प्रयोग बंद करने और आंदोलनकारियों से बातचीत कर सभी विवादों का समाधान करने पर जोर दिया है। उन्होंने इंटरनेट मीडिया मंच एक्स पर अपने एक पोस्ट में गुलाम जम्मू कश्मीर के हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए लिखा है कि कश्मीर के दूसरे हिस्से से सामने आ रही तस्वीरें और वीडियो 'बेहद पीड़ादायक' हैं।

उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के साथ जिस तरह का बल प्रयोग किया जा रहा है, उसे देखकर गहरा दुख होता है महबूबा मुफ़्ती ने पाकिस्तान सरकार से अधिक मानवीय रवैया अपनाने तथा बल के बजाय संवाद का मार्ग चुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्राप्त रिपोर्टों से स्पष्ट होता है कि प्रदर्शनकारियों की मांगें वास्तविक हैं और उन्हें गंभीरता से सुना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'कोई भी देश नागरिकों को अधिकारों से वंचित कर या बंदूक के बल पर उनकी आवाज़ दबाकर मजबूत नहीं बन सकता।' उन्होने कहा कि 'कश्मीरियों को इज़्ज़त, इंसाफ़ और अपनी बात कहने का हक़ मिलना चाहिए, दमन नहीं।'

अब ड्रग्स माफियाओं पर एक्शन लेने वाली टीम को मिलेगा 30% एक्स्ट्रा इंसेंटिव

महाराष्ट्र सरकार का फैसला

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई को और अधिक मजबूत और असरदार बनाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है। सरकार ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के बेसिक पे पर 30% प्रोत्साहन भत्ता (इंसेंटिव अलाउंस) देने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा विधानसभा में की गई घोषणा के कुछ ही दिनों बाद आया है। उन्होंने सदन में कहा था कि सक्षम और काबिल पुलिसकर्मियों को इस विशेष ड्रग-विरोधी यूनिट की तरफ आकर्षित करने के लिए यहां नौकरी करने वाले अधिकारियों को अतिरिक्त इंसेंटिव दिया जाएगा।

गृह विभाग द्वारा जारी जीआर में बताया गया है कि एएनटीएफ के जवान और अधिकारी अपनी जान का जोखिम उठाकर ड्रग तस्करों के नेटवर्क, जिनमें इंटरनेशनल और आर्गेनाइज्ड क्राइम सिंडिकेट शामिल हैं, के खिलाफ सीक्रेट ऑपरेशंस, छापेमारी और जांच करते हैं। जीआर में इस बात का भी खास जिक्र किया गया है कि ड्यूटी के दौरान अधिकारी बेहद खतरनाक ड्रग्स के सीधे संपर्क में आते हैं, जिससे उन्हें शारीरिक और मानसिक नुकसान का लगातार खतरा बना रहता है। जीआर के मुताबिक, काम की गंभीर प्रकृति और अवैध ड्रग्स की तस्करी से निपटने में शामिल बड़े जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने एएनटीएफ में कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सातवें वेतन आयोग के तहत बेसिक पे के 30 प्रतिशत के बराबर इंसेंटिव अलाउंस को हरी झंडी दी है। हालांकि, यह विशेष भत्ता अधिकारियों को केवल तभी तक मिलेगा, जब तक वे एएनटीएफ में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

जैसे ही कोई अधिकारी या कर्मचारी अपने मूल कैडर या पुरानी यूनिट में वापस लौट आएगा, यह भत्ता अपने आप बंद हो जाएगा। इसके अलावा इस प्रोत्साहन राशि पर कोई अन्य अतिरिक्त भत्ता मान्य नहीं होगा। कुछ दिनों पहले विधानसभा में राज्य में बढ़ते ड्रग्स के खतरे पर उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हुए फडणवीस ने कहा था कि सरकार एएनटीएफ की पोस्टिंग को नक्सल प्रभावित इलाकों और एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) जैसे दूसरे स्पेशल असाइनमेंट्स में मिलने वाले फायदों के बराबर लाकर अधिक आकर्षक बनाना चाहती है, ताकि पुलिस डिपार्टमेंट के बेस्ट ऑफिसर्स इस फोर्स से जुड़ सकें।

बंगाल में हादसा, दक्षिणेश्वर स्टेशन के डाउन लाइन पर ओवरहेड तार टूटा, चिंगारी देख दहशत में आये यात्री

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिणेश्वर रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया। गुरुवार की सुबह डाउन लाइन का ओवरहेड (ओएचई) बिजली का तार अचानक टूट गया। तार टूटते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्टेशन पर मौजूद यात्रियों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तार टूटने के बाद तेज आवाज और चिंगारियां निकलने लगीं। बिजली के खतरनाक रूप को देखकर यात्री घबरा गए और सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। घटना के बाद कुछ समय के लिए ट्रेन परिचालन भी प्रभावित हुआ। रेलवे अधिकारियों को घटना की सूचना मिलते ही तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त ओवरहेड लाइन की मरम्मत का काम शुरू किया।

सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित ट्रैक पर बिजली आपूर्ति अस्थायी रूप से बंद कर दी गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।हालांकि, रेलवे प्रशासन पूरे मामले की जांच कर रहा है कि ओवरहेड तार टूटने का कारण क्या था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

हॉकी इंडिया की जर्सी का रंग बदलने पर भड़कीं प्रियंका गांधी

सरकार और आरएसएस पर साधा निशाना ;वे चाहे जो करें

वे चाहे यूनिफॉर्म बदलें या शिक्षा नीति के जरिये इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें। इस देश की आत्मा अहिंसा, सत्य और भाईचारे पर आधारित है। इसे कोई नहीं छीन सकता।

- प्रियंका गांधी, कांग्रेस सांसद

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से बदलकर भगवा किए जाने पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, चाहे वे जर्सी का रंग बदलें या शिक्षा नीति के जरिये इतिहास को फिर से लिखने की कोशिश करें, वे चाहे जो भी करें। आपने देखा है कि हमारे देश के युवा क्या सोचते हैं। आपने जंतर-मंतर पर जुटे युवाओं की बात सुनी है।

यह देश की आवाज है। प्रियंका गांधी ने कहा, अहिंसा और सत्य पर इस देश की आजादी की लड़ाई की नींव रखी गई थी। इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कोई भूमिका नहीं थी। पूरा देश इस सच्चाई को जानता है। जिन लोगों को नहीं पता था, उनको आज पता चल रहा कि इनकी नीयत क्या है। कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, महात्मा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने आंदोलन का नेतृत्व किया था।

इस देश की आत्मा अहिंसा, सत्य और भाईचारे पर आधारित है। इसे कोई नहीं छीन सकता, न आरएसएस और न ही कोई और। वे चाहे जितना भी समाज में विभाजन पैदा करें, हिंसा भड़काएं या नफरत फैलाएं, लेकिन देश की आत्मा कायम रहेगी, जो भाईचारे, आपसी प्रेम और एकता से बनी है।

जगनमोहन रेड्डी का आरोप: सीएम चंद्रबाबू नायडू एएसआर एयरपोर्ट का क्रेडिट लेने की कोशिश कर रहे हैं

विजयवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन्मोहन रेड्डी ने मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू पर तीखा हमला किया। उन्होंने नायडू पर अल्लूरी सीताराम राजू (एएसआर) इंटरनेशनल एयरपोर्ट का क्रेडिट हड़पने की कोशिश करने का आरोप लगाया। इस एयरपोर्ट का उद्घाटन 1 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विजयनगरम जिले के भोगपुरम में करेंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक विस्तृत बयान में, जगन ने कहा कि उत्तरी आंध्र के इस अहम इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का काम मुख्य रूप से वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल में पूरा हुआ था। उन्होंने नायडू पर बिना किसी योगदान के क्रेडिट लेने₹ का आरोप लगाया। एयरपोर्ट के पूरा होने और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इसके उद्घाटन का स्वागत करते हुए, जगन ने कहा कि यह इंटरनेशनल हब इलाके में व्यापार, कारोबार और पर्यटन को बढ़ावा देगा। हालांकि, उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर सत्ताधारी गठबंधन के मालिकाना हक जताने के दावे पर कड़ी आपत्ति जताई। जगन ने इस प्रोजेक्ट में नायडू के योगदान पर सवाल उठाए और 2019 में उनके द्वारा रखी गई आधारशिला को चुनावी हथकंडा करार दिया। वाईएसआरसीपी प्रमुख ने पूछा, 2019 के चुनावों से ठीक एक महीने पहले जल्दबाजी में आधारशिला रखने के अलावा जबकि असल में कोई काम नहीं हुआ था।

भूकंप के झटके से हिला अहमदाबाद, 2. 6 की थी तीव्रता, सहम गए लोग

अहमदाबाद, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के अहमदाबाद में आज (30 जुलाई) भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मोलॉजिकल रिसर्च (आईएसआर) के अनुसार सुबह करीब 4:39 बजे 2.6 तीव्रता का हल्का भूकंप महसूस किया गया। वहीं भूकंप का केंद्र अहमदाबाद से 29 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में था। आईएसआर के अनुसार, भूकंप जमीन की सतह से लगभग 20 किलोमीटर की गहराई पर आया था। आईएसआर के अनुसार, भूकंप जमीन की सतह से लगभग 20 किलोमीटर की गहराई पर आया था।

बताया जा रहा है कि अहमदाबाद और आसपास के कुछ इलाकों में लोगों ने थोड़ी देर के लिए भूकंप महसूस किया। मगर कुछ लोगों को इसका एहसास नहीं हुआ। वहीं 2.6 तीव्रता का हल्का भूकंप होने की वजह से किसी भी प्रकार की जनहानि या किसी व्यक्ति के घायल होने की कोई खबर सामने नहीं आई है। प्रशासन स्थिति को लेकर अलर्ट मोड़ पर है।

साई कृष्णा मामला: आंध्र हाई कोर्ट ने सीबीआई की याचिका वापस लेने पर नोटिस जारी किया

विजयवाड़ा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। लॉकअप में कथित मौत मामले में अप्रत्याशित मोड़ आ गया जब मृत युवक गाडे साई कृष्णा की मां गाडे विजयलक्ष्मी ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि उन्होंने अपने बेटे की हिरासत में मौत की सीबीआई जांच की मांग वाली अपनी याचिका वापस नहीं ली है। न्यायमूर्ति रविनाथ तिलहरी और न्यायमूर्ति चिंतालपुड़ी पुरूषोत्तम कुमार की खंडपीठ के समक्ष पेश होते हुए, विजयलक्ष्मी के वकील गुडीवाका वासुदेवुडु ने प्रस्तुत किया कि वकील कोगंती ऋत्विका ने याचिकाकर्ता की जानकारी, सहमति या निर्देशों के बिना सीबीआई जांच याचिका वापस लेने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी।

उन्होंने अदालत को बताया कि विजयलक्ष्मी ने उन्हें अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त किया था और उनके पक्ष में एक नई वकालत की थी। वकील ने पीठ को सूचित किया कि ऋत्विका से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और मामले के रिकॉर्ड का अनुरोध करने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। उन्होंने परिस्थितियों का हवाला देते हुए बिना एनओसी के अपनी वकालत दाखिल करने की अनुमति मांगी। नई याचिका की जांच करने के बाद, उच्च न्यायालय ने पाया कि आरोप बहुत गंभीर थे और निर्देश दिया कि वकील ऋत्विका को नोटिस जारी किया जाए। पीठ ने कहा कि वह उनका पक्ष सुनने के बाद ही उचित निर्णय लेगी और मामले को गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया।

सुनवाई के दौरान सरकार ने हाई कोर्ट को बताया कि लॉकअप में मौत के मामले में छह आरोपियों में से पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक फरार है। एक अलग सुनवाई में, मुख्य न्यायाधीश लिसा गिल और न्यायमूर्ति चल्ला गुणरंजन की अध्यक्षता वाली पीठ ने विशेष जांच दल (एसआईटी) को जांच की नवीनतम प्रगति अदालत के सामने रखने का निर्देश दिया।

पीठ ने एसआईटी से मामले के मुख्य आरोपी कृष्णालंका पुलिस स्टेशन के पूर्व इंस्पेक्टर नागराजू की पुलिस हिरासत से संबंधित सुप्रीम कोर्ट के आदेश भी पेश करने को कहा। अदालत ने जांच को सीबीआई को स्थानांतरित करने की मांग करने वाली एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए।

क्या बाघ ने ही बाघ का किया शिकार?

बालाघाट में गोरा बाघिन के बेटे 'सूखा' की मौत, एमपी में इस साल 46 टाइगर की गई जान

बालाघाट, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में एक नर बाघ की मौत का मामला सामने आया है। लालबर्रा वन परिक्षेत्र के सोनवानी अभ्यारण्य क्षेत्र में 13 माह के नर बाघ सूखा का शव मिला है। यह बाघ प्रसिद्ध गोरा बाघिन का बेटा था। वन विभाग की जांच में बाघ की मौत दूसरे बाघ के साथ हुए संघर्ष में होने की आशंका जताई गई है। घटना के बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और पोस्टमार्टम के बाद बाघ का अंतिम संस्कार कर दिया गया। लालबर्रा वन परिक्षेत्र के सोनवानी अभ्यारण्य क्षेत्र के कक्ष क्रमांक-443 में वन अमले को नर बाघ का शव दिखाई दिया। इसकी सूचना तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई।

सूचना मिलने के बाद मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) गौरव चौधरी और कटंगी के एसडीओ यशपाल मेहरा मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग की टीम ने पूरे क्षेत्र की जांच की और बाघ की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए आवश्यक

साक्ष्य जुटाए। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि बाघ के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे किसी अन्य वन्यजीव के साथ संघर्ष की संभावना जताई जा रही है। पेंच टाइगर रिजर्व के वन्यजीव चिकित्सक डॉ. अखिलेश मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर मृत बाघ का पोस्टमार्टम किया। प्रारंभिक जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बाघ के शरीर पर संघर्ष के निशान पाए गए हैं। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि बाघ की मौत क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर हुई भिड़ंत में हुई है। जंगलों में नर बाघ अपने इलाके पर कब्जे को लेकर अक्सर दूसरे नर बाघों से संघर्ष करते हैं। ऐसे संघर्ष कई बार जानलेवा साबित हो जाते हैं। मृत बाघ सूखा प्रसिद्ध गोरा बाघिन का बेटा था। महज 13 माह की उम्र में उसकी मौत से वन्यजीव प्रेमियों में भी चिंता है।

28 करोड़ कैश, 15 किलो सोना

गिनते-गिनते हांफ गई मशीनें; कौन है बीरभूम का धन कुबेर तुलु मंडल?

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता मिली है। फरार पत्थर कारोबारी तुलु मंडल के मैनेजर और बहनोई मीनार मंडल के घर से 28.5 करोड़ रुपये नकद और 15 किलो सोना बरामद किया गया है। पुलिस ने मीनार मंडल को गिरफ्तार कर लिया है और उसके घर को सील कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि यह राज्य में अब तक की सबसे बड़ी जब्तियों में से एक है। पुलिस के मुताबिक, घर में रखी लोहे की बड़ी पेटियों से 28.5 करोड़ रुपये नकद मिले। इसके अलावा 14 किलो की 14 सोने की छड़ें और 100-100 ग्राम के 10 सोने के बिस्कुट बरामद हुए। कुल मिलाकर करीब 15 किलो सोना मिला है, जिसकी कीमत लगभग 21.5 करोड़ रुपये आंकी गई है।

मीनार मंडल के बेटे को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इतनी बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के कारण पुलिस को नोट गिनने के लिए मशीनें मंगानी पड़ीं। बुधवार शाम तक करीब 20 करोड़ रुपये की गिनती पूरी हो चुकी थी। बाद में नकदी

और सोने को सीलबंद बक्सों में रखकर मोहम्मद बाजार थाने ले जाया गया, जहां से उन्हें बैंक में जमा कराया जाएगा।

जांच एजेंसियों को संदेह है कि बरामद नकदी और सोना पत्थर खदानों तथा अवैध खनन से हुई कमाई का हिस्सा हो सकता है। पुलिस अब इस रकम के स्रोत और इससे जुड़े लोगों की जांच कर रही है। इसी मामले में फरार कारोबारी तुलु मंडल के ठिकानों पर भी केंद्रीय बलों के साथ छापेमारी जारी है।

तुलु मंडल उर्फ मोहम्मद नजीबुद्दीन बीरभूम में पत्थर खनन कारोबार का बड़ा नाम माना जाता है। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से वह फरार बताया जा रहा है।

इससे पहले अगस्त 2022 में मवेशी तस्करी मामले की जांच के दौरान सीबीआई ने उसके ठिकानों पर छापा मारा था। नवंबर 2022 में ईडी ने भी उसे पूछताछ के लिए तलब किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कथित सिंडिकेट लंबे समय से सक्रिय था और इसकी कमान तुलु मंडल के हाथों में होने की जांच की जा रही है।

अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आखिर इतनी बड़ी रकम और सोना किस कारोबार या नेटवर्क से जुड़ा था और इसे मीनार मंडल के घर तक कैसे पहुंचाया गया।

गिरफ्तार मीनार मंडल की पत्नी का कहना है कि उन्हें इन पेटियों में क्या रखा था, इसकी जानकारी नहीं थी। उनके मुताबिक, तुलु मंडल कुछ साल पहले यह कहकर पेटियां घर में रख गया था कि इनमें जरूरी कागजात हैं और उनकी चाबी भी उसी के पास थी। बीरभूम का पत्थर खनन क्षेत्र लंबे समय से अवैध खनन, राजस्व चोरी और माफिया नेटवर्क के आरोपों को लेकर चर्चा में रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में सीबीआई और ईडी भी इससे जुड़े कई मामलों की जांच कर चुकी हैं। अब करोड़ों रुपये की नकदी और भारी मात्रा में सोने की बरामदगी के बाद जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस धन का असली स्रोत क्या है और इस नेटवर्क में किन-किन लोगों की भूमिका रही है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 78 हुई

आईएमडी की और बारिश की चेतावनी के बीच तीन लाख से ज़्यादा लोग अभी भी प्रभावित

गुवाहाटी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार को असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी रही, हालांकि राज्य के कई हिस्सों में पानी का स्तर कम हुआ है। मरने वालों की संख्या बढ़कर 78 हो गई है और तीन लाख से ज़्यादा लोग अभी भी प्रभावित हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले तीन दिनों में असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है, जिससे संवेदनशील ज़िलों में फिर से बाढ़ आने की चिंता बढ़ गई है। इसलिए, डूबे हुए गांवों से पानी का स्तर कम होता रहा, जिससे ग्रामीणों को कुछ राहत मिली, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक अधिकारी ने कहा। रात जारी प्राधिकरण के दैनिक बाढ़ बुलेटिन में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में तीन मौतें हुईं - दो शिवसागर ज़िले में और एक गोलाघाट में। इसके साथ ही, इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या 78 हो गई है।

कुल मिलाकर 3,00,031 लोग प्रभावित हुए, जिनमें से चराइदेव सबसे ज़्यादा प्रभावित रहा (1,37,561 लोग), इसके बाद शिवसागर (84,600) और जोरहाट (49,911) का नंबर आता है।

16,500 से ज़्यादा विस्थापित लोग 71 राहत शिविरों में शरण लिए हुए थे। इसके अलावा 30 राहत वितरण केंद्र 72,000 से ज़्यादा लोगों की मदद कर रहे थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को फोन करके बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। सरमा ने कहा कि हालांकि बाढ़ का पानी कम हो गया है, लेकिन कई लोग वापस नहीं लौट पा रहे हैं क्योंकि उनके घर या तो क्षतिग्रस्त हो गए हैं या उनमें कीचड़ और गाद भर गई है। शाह, जिन्होंने सात दिनों में दूसरी बार सरमा को फोन किया, ने उन्हें राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए केंद्र से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

प्रभावित इलाकों में बचाव कार्यों में मेडिकल और पशु चिकित्सा टीमों सहित कई एजेंसियां जुटी हुई थीं। 21,523.08 हेक्टेयर फसल क्षेत्र जलमग्न रहा। 11,000 से ज़्यादा जानवर बह गए, जबकि 17,000 अन्य प्रभावित हुए। एएसडीएमए बुलेटिन में यह भी बताया गया कि अलग-अलग इलाकों में तटबंधों, घरों, सड़कों, स्कूलों और दूसरी सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुँचा है।

सुविचार: पहाड़ जैसी विपत्ति को दूर करने के लिए सिर्फ थोड़ा सा साहस ही पर्याप्त है

सब्जियों की खेती और जैविक कृषि को बढ़ावा दें : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य में सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने के लिए कृषि विभाग के साथ समन्वय कर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को सब्सिडी पर गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए तैयार है।

साथ ही सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए संचालित किए जा रहे नाश्ता एवं मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के लिए बनाए जा रहे केंद्रीकृत रसोईघरों के आसपास सब्जियों की खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित किया जाए। गुरुवार को एमसीआर मानव संसाधन विकास संस्थान के बोधि पैविलियन में विशेषज्ञ समिति ने मुख्यमंत्री को एल नीनो की परिस्थितियों के प्रभाव और राज्य की आपातकालीन कार्ययोजना पर अपनी रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट में राज्य सरकार को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को जैविक पद्धति से सब्जियां और अन्य फसलों की खेती के लिए जागरूक किया जाए तथा किसानों की उपज की सीधे खरीद सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कृषि विस्तार अधिकारियों की नियुक्ति कर किसानों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि राज्य में सामान्य से कम वर्षा होने के कारण कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। ऐसे में किसानों को वैकल्पिक फसलों की ओर प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। समिति ने प्रत्येक गांव के लिए आपातकालीन कृषि योजना तैयार करने तथा दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और सब्जियों की खेती को बढ़ावा देने की सिफारिश की। रिपोर्ट में इन फसलों के लिए 75 प्रतिशत सब्सिडी पर बीज उपलब्ध कराने और वैकल्पिक फसलों की खेती के लिए नए कृषि ऋण स्वीकृत करने का सुझाव दिया गया है। समिति के अनुसार पिछले वर्ष इसी अवधि में 79.49 लाख एकड़ क्षेत्र में खेती हुई थी, जबकि इस वर्ष अब तक केवल 74.56 लाख एकड़ में ही बुवाई हो सकी है।

वर्तमान में लगभग 45 लाख एकड़ में कपास, 3.62 लाख एकड़ में सोयाबीन और 14.92 लाख एकड़ में धान की खेती की जा रही है। समिति ने एल नीनो के प्रभाव को देखते हुए सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली पर 75 से 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देने की सिफारिश की। इसके अलावा पशु चारा बीजों पर सब्सिडी, चारा उत्पादन को बढ़ावा, सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों के माध्यम से किसानों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराने का सुझाव भी दिया गया। रिपोर्ट में हैदराबाद के आसपास के गांवों में सब्जियों की खेती को प्रोत्साहित करने, किसानों की उपज को किसान बाजारों तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने, ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी इकाइयों की स्थापना हेतु वित्तीय सहायता देने तथा आपातकालीन उपायों की निगरानी के लिए ग्राम स्तरीय समितियां गठित करने की भी सिफारिश की गई। इस अवसर पर राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष जी. चिन्ना रेड्डी तथा विशेषज्ञ समिति के सदस्य उपस्थित थे।

कुख्यात अपराधी मोहम्मद असद के खिलाफ पीडी एक्ट

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने कुख्यात अपराधी मोहम्मद असद के खिलाफ प्रिवेंटिव डिटेंशन (पीडी) एक्ट लगाया है। वह हत्या समेत कई आपराधिक मामलों में कथित तौर पर शामिल रहा है। हैदराबाद पुलिस ने पहले उसे एक साल के लिए शहर से बाहर निकालने का आदेश दिया था। हालांकि, शहर से बाहर रहने की अवधि के दौरान, वह कथित तौर पर शहर में वापस आ गया और कालापत्थर रोड पर एक दुकान में तोड़-फोड़ की।

आपराधिक गतिविधियों में बार-बार शामिल होने और एक आपराधिक गिरोह चलाने में कथित भूमिका के कारण, हैदराबाद पुलिस कमिश्नर वीसी सज्जनार ने उसे एक साल के लिए प्रिवेंटिव डिटेंशन एक्ट के तहत हिरासत में लेने का आदेश जारी किया। हिरासत के आदेश जारी होने के बाद, बालापुर पुलिस ने मोहम्मद असद को खोजने की कोशिशें शुरू कीं, जिसके निज़ामाबाद के आसपास होने का शक था। सूत्रों के अनुसार, खास जानकारी मिलने पर कालापत्थर पुलिस की एक टीम ने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के नांदेड़ में उसका पता लगाया और कथित तौर पर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दवा दुकान पर छापा, अवैध रूप से रखे 113 गर्भपात किट जब्त

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नलगोंडा में एक थोक दवा दुकान पर छापेमारी कर अवैध रूप से बिक्री के लिए रखे गए 113 गर्भपात किट जब्त किए हैं। ये दवाएं बिना वैध खरीद बिल के भंडारित की गई थीं।

औषधि नियंत्रण प्रशासन के अनुसार, विश्वसनीय सूचना के आधार पर अधिकारियों ने 29 जुलाई को नलगोंडा के प्रकाशम बाजार स्थित महावीर मेडिकल मार्केट में संचालित श्री लक्ष्मी मेडिकल एजेंसियों पर छापा मारा। यह प्रतिष्ठान पी. सुधाकर के स्वामित्व में संचालित हो रहा था। छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने सेफ-टी किट नामक 113 गर्भपात किट बरामद किए। ये किट एमटीपी किट (गर्भसमापन दवाएं) हैं, जिनका बैच नंबर बीएच007एबीबी और समाप्ति तिथि फरवरी 2028 है। इनका निर्माण उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित अक्यूम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड द्वारा किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि इन दवाओं को बिना वैध खरीद बिल के बिक्री के उद्देश्य से रखा गया था, जो औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों का उल्लंघन है। जब्त की गई दवाओं की कुल कीमत 47,672 रुपये बताई गई है। औषधि नियंत्रण प्रशासन ने बताया कि एमटीपी किट में मिफेप्रिस्टोन और मिसोप्रोस्टोल जैसी दवाएं शामिल होती हैं, जिनका उपयोग चिकित्सकीय सलाह और निर्धारित परिस्थितियों में ही प्रारंभिक गर्भावस्था समाप्त करने के लिए किया जाता है।

बिना चिकित्सकीय निगरानी या गलत तरीके से इनके उपयोग से अत्यधिक रक्तस्राव, अधूरा गर्भसमापन, संक्रमण जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं और महिला के जीवन को खतरा हो सकता है। यह कार्रवाई नलगोंडा के सहायक औषधि नियंत्रक वी. रवि कुमार और औषधि निरीक्षक च. संपत कुमार के नेतृत्व में की गई। अधिकारियों ने जब्त दवाओं के नमूने जांच के लिए भेज दिए हैं। मामले की आगे जांच की जाएगी और कानून के अनुसार दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

भारी वर्षा को लेकर प्रशासन रहे सतर्क जनजीवन प्रभावित न हो : मंत्री पोंगुलेटी

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आपदा प्रबंधन, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गहरे निम्न दबाव और सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रभाव से होने वाली भारी वर्षा को देखते हुए पूरी तरह सतर्क रहें तथा लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए जाएं। गुरुवार को मंत्री ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ दूरभाष के माध्यम से समीक्षा बैठक की। उन्होंने पिछले दो दिनों में हुई वर्षा तथा अगले दो दिनों के लिए मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि जिन जिलों में वर्षा का प्रभाव अधिक है, वहां स्थिति की लगातार निगरानी की जाए। नदियों, नालों, तालाबों और जलाशयों के आसपास सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों अथवा राहत शिविरों में तत्काल स्थानांतरित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि जिला कलेक्टर, पुलिस, राजस्व, पंचायती राज, नगर प्रशासन, विद्युत, सिंचाई तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू करें। मंत्री ने विशेष रूप से हैदराबाद में लगातार हो रही वर्षा के कारण यातायात, बिजली और पेयजल आपूर्ति प्रभावित न होने देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया प्राधिकरण, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम और यातायात पुलिस समन्वय के साथ कार्य करें ताकि आम लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि चार दिन पहले तक राज्य में वर्षा की कमी लगभग 30 प्रतिशत थी, लेकिन पिछले दो दिनों में हुई भारी वर्षा के कारण यह कमी लगभग पूरी हो गई है और वर्षा सामान्य स्तर के करीब पहुंच गई है। मंत्री ने कहा कि मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार 30 और 31 जुलाई को राज्य के कई हिस्सों में भारी से अत्यंत भारी वर्षा होने की संभावना है। इसे देखते हुए आदिलाबाद, कोमराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल और जगित्याल जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा निजामाबाद, कामारेड्डी, राजन्ना सिरिसिल्ला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मंत्री ने संबंधित जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि अगले दो दिनों तक विशेष सतर्कता बरतें और संभावित भारी वर्षा वाले जिलों में पहले से ही सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

विश्वविद्यालय के विकास में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की अहम भूमिका : रेड्डी

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उच्च शिक्षा में गैर-शिक्षण कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए, डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. एल. विजया कृष्णा रेड्डी ने कहा कि गैर-शिक्षण कर्मचारी विश्वविद्यालयों के कुशल संचालन और समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। बीआरएओयू में आयोजित तेलंगाना राज्य विश्वविद्यालय गैर-शिक्षण कर्मचारी संघ (टीयूएनटीईए) की पहली कार्यकारी बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, डॉ. रेड्डी ने कहा कि गैर-शिक्षण कर्मचारियों की समर्पित सेवा सुचारू प्रशासन और गुणवत्तापूर्ण छात्र सेवाओं को सुनिश्चित करती है। उन्होंने कर्मचारियों से विश्वविद्यालय प्रणाली को मजबूत करने के लिए सहयोग, समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीयूएनटीईए तेलंगाना के विश्वविद्यालयों में गैर-शिक्षण कर्मचारियों के कल्याण, सेवा संबंधी मामलों और व्यावसायिक चिंताओं के समाधान के लिए एक साझा मंच के रूप में उभरेगा।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा अभियान चलाया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार की 'अराइव अलाइव' सड़क सुरक्षा पहल के तहत, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) पर आरटीसी चालकों के लिए एक यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवर चालकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों, यातायात डायवर्जन और सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं के बारे में जागरूक करना है। अतिरिक्त डीसीपी (ट्रैफिक-II) सी वेणुगोपाल रेड्डी ने चालकों से यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा उपायों और डायवर्जन दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया, और पूरे शहर में सुरक्षित सड़कों और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। गोशामहल यातायात पुलिस स्टेशन के अतिरिक्त निरीक्षक केएन प्रसाद वर्मा भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

गणेशोत्सव में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा उपाय करना आवश्यक : सज्जनार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी गणेश उत्सवों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल तरीके से आयोजित करने के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

इसी क्रम में पुलिस अधिकारियों ने मूर्ति निर्माताओं के साथ समन्वय समीक्षा बैठक आयोजित की। बंजारा हिल्स स्थित टीजीआईसीसीसी मिनी सम्मेलन कक्ष में गुरुवार को आयोजित बैठक की अध्यक्षता हैदराबाद सिटी पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने की। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की थी। बैठक में पुलिस आयुक्त सज्जनार ने कहा कि गणेश प्रतिमाओं की स्थापना से लेकर शोभायात्रा और विसर्जन तक किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पहले से सुरक्षा उपाय करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष शहर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में लगभग 23 हजार गणेश प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं, लेकिन प्रतिमाओं के परिवहन के दौरान चार दुर्घटनाएं हुई थीं। इस बार ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए निर्माण स्तर से ही सुरक्षा नियमों का पालन करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के अनुसार गणेश प्रतिमाओं की अधिकतम ऊंचाई 16 फीट तक सीमित रखने का निर्णय लिया गया है। पुलिस आयुक्त ने कलाकारों से सामाजिक जिम्मेदारी के तहत मिट्टी की प्रतिमाओं को बढ़ावा देने की अपील की।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Service No. 15709742A HAV GURUNATH GADDANAKERI, R/o.Vill: Koppa (Lt), PO: Hullur, Teh: Muddebihal, Dist: Vijayapura, Karnataka-586213 that my father name & DOB is changed from BASHAPPA GADDANAKERI, DOB:01-07-1966 to BASAPPA LAMANI, DOB:01-01-1956 and mother name & DOB is changed from MANABAI GADDANAKERI, DOB:01-07-1967 to MANUBAI LAMANI, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:30-7-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सार्वजनिक सूचना

पूर्वा ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड

पूर्वाह ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 2ए, लॉर्ड सिन्हा रोड, प्रथम तल, मिडलटन रो, कोलकाता -700071 पर स्थित है, भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के अंतर्गत सभी अधिकार प्रदान करने हेतु आवेदनकरने का इरादा रखता है, जो विद्युत लाइनों या विद्युत संयंत्रों को विद्युत संचारण के लिए स्थापित करने या दूरभाष अथवा तार-संचार से संबंधित आवश्यक समन्वय हेतु आवश्यक हैं - वे सभी अधिकार जो भारतीय तार अधिनियम, 1885 के अंतर्गत टेलीग्राफप्राधिकरण को उन टेलीग्राफ लाइनों और खंभों कि स्थापना एवं अनुरक्षण के संबंध में प्राप्त हैं। कंपनी ट्रांसमिशन योजनाओं के लिएसर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, परिनिर्माण (इरेक्शन), तथा अन्य संबंधित कार्यों के साथ-साथ प्रवर्तन में लाना (कमीशनिंग),संचालन, अनुरक्षण एवं अन्य आवश्यक गतिविधियाँ भी संपादित करेगी।

ट्रांसमिशन योजना का नाम : आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम में मेसर्स पूर्वा ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड के 339.9 MW विंड पावरपरियोजना को कनेक्टिविटी प्रदान करने हेतु ट्रांसमिशन प्रणाली।

योजना के अंतर्गत सम्मिलित कार्य::

1. मेसर्स पूर्वा ग्रीन पावर प्राइवेट लिमिटेड का जनरेशन पूलिंग स्टेशन (जनरेशन स्विचयार्ड गांव: ईस्ट कोडिपल्ली, मंडल:कल्याणदुर्ग, जिला-अनंतपुरम, आंध्र प्रदेश में है) - अनंतपुर-II PS (ISTS S/s) 220kV S/c (सिंगल सर्किट) लाइनD/c (डबल सर्किट) टावरों पर। (कुल लाइन की लंबाई 58 km है, जिसमें से अनंतपुर-II PS के आखिर से लगभग 1-2 kmD/c (डबल सर्किट) अथवा M/c मल्टी-सर्किट टावरों पर लगाया जाएगा)

इस योजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइन आंध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपरसे, उनके आस-पास से तथा उनके बीच से होकर गुज़रेगी:

क्रमांक	गाँव का नाम	तहसील/मंडल	जिला
1.	मल्लीपल्ली, पलावायी (पलावोयी), नारायणपुरम, मल्लापुरम, मुदिगल्लु, बोरमपल्ली, कल्याणदुर्ग, गोला, चपरी (चपिरी), पूर्वी कोडिपल्ली (कोडिपल्ली), डोडागट्टा, कुरकुलटोटा (कुराकुलथोटा), वंतीमिट्टी, देवडेला बेट्टा, देवदुलकोंडा, तिम्मागानिपल्ली, वर्ली (वर्ली पाली), चपरी टांडा	कल्याणदुर्ग	अनंतपुरम (अनंतपुरमु)
2.	विरुपापल्ली, सिरपी, नरसापुरम, यलगलावंका, यलगलावंका टांडा, अवुलेना, बेलुगुप्पा, नरांजिगुंडलपल्ली (नरिंजगुंडलापल्ले), श्रीरंगपुरम, नक्कालपल्ली, वेंकटाद्रिपल्ली, बुदिवर्ती, बेलुगुप्पा टांडा, एर्रागुडी (येर्रागुडी), ब्राह्मणपल्ली टांडा, रावणहल्ली, मडीरेड्डिपल्ली, कोनापुरम, कोट्टागंगवरम	बेलुगुप्पा	अनंतपुरम (अनंतपुरमु)
3.	वेपारला, नागिरेड्डीपल्ली (नागिरेड्डीपल्ले), आदिगनिपल्ली, कदरमपल्ली, कैंचनपल्ली	रायदुर्ग	अनंतपुरम (अनंतपुरमु)
4.	रत्चूमरी, कोट्टापल्ली (कोठापल्ली), गंगालपुरम, पुल्लमपल्ली, पुलाचेरला (हुलिकेरे), कनेकल्लु (कनेकल), केनगुंटा, एर्रागुंटा (येर्रागुंटा), उडेगोलम, कनेकल्लु ब्रह्मसमुद्री (ब्रहमसमुद्रम), होन्नूरू (बेन्निकल्लु), गनिगेरे (गनिगेरा), अंबापुरम, जक्कलवादिकी, गोलालदोड्डी, गोपालपुरम	कनेकल्लु (कनेकल)	अनंतपुरम (अनंतपुरमु)
5.	हरिजनवाड़ा, गोनाहालु (गोनेहाल), श्रीधरघट्टा (श्रीधरघट्टू), उप्पाराहालु, कृष्णापुरा, कोलागनहल्ली, लिंगदाहालु (नागलापुरम), श्रीरंगपुरम (उद्देहल), (बंदुरू) बन्दुर, लालबहादुरनगर, सिंगनहल्ली	बोम्मानाहल	अनंतपुरम (अनंतपुरमु)

मार्ग संरेखण की प्रतिलिपि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस सूचना केप्रकाशित होने की तारीख से दो महीने के अंदर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली पर अपनी राय / आपत्ति लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरीके कार्यालय में दें।

अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

व्यक्ति का नामः - प्रतीक मोहन राय

पदनामः - वरिष्ठ प्रबंधक

कार्यालय का पताः 6वीं मंज़िल, एमजीएफ कॉर्पोरेट पार्क, एमजीएफ मेट्रोपॉलिटन मॉल के पास, साकेत, नई दिल्ली 110017

ईमेलः prateek.rai@rpsg.in, **संपर्क नंबर-** +919350111274

बांकीपुर उपचुनाव में कार्रवाई, लग्जरी कार से 1.17 लाख रुपये बरामद वोटरों को लुभाने की आशंका

बांकीपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा उपचुनाव के दौरान मतदाताओं को नकद रुपये देकर प्रभावित करने की गुप्त सूचना पर पटना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। सूचना मिलते ही पीरबहोर थाना क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान भंवर पोखर स्थित पशु अस्पताल के पास पुलिस ने एक संदिग्ध फॉरच्यूनर को रोककर उसकी तलाशी ली। जांच के दौरान गाड़ी में सवार एक व्यक्ति के पास से 1.17 लाख रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस ने पूरी राशि को तत्काल जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बरामद नकदी का इस्तेमाल चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए किया जाना था। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और मामले की सत्यता का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने संबंधित व्यक्ति से पूछताछ शुरू कर दी है।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस

पूर्णिया, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्णिया से सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव और उनके परिवार को उनकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से जान से मारने की धमकी मिली है। इस मामले में पप्पू यादव ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। सांसद कार्यालय की ओर से नई दिल्ली के डीसीपी को भेजे गए पत्र के अनुसार, 28 जुलाई को 'पप्पूयादवडॉटओआरजी' वेबसाइट के शिकायत पोर्टल पर दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गईं। शिकायत में सांसद को गोली मारकर हत्या करने और उनके पूरे परिवार को बम से उड़ा देने की खुली धमकी दी गई है।

पत्र में कहा गया है कि धमकी भेजने वाले ने अपना नाम मुकेश मिश्रा बताया है। शिकायत में मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी और आधार संख्या है। साथ ही पता मधुबनी, बिहार दर्ज किया गया है। सांसद के कार्यालय ने पत्र में लिखा कि मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए इसे सीधे डीसीपी स्तर पर संबोधित किया जा रहा है, ताकि त्वरित जांच और कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। पत्र में अनुरोध किया गया है कि उपरोक्त तथ्यों के आधार पर संबंधित थाने में तत्काल प्रभाव से प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए और जांच की प्रगति से कार्यालय को अवगत कराया जाए। साथ ही सांसद और उनके परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक निवारक और सुरक्षात्मक कदम उठाने का भी आग्रह किया गया है।

पत्र में कहा गया है कि एक जनप्रतिनिधि और उनके परिजनों को इस तरह की सार्वजनिक धमकी मिलना बेहद चिंताजनक है और इससे सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव बीते कुछ समय से बिहार और राष्ट्रीय मुद्दों पर मुखर हैं। उनके बयानों और सामाजिक कार्यों के कारण वे अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। पुलिस साइबर सेल की मदद से आईपी एड्रेस और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है।

'बीजेपी ने की श्रद्धा में सेंधमारी'

चंदा चोरी पर अखिलेश यादव का बड़ा हमला

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला किया है। उन्होंने चंदा चोरी के लिए भाजपा और उसके संगी साथियों को ज़िम्मेदार बताया और कहा कि राम मंदिर में जिस तरह से लोकधन की लूट हुई उस मुद्दे को लोक संसद तक पहुंचाना और उठाना हम सबका धर्म कर्तव्य है। अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर कहा- 'भाजपा और उनके संगी-साथी 'आस्था के साथ विश्वासघात के महापाप और अपराध' के दोषी हैं! ये अक्षम्य 'महापाप' है। इसीलिए 'लोकधन की लूट' का मुद्दा लोक-संसद तक पहुंचाना और उठाना, हम सब का धर्म सम्मत कर्तव्य है। जो भाजपा का साथी, वो रामघाती-महापापी।' समाजवादी पार्टी ने चंदा चोरी को लेकर संसद परिसर में अनोखा विरोध प्रदर्शन किया था।

सपा मुखिया दान पेटी लकेर पहुंच गए और राम मंदिर के चंदा मांगा। जिसमें सांसदों ने अपनी सुविधा के हिसाब से पैसे भी दिए। सपा सांसदों ने इस दौरान चंदा चोर, कुर्सी छोड़ के भी नारे लगाए। सपा मुखिया ने कहा कि बीजेपी को भगवान भी माफ नहीं करेंगे क्योंकि आप चढ़ावा चोरी में शामिल हुए हैं। और चढ़ावा ही नहीं गुप्त दान था वो भी चोरी हुआ है और ये पाप की श्रेणी में नहीं आता महापाप की श्रेणी में आता है।

आरटीआई का जवाब न देने पर यूपी बोर्ड के जनसूचना अधिकारी तलब, 13 अगस्त को होगी सुनवाई

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत मिले आवेदन के क्रम में समय से सूचना उपलब्ध नहीं कराए जाने पर कड़ा रुख अपनाया है और जनसूचना अधिकारी क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी को उपस्थित होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि वर्ष 2026 में अब तक कितनी अर्जी आई और कितने का निस्तारण किया गया तथा कितनी विचाराधीन हैं। इस संबंध में पूरी जानकारी मांगी है। प्रकरण में अगली सुनवाई 13 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने छात्रा रागिनी सिंह की याचिका की सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया।

याची का कहना है कि उसने उत्तर पुस्तिकाओं से संबंधित सूचना प्राप्त करने के लिए सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन किया था, लेकिन अब तक कोई उत्तर नहीं दिया गया। याची की ओर से अधिवक्ता अजीत सिंह और हिमांशु सिंह ने बहस की।

बरेली के जोनल कमांड सेंटर से नौ जिलों पर नजर

आईपीएस अंशिका वर्मा संभालेंगी कमान

बरेली, 30 जुलाई (एजेंसियां)।

कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए बरेली पुलिस लाइन में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाया गया है। इसमें बरेली जोन के सभी नौ जिलों का स्टाफ तैनात रहेगा। केंद्र से कांवड़ मार्ग, प्रमुख घाटों, मंदिरों, चौराहों और संवेदनशील स्थलों की 24 घंटे निगरानी की जाएगी। डीआईजी अजय कुमार साहनी ने बताया कि इस बार निगरानी में एआई, आधुनिक तकनीक और ड्रोन का उपयोग किया जाएगा।

बरेली रेंज को आठ सुपर जोन, 26 जोन,

82 सेक्टर और 220 सब सेक्टर में बांटा है। सुरक्षा के लिए 14,969 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। इनमें 14,392 नागरिक पुलिस और 577 यातायात पुलिसकर्मी शामिल हैं। 14.5 प्लाटून पीएसी, दो सेक्शन फ्लड पीएसी और दो एसडीआरएफ टीमें भी तैनात की जाएंगी।

16 ड्रोन, 94 सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और 51 एंबुलेंस रहेंगी। 205 जल सेवा केंद्र, 144 कांवड़ शिविर और 134 चिकित्सा शिविर भी स्थापित किए गए हैं।

लखनऊ की पहली महिला पत्रकार मेहरू जाफर? जिन्होंने गोवा में ली अंतिम सांस

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ से एक दुखद खबर सामने आई है। यहां की पहली महिला पत्रकारों में शामिल वरिष्ठ पत्रकार, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता मेहरू जाफर ने गोवा में अंतिम सांस ली। उनके निधन पर लखनऊ के विभिन्न पत्रकार संगठनों ने श्रद्धांजलि दी है। बता दें, मेहरू जाफर ने 1970 के दशक की शुरुआत में लखनऊ की पहली महिला पत्रकार के रूप में पहचान बनाई।

उनके साथ ही सीमा मुस्तफा और ललिता सुब्रह्मणयम ने भी पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रवेश किया था। वह सामाजिक सरोकारों से जुड़ी सक्रिय कार्यकर्ता और कई पुस्तकों की लेखिका भी थीं। यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, महामंत्री देवराज सिंह, आईएफडब्ल्यूजे के अध्यक्ष गोपाल मिश्र, मंत्री विश्वदेव राव, यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रवींद्र कुमार सिंह व यूनियन की लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिव शरण सिंह ने मेहरू जाफर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

नीतीश कुमार के आवास के सामने वाली सड़क पर ताबड़तोड़ फायरिंग

एक युवक के पीठ तो दूसरे के पेट में लगी गोली; घटना सीसीटीवी में कैद

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार की राजधानी पटना से सटे बख्तियारपुर में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए बदमाशों ने दिनदहाड़े ताबड़तोड़ फायरिंग कर सनसनी फैला दी। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के सामने वाली सड़क और बख्तियारपुर थाने से महज 50 मीटर की दूरी पर हुई इस गोलीबारी में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना बुधवार की है।

पटना के बख्तियारपुर के देदौर गांव निवासी विशाल कुमार और अभिषेक कुमार गंगा किनारे सीढ़ी घाट पर आयोजित गंगा आरती में शामिल होने के बाद अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन पर अचानक हमला बोल दिया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। फायरिंग में विशाल कुमार के पीठ में और अभिषेक कुमार के पेट में गोली लगी है। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद दोनों युवकों ने हिम्मत दिखाई और अपनी बाइक वहीं छोड़कर किसी तरह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बख्तियारपुर पहुंचे। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (पी.एम.सी.एच.) रेफर कर दिया है।

इस संवेदनशील वारदात के बाद पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास के आसपास सुरक्षा व्यवस्था और अधिक बढ़ा दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत हरकत में आई और मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से एक खोखा और दो गोली बरामद हुई है।

आईटीआई नैनी में सॉल्वर गैंग की सूचना पर एसटीएफ ने मारा छापा प्रधानाचार्य समेत 11 गिरफ्तार

प्रयागराज, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) नैनी में एसटीएफ ने छापा मारा। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि यहां पर सॉल्वर गैंग दूसरे के स्थान पर परीक्षा दे रहे हैं। छापेमारी में पांच सॉल्वर गिरफ्तार हुए हैं, जो दूसरे छात्रों के स्थान पर ऑनलाइन परीक्षा दे रहे थे। इस मामले में लिप्त प्रधानाचार्य अशोक कुमार समेत 11 लोगों को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे हड़कंप मचा हुआ है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी में फाइनल सेमेस्टर की परीक्षाएं चल रही हैं। यहां पर पूरे प्रयागराज जनपद के 210 आईटीआई कॉलेज का केंद्र बनाया गया है।

यहां तीन पालियो में परीक्षाएं चल रही हैं। सॉल्वरों द्वारा पेपर सॉल्व कराए जाने की सूचना पर एसटीएफ ने जिलाधिकारी के आदेश पर यहां छापा मार दिया। एसटीएफ को एक कमरे में पांच सॉल्वर मिले जो दूसरे छात्रों की जगह पर ऑनलाइन पेपर दे रहे थे। एसटीएफ ने मौके से पांच लाख 10 हजार रुपया, पांच कंप्यूटर भी जब्त किया है।

सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ का किया जलाभिषेक, काल भैरव के किए दर्शन-पूजन

वाराणसी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सावन माह के पहले दिन बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ के षोडशोपचार दर्शन-पूजन किए और जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामना की। इसके साथ ही उन्होंने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले बाबा कालभैरव के दर्शन-पूजन किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा विश्वनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद बाबा कालभैरव मंदिर में भी विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने सस्वर भैरवाष्टकम् स्तोत्र के बीच मंगल कामना के लिए आरती भी उतारी। मुख्यमंत्री के इस प्रवास का उद्देश्य सावन माह में प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना करना रहा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने काशी प्रवास के दौरान प्रदेशवासियों के कल्याण और समृद्धि की प्रार्थना की। उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर मंदिर के शिखर को प्रणाम किया और गर्भगृह में विशेष पूजा-अर्चना में भाग लिया। सावन माह के आरंभ होते ही काशी विश्वनाथ मंदिर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सावन के पहले दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। भोर से ही दर्शनार्थियों का तांता लगना शुरू हो गया था। गंगा घाट से लेकर मंदिर तक, श्रद्धालुओं की कतारें देखने को मिलीं। भक्तों ने विधि-विधान से जलाभिषेक किया और देवाधिदेव महादेव से सुख-समृद्धि की कामना की।

12 राजस्व अधिकारियों पर एक्शन, मंत्री बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक और बड़ी कार्रवाई की है। मंत्री डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल ने 12 राजस्व अधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की है। विभिन्न मामलों की समीक्षा और जांच के बाद कई अधिकारियों के विरुद्ध आरोप पत्र गठित किए गए हैं, जबकि अन्य पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड लगाए गए हैं। कुछ अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया भी जारी है। मंत्री डॉ। दिलीप कुमार जायसवाल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार, लापरवाही और विभागीय निर्देशों की अवहेलना के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध सेवा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने बताया कि भू अर्जन कार्यालय, मुंगेर के राजस्व अधिकारी-सह-कानूनगो अरविंद कुमार, राघोपुर (वैशाली) के अंचल अधिकारी दीपक कुमार तथा बिस्फी (मधुबनी) की तत्कालीन अंचल अधिकारी वंदना कुमारी के विरुद्ध विभागीय आरोप पत्र गठित किए गए हैं। इसके अलावा गोपालगंज सदर के अंचल अधिकारी रजत कुमार वर्णवाल, एकमा (सारण) के अंचल अधिकारी अमलेश कुमार, गोह (औरंगाबाद) के तत्कालीन अंचल अधिकारी विश्वजीत नीलांकर, औरंगाबाद के तत्कालीन अंचल अधिकारी अंशु कुमार सिंह तथा कल्याणपुर (समस्तीपुर) के तत्कालीन अंचल अधिकारी राजन कुमार पर वेतन वृद्धि रोकने सहित विभिन्न दंड अधिरोपित किए गए हैं।

सात महीने में 19 करोड़ का सोना जब्त

लखनऊ से तौबा, सोना तस्करों ने बदला रूट, अब ट्रेन से एंट्री

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशों से सोना तस्करी कर उत्तर प्रदेश आने वाले तस्करों ने अपना तरीका बदल दिया है। पिछले कुछ महीनों से वे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर नहीं पहुंच रहे हैं। तस्कर अब देश के दूसरे एयरपोर्ट पर उतरकर विमान यात्रा की जगह ट्रेनों से यूपी आ रहे हैं।

अमौसी एयरपोर्ट पर आम तौर पर पहले महीने में दो से तीन बार सोना तस्कर पकड़े जाते थे। डीआरआई और कस्टम की टीमें लगातार वहां तैनात रहती थीं। लाखों-करोड़ों रुपये का सोना बरामद होता रहता था। मगर कुछ महीनों से लखनऊ एयरपोर्ट पर ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार, लखनऊ एयरपोर्ट पर सतर्कता अधिक हुई है। इसी कारण तस्कर सीधे यहां नहीं आ रहे हैं। वे पकड़े जाने से बचने के लिए यह नया तरीका अपना रहे हैं। यूपी में सोना लाने वाले तस्कर अब देश के अन्य शहरों के एयरपोर्ट पर उतरते हैं। वहां से वे उत्तर प्रदेश के शहरों में ट्रेनों से जाते हैं। हालांकि, इस नए तरीके के बावजूद भी तस्कर पकड़े गए हैं। पिछले एक सप्ताह में वाराणसी रेलवे स्टेशन पर दो तस्करों को पकड़ा गया। उनके पास से विदेशी सोना बरामद हुआ। जांच एजेंसियों को तस्करों के बदले तरीके की पुख्ता जानकारी मिली थी।

इसी आधार पर चिह्नित रेलवे स्टेशनों की निगरानी बढ़ाई गई और वाराणसी में एक महिला व एक पुरुष तस्कर को दबोचा गया। पूछताछ से तस्करों की साजिश का खुलासा हुआ, जिसके बाद प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर जांच एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। डीआरआई के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से जुलाई तक प्रदेश में सोना तस्करी के आठ मामले दर्ज हुए, जिसमें 13.267 किलो सोना (19 करोड़ रुपये कीमत) बरामद हुआ और नौ तस्कर गिरफ्तार किए गए।

ट्रेलर पलटने से युवक और 12 मवेशियों की दबकर मौत

सिद्धार्थनगर 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में भीषण सड़क हादसा हुआ है, इटवा-बढ़नी मार्ग पर स्थित रामनगर गांव में कच्चा आयरन से लदा हुआ ट्रेलर सड़क किनारे बनी हुई घारी पर पलट गया। हादसे में एक युवक और 12 मवेशियों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति और कई मवेशी घायल हुए हैं। वहीं, ट्रेलर के पलटने से झोपड़ी में चारा मशीनें और अन्य घरेलू सामान भी क्षतिग्रस्त हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर तेज रफ्तार में था और अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बनी घारी में घुसकर पलट गया। हादसे के बाद ड्राइवर सुजीत कुमार ने मौके से भागने की कोशिश, हालांकि, ग्रामीणों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम शोहरतगढ़ राजेश कुमार, सीओ मयंक द्विवेदी, राजस्व विभाग की टीम, पशुचिकित्सा अधिकारी घटना स्थल पर पहुंच गए। प्रशासनिक टीम ने जेसीबी और हाइड्रा क्रेन की मदद से ट्रेलर और उसके नीचे दबे आयरन के मलबे को हटाकर कई घंटे तक राहत बचाव अभियान चलाया, इसके बाद युवक के शव और मृत मवेशियों को बाहर निकाला जा सका।

बिहार में भूमि और भवनहीन विद्यालयों को मिलेगा भवन? शिक्षा मंत्री का ऐलान

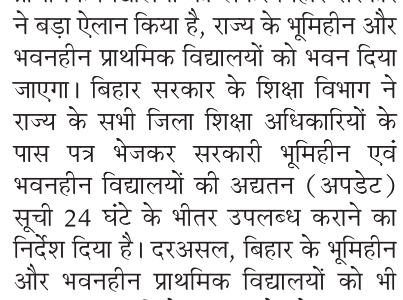

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के प्राथमिक विद्यालयों को लेकर बिहार सरकार ने बड़ा ऐलान किया है, राज्य के भूमिहीन और भवनहीन प्राथमिक विद्यालयों को भवन दिया जाएगा। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजकर सरकारी भूमिहीन एवं भवनहीन विद्यालयों की अद्यतन (अपडेट) सूची 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। दरअसल, बिहार के भूमिहीन और भवनहीन प्राथमिक विद्यालयों को भी अपना भवन मिलेगा। इसको लेकर राज्य सरकार ने तैयारी शुरू कर दी है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की पहल के बाद शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजकर सरकारी भूमिहीन एवं भवनहीन विद्यालयों की अद्यतन सूची 24 घंटे के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।प्राथमिक शिक्षा निदेशक कुमार निशांत विवेक ने राज्य के सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र भेज कर भूमिहीन एवं भवनहीन प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों की समेकित सूची मांगी है।

इस तरह के विद्यालयों की सूची निर्धारित प्रारूप में हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी दोनों माध्यमों से शिक्षा विभाग को भेजनी होगी। यह जानकारी राज्य के भूमिहीन व भवनहीन विद्यालयों की वास्तविक स्थिति का अद्यतन आकलन करने तथा भविष्य में आधारभूत संरचना के विकास एवं आवश्यक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से मांगी गई है। सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सूचनाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

तेज प्रताप यादव की पार्टी का बड़ा अलर्ट

इस शख्स के किसी भी दावे में न आएं, पुलिस को दें सूचना

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। तेज प्रताप यादव के नेतृत्व वाली जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) ने अपने पूर्व सहयोगी मोतीलाल राय और उसके सहयोगियों से समर्थकों तथा आम लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। पार्टी का आरोप है कि आपराधिक मामलों का सामना कर रहे ये लोग लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी के अनुसार, मोतीलाल राय पहले खुद को तेज प्रताप यादव का निजी सहायक बताता था। उसके खिलाफ एक मामला दर्ज है और वह गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा है।

जेजेडी का आरोप है कि मोतीलाल राय अपने सहयोगी संदीप के साथ मिलकर एक बार फिर पार्टी कार्यकर्ताओं और आम लोगों को भ्रमित करने वाली गतिविधियां शुरू करने की कोशिश कर रहा है। पार्टी का यह भी दावा है कि संदीप भी फरार है। जेजेडी ने समर्थकों और आम

लोगों से अपील की है कि वे मोतीलाल राय, संदीप या उनके सहयोगियों की ओर से दिए जाने वाले किसी भी प्रलोभन, दावे या आश्वासन पर विश्वास न करें। पार्टी ने लोगों को उनके साथ किसी भी प्रकार का आर्थिक, राजनीतिक या व्यक्तिगत लेन-देन करने से भी बचने की सलाह दी है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि उसकी पूर्व प्रदेश और जिला कमेटियां भंग की जा चुकी हैं। ऐसे में आरोपितों या उनके सहयोगियों द्वारा पार्टी के नाम पर किए जाने वाले किसी भी दावे या गतिविधि पर भरोसा न किया जाए। जेजेडी ने यह भी अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को मोतीलाल राय या उसके सहयोगियों के संबंध में कोई जानकारी मिले अथवा वे संपर्क करें, तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम थाने या संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दें। बता दें कि तेज प्रताप ने मोतीलाल के खिलाफ अपने आवास में चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद उन्होंने एफआईआर भी कराई थी।

साइबर क्राइम पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, 70 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के दो शातिर अपराधियों को किया गिरफ्तार

लखनऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी में लखनऊ में साइबर क्राइम पुलिस को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 70 लाख रुपये की ठगी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार करने में बड़ी कामयाबी मिली है। पिछले दिनों लखनऊ में एक डिजिटल अरेस्ट का मामला सामने आया था जिसमे पुणे एटीएस का अधिकारी बताकर एक शख्स को 7 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट रखकर 70 लाख रुपये ठग लिए गए थे।

पुलिस ने इस गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार करने के साथ तीन अलग-अलग खातों में जमा ठगी के कुल 35 लाख रुपयों के बैंक खातों को भी फ्रीज करा दिया है। आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ बताया कि ठगों ने पीड़ित पर मनी लॉनड्रिंग और दूसरे गंभीर अपराधों में शामिल होने का झूठा आरोप लगाया और जेल जाने का डर दिखाया। ठगों ने करीब 7 दिनों 16 जुलाई से 22 जुलाई तक पीड़ित को वीडियो कॉल पर लगातार अपनी निगरानी में रख कर डिजिटल अरेस्ट किया हुआ था। इसके बाद डर और मानसिक दबाव में आकर पीड़ित ने अपने अलग-अलग खातों व एफडी से कुल 70 लाख रुपये ठगों के बताए 4 बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिए। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस में मुकदमा लिखाया। पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद जब जांच शुरू की तो उन्हें पता चला कि इस पूरी ठगी के पीछे भारतीय मोबाइल नंबरों का अवैध नेटवर्क काम कर रहा था।

साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद जब जांच शुरू की तो उन्होंने जो आरोपी पकड़े तो उसमें से एक आरोपी सुमित कुमार रावत जियो का सिम विक्रेता निकला। वह जब कोई आम ग्राहक नया सिम लेने या नंबर पोर्ट कराने आता तो सर्वर की खराबी का बहाना बनाकर ग्राहक से दो बार ई-केवाईसी (अंगूठा/फोटो) करवा लेता था। इसके बाद एक सिम तो ग्राहक को मिल जाता था, लेकिन ग्राहक के ही दस्तावेजों पर दूसरा एयरटेल सिम भी गुप्त रूप से चालू कर लिया जाता था। इस मामले में पुलिस ने आगे जानकारी दी कि सुमित इन फर्जी सिमों का ई सिम क्यूआर कोड बनाकर दूसरे आरोपी प्रवीण श्रीवास्तव को 325 रुपये प्रति सिम के हिसाब से बेचता था।

प्रवीण श्रीवास्तव इन ई-सिम को टेलीग्राम ऐप के माध्यम से कंबोडिया में बैठे अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगों को 50 यूएसडीटी प्रति सिम के हिसाब से बेच देता था। विदेशी ठग भारत के इन फर्जी ई-सिम नंबरों का इस्तेमाल भारतीय नागरिकों को कॉल करने, डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और ओटीपी फ्रॉड करने के लिए करते थे ताकि वे पुलिस की पकड़ से बचे रहें।

भंडारी पुल पर धरने के दौरान लगी रस्सी से टकराकर पुलिस कांस्टेबल की मौत, अमृतसर में थे तैनात

अमृतसर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भंडारी पुल पर चल रहे धरने के दौरान सड़क पर लगाई गई रस्सी से टकराने के कारण पंजाब पुलिस के कांस्टेबल रणवीर सिंह की मौत हो गई। रणवीर सिंह मूल रूप से बटाला के रहने वाले थे और अमृतसर में तैनात थे। जानकारी के अनुसार, ड्यूटी के दौरान रणवीर सिंह को घर से फोन आया था कि उनके बेटे का सड़क हादसा हो गया है। बेटे के घायल होने की सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल छुट्टी ली और जल्दबाजी में स्कूटी से बटाला के लिए रवाना हो गए। बताया जा रहा है कि जब वह भंडारी पुल के पास पहुंचे तो वहां चल रहे धरने के कारण सड़क पर रस्सी बांधी गई थी। जल्दबाजी के चलते वह रस्सी को देख नहीं सके और सीधे उससे टकरा गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

'राहुल गांधी को मांगनी पड़ेगी माफी'

कंगना रनौत ने बोला हमला, मानसून सत्र के दौरान संसद में संग्राम

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून सत्र के दौरान संसद इन दिनों सियासी घमासान का अखाड़ा बन चुका है। भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष के बीच जुबानी जंग दिन-ब-दिन तीखी होती जा रही है। इसी कड़ी में भाजपा सांसद कंगना रनौत ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर हमला बोला है। राहुल गांधी की ओर से माफी मांगने से इनकार किए जाने के सवाल पर कंगना रनौत ने सख्त लहजे में कहा कि उन्हें माफी मांगनी ही पड़ेगी। कंगना का कहना है कि देश की संसद में झूठ फैलाने और बिना सबूतों के गंभीर आरोप लगाने की इजाजत किसी को नहीं दी जा सकती। संसद के मानसून सत्र के दौरान एंटी-पेपर लीक विधेयक और शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा चल रही थी।

इसी दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने भाषण में एक युवा छात्रा से हुई बातचीत का उदाहरण दिया। राहुल गांधी ने कहा कि हाल ही में देश में हुए छात्र आंदोलनों के संदर्भ में जब उन्होंने एक छात्रा से बातचीत की, तो उसने समाज के लोगों को तीन श्रेणियों में बांटा। पहला विद्यार्थी: वे लोग जिनका मन और दिल खुला होता है, जो यह मानते हैं कि उन्हें सब कुछ नहीं पता है और जो हमेशा सच्चाई की तलाश करते हैं। दूसरा मूर्खः वे लोग जो खुद को सर्वज्ञ समझते हैं, जिन्हें लगता है कि सारा ज्ञान उनके अंदर से ही निकलता है। वे अहंकारी होते हैं, दूसरों की बात नहीं सुनते और खुद को 'भगवान' साबित करने के लिए अपनी एक बहुत बड़ी फर्जी छवि बनाते हैं। और अंधभक्तः राहुल गांधी ने कहा कि जब उन्होंने छात्रा से पूछा कि 'अंधभक्त' किस श्रेणी में आते हैं, तो उसने जवाब दिया, 'अंधभक्त वह व्यक्ति है जो पूरी तरह इस बात से आश्वस्त है कि एक मूर्ख ही भगवान है।' संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तुरंत खड़े होकर कहा कि नेता प्रतिपक्ष छात्रा के नाम की आड़ लेकर आपत्तिजनक और असंसदीय भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष से इन शब्दों को संसद के रिकॉर्ड से हटाने की मांग की।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सत्ता पक्ष के अन्य सांसदों के भारी हंगामे के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 'इडियट' शब्द को संसद की आधिकारिक कार्यवाही से हटाने के आदेश दिए। इसी मामले में मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनौत ने राहुल गांधी से माफी की मांग की है। वहीं राहुल गांधी ने माफी मांगने से साफ इनकार कर दिया है।

नदिया में भीषण सड़क हादसा अंतिम संस्कार से लौट रहे एक ही बाइक पर सवार 4 दोस्तों की मौत

कोलकाता, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बंगाल के नदिया जिले में अंतिम संस्कार से लौट रहे चार युवकों की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, राणाघाट थाना क्षेत्र के मासुंडा के पास यह हादसा हुआ। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, चारों युवक बलागढ़ घाट पर एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद एक ही मोटरसाइकिल से अपने घर मासुंडा लौट रहे थे। लौटते समय बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पहले सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे, फिर पास की दीवार से जा टकराई। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल दो अन्य युवकों को राणाघाट अनुमंडल अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने भी दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान सबुज विश्वास, प्रताप प्रमाणिक, अमित विश्वास और सौमेन हलदर के रूप में हुई है।

बदरीनाथ चढ़ावा चोरी कांड में खुलासा

आरोपी के सरकारी कमरे से मिला मंदिर का खजाना

देहरादून, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले में जांच तेज हो गई है। विशेष जांच दल (एसआईटी) को इस मामले में बड़ी सफलता मिली है। टीम ने मुख्य आरोपी और बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के पूर्व वैयक्तिक सहायक प्रमोद नौटियाल के बदरीनाथ स्थित सरकारी आवास से मंदिर के कीमती नजराने और भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। जांच टीम आरोपी को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर बदरीनाथ पहुंची थी, जहां उसकी निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई।

बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है, ताकि जांच में पारदर्शिता बनी रहे। एसआईटी ने बदरीनाथ स्थित नीलकंठ वीवीआईपी गेस्ट हाउस की पहली मंजिल पर बने आरोपी प्रमोद नौटियाल के सरकारी आवास का ताला खुलवाकर तलाशी ली। जांच के दौरान कमरे से मंदिर से जुड़े बेशकीमती उपहार और 500-500 रुपये के नोटों में भारी नकदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह कुछ सामग्री अपने साथ ले गया था। अब एसआईटी बरामद सामान और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। बदरीनाथ में कार्रवाई के साथ ही एसआईटी की दूसरी टीम ने देहरादून के नेहरू कॉलोनी स्थित प्रमोद नौटियाल के निजी आवास पर भी छापेमारी की। यहां से संपत्तियों, बैंक खातों और आर्थिक लेनदेन से जुड़े दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या मंदिर के चढ़ावे से जुड़ी कथित रकम को संपत्तियां खरीदने या अन्य निवेशों में इस्तेमाल किया गया। जांच में सामने आया है कि बदरीनाथ मंदिर में 2 जुलाई तक दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपये की नकदी दर्ज की गई थी। शुरुआती चरण में लगभग 23 करोड़ रुपये की गणना पूरी हो चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है।

नई स्कॉर्पियो से नेता जी की पीठ में दर्द

अब चाहिए इनोवा क्रिस्टा! डेढ़ करोड़ की डिमांड से बीएमसी में मचा बवाल

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में सरकारी कारों को लेकर भारी सियासी बवाल मच गया है। बीएमसी के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्कॉर्पियो की जगह अब नई इनोवा कारों की मांग कर दी है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि हाल ही में खरीदी गई स्कॉर्पियो एन एसयूवी कारों में लंबे समय तक बैठने से उनकी पीठ में दर्द होता है, ऐसे में अब इनोवा क्रिस्टा कार खरीदने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।हालांकि और महंगी कारों को खरीदने के प्रस्ताव को लेकर अब विवाद खड़ा हो गया है। दावा किया जा रहा है कि कुछ महीने पहले ही करोड़ों रुपये खर्च कर 20 लाख रुपये कीमत वाली स्कॉर्पियो-एन एसयूवी खरीदी गई थीं, लेकिन अब उन्हें बदलकर करीब 23 लाख रुपये की इनोवा क्रिस्टा देने की तैयारी की जा रही है। हालांकि इस पूरे मामले पर अभी बीएमसी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। खबर के मुताबिक कुछ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शिकायत की है कि स्कॉर्पियो-एन की सीटें ज्यादा आरामदायक नहीं हैं, सफर के दौरान झटके लगते हैं और कमर व पीठ में दर्द की समस्या होती है।

बीएमसी का कहना है कि दहिसर, कांदिवली और बोरीवली जैसे दूर-दराज के उपनगरों से दक्षिण मुंबई तक रोज लंबी दूरी तय करके आने वालों को परेशानियां हो रही हैं। अधिकारियों और नेताओं का मानना है कि इनोवा क्रिस्टा लंबी यात्रा और निरीक्षण दौरों के लिए अधिक आरामदायक रहेगी। इस बारे में बीएमसी की मेयर ऋतु तावड़े की ओर से कहा गया कि नई गाड़ियों के लिए अलग से टेंडर नहीं निकाला जाएगा। केवल पहले से उपलब्ध व्यवस्था के तहत स्कॉर्पियो की जगह दूसरे मॉडल की गाड़ी देने की मांग की गई है।

गोवा पुलिस ने उमर खालिद के समर्थन वाले प्लेकार्ड और फंडिंग को लेकर छात्र विरोध प्रदर्शन के आयोजकों से पूछताछ की

पणजी, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि गोवा पुलिस ने तटीय राज्य में हुए कुछ छात्र विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों से फंडिंग और मकसद के बारे में सवाल पूछे हैं। इन प्रदर्शनों में कथित तौर पर उमर खालिद के समर्थन में नारे लगाए गए थे। गोवा पुलिस ने पिछले हफ्ते दो युवकों को हिरासत में लिया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने प्रधान के इस्तीफे के जश्न के दौरान जेल में बंद छात्र एक्टिविस्ट उमर खालिद का समर्थन किया था। खालिद को 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। तटीय राज्य की पुलिस ने पिछले हफ्ते मापुसा और पणजी में प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए दो विरोध प्रदर्शनों के आयोजकों से भी पूछताछ की थी।

अधिकारियों ने बताया कि दोनों कार्यक्रम एनजीओ 'उजबाद' ने आयोजित किए थे।'सिटिजन्स ऑफ़ मापुसा' नाम के एक स्थानीय समूह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी और खालिद के समर्थन वाले प्लेकार्ड पर आपत्ति जताई थी। पणजी पुलिस ने एनजीओ की सेक्रेटरी अमरीन शेख को पूछताछ के लिए बुलाया, जिसने ये कार्यक्रम आयोजित किए थे।शेख ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन सूत्रों का कहना है कि जांच अधिकारी ने उनसे लगभग 240 सवाल पूछे।

ये सवाल मुख्य रूप से विरोध प्रदर्शन के लिए फंडिंग और उमर खालिद के समर्थन में नारे लगाने के कथित मकसद के बारे में थे। एक सूत्र के अनुसार, जांच अधिकारी ने शेख से ऐसे सवाल पूछे जैसे, 'विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कौन कर रहा था? क्या आप विरोध प्रदर्शन से जुड़े किसी व्हाट्सएप, टेलीग्राम या सिग्नल ग्रुप की सदस्य हैं? आप कार्यक्रम स्थल तक कैसे पहुंचीं? इस विरोध प्रदर्शन के ज़रिए आप क्या हासिल करना चाहती थीं? क्या आप किसी राजनीतिक पार्टी, सामाजिक संगठन या छात्र संगठन से जुड़ी हैं?'

नशे के सौदागरों पर कहर बनकर टूटी कश्मीर पुलिस 1.05 करोड़ की काली कमाई पर लगाया ताला

श्रीनगर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे नशा मुक्ति जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत श्रीनगर पुलिस ने ड्रग तस्करों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को और तेज कर दिया है। पुलिस ने दो कुख्यात ड्रग पैडलर्स की लगभग 1.05 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अटैच किया है, जो नशे के काले कारोबार से बनाई गई थीं। यह कार्रवाई साफ संदेश है- नशा बेचोगे तो न सिर्फ जेल जाओगे, बल्कि नशे से बनाई गई एक-एक ईंट भी जब्त होगी। पुलिस ने पहली कार्रवाई पामपोश कॉलोनी, पलपोरा, नूरबाग में की। यहां के रहने वाले आकिब मुश्ताक केनू पुत्र मुश्ताक अहमद केनू का मकान मय जमीन के साथ अटैच किया गया है।

इस संपत्ति की बाजार कीमत करीब 50 लाख रुपये है। यह कार्रवाई एफआईआर नम्बर। 48/2022, थाना सफाकदल के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/29 और एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत की गई है। आरोपी फिलहाल अदालत से जमानत पर बाहर है।

जज साहिबा ! कानून आपके घर का नहीं है

69 साल के बुजुर्ग को जेल भेजने वाली महिला जज को हाई कोर्ट ने लताड़ा, एफआईआर पर स्टे

बेंगलूरू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मालूर न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट (जेएमएफसी) की न्यायाधीश गायत्री के आचरण की तीखी निंदा की है। निजी विवाद में अपने पद और संवैधानिक प्रभाव का कथित दुरुपयोग करते हुए एक बाइक सवार युवक, उसकी मां और 69 वर्षीय दादा के खिलाफ पुलिस पर दबाव डालकर एफआईआर दर्ज कराने के मामले में हाई कोर्ट ने जज को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने पीड़ित परिवार के खिलाफ दर्ज मामले की आगे की कार्रवाईपर अंतरिम रोक भी लगा दी है। मालूर जेएमएफसी जज गायत्री अपने पति के साथ निजी इनोवा कार में यात्रा कर रही थीं। इसी दौरान 24 वर्षीय दोपहिया वाहन चालक के.एम। विनय ने कथित तौर पर कार को रोककर या पास से गुजरते हुए उन्हें गाड़ी धीरे चलाने को कहा।

इस बात से नाराज होकर जज और उनके पति ने बाइक सवार का पीछा किया और उसके घर तक पहुंच गए, जहां दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हुई। पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी (सीसीटीवी) फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसमें बहस और विवाद साफ नजर आ रहा था। जज गायत्री की शिकायत पर मालूर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए केएम। विनय (24), उनकी मां कविता (47) और उनके 69 वर्षीय दादा वेंकटेश को गिरफ्तार कर लिया, जिन्हें बाद में जमानत पर रिहा किया गया। राज्य के विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) बीएन। जगदीश ने अदालत के समक्ष फुटेज पेश करते हुए माना कि पुलिस ने जज के प्रभाव में आकर 70 साल के करीब पहुंच रहे बुजुर्ग को भी गिरफ्तार कर लिया था। इसके अलावा जज ने खुद शिकायतकर्ता होते हुए सोशल मीडिया से फुटेज हटाने के आदेश भी दिए थे। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एम। नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली एकल पीठ ने बेहद कड़े शब्दों में जज के व्यवहार की आलोचना की। पीठ ने स्पष्ट कहा कि केवल न्यायाधीश पद पर होने मात्र से किसी को यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह आम नागरिकों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार करे। हाई कोर्ट ने कहा कि एक न्यायाधीश का आचरण अदालत के कमरे के अंदर और बाहर, दोनों जगह जनता में विश्वास जगाने वाला होना चाहिए। जज गायत्री का यह कृत्य न्यायाधीश पद की गरिमा के अशोभनीय है। पीठ ने पीड़ित परिवार को बड़ी राहत देते हुए मालूर पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर और आगे की पूरी कानूनी कार्रवाई पर अंतरिम स्टे लगा दिया है।

ट्रक और कार की टक्कर, हादसे में 3 युवकों की मौत

रोहतक, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रोहतक में कलानौर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह हुए सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत हो गई। रोहतक हाईवे 152-डी पर खैरडी मोड के पास हुआ। पुलिस के अनुसार आज सुबह करीब 5:30 बजे अम्बाला से नारनौल की तरफ जा रही टाटा कार ने आगे चल रहे ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना कलानौर पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों में से एक की पहचान रामकरण दास कॉलोनी, नारनौल निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। अन्य 2 युवकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस उनके परिजनों की तलाश कर रही है। पुलिस ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हाईवे पर कुछ देर तक जाम की स्थिति भी बनी रही।

अंकित, सचिन और संदीप रिसेप्शनिस्ट बनकर मालिकों को ही फंसाया, फिर चलाया ब्लैकमेलिंग का धंधा

गुरुग्राम, 30 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में बिजनेसमैन को प्यार के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने और झूठे मुकदमों की धमकी देकर शादियां रचाने वाली वर्षा नाम की महिला का काला चिट्ठा परत-दर-परत खुलता जा रहा है। धोखाधड़ी और कब्जा करने के आरोप में सेक्टर-65 थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार की जा चुकी वर्षा पर उसके पतियों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच में सामने आया है कि वर्षा और उसके परिवार के खिलाफ विभिन्न थानों में करीब 13 आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं। लैब ओनर सचिन सिंह राजपूत ने पुलिस को बताया कि वर्षा उनकी गुरुग्राम स्थित लैब में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थी। लैब के लेनदेन में हेरफेर और संदिग्ध गतिविधियों के चलते सचिन ने वर्षा को नौकरी से हटा दिया था। बदला लेने के लिए वर्षा ने सचिन के भतीजे को जाल में फंसाया, होटल में सचिन की आईडी यूज की और फर्जी कागजात तैयार कर सचिन पर किडनैपिंग और दुष्कर्म का झूठा केस दर्ज करा दिया। इसके चलते सचिन को 62 दिन जेल में काटने पड़े। जेल से छूटने और एफआईआर रद्द कराने के बदले वर्षा ने हर महीने 15 लाख कमाने वाली लैब की ऑनरशिप अपने नाम करने की शर्त रखी। बदनामी और सामाजिक दबाव के चलते सचिन को उससे शादी करनी पड़ी। बाद में पुलिस जांच में सचिन निर्दोष साबित हुए और वर्षा की शिकायत खारिज हो गई।

2 शिफ्टों में काम, वर्क प्रेशर

एफडीए कमिश्नर तुकाराम अपने ही विभाग के निशाने पर

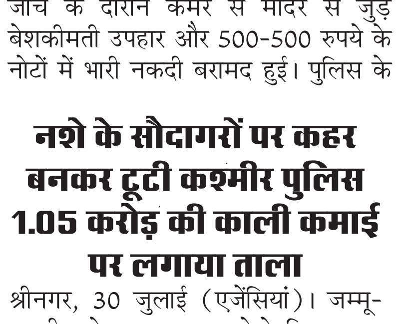

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में रेस्टोरेंट-होटल संचालकों में एक आईएएस अफसर की दहशत है। अफसर का नाम तुकाराम मुंढे है, जोकि फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के कमिश्नर हैं। एफडीए की टीम ने दो महीने के भीतर पूरे प्रदेश में 1100 से अधिक छापे मारे। इस दौरान 50 से अधिक रेस्टोरेंट के फूड लाइसेंस कैंसल कर दिए गए।

इस बीच, अब उनके ही विभाग के कर्मचारियों ने उनकी कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। छत्रपति संभाजीनगर स्थित एफडीए लैब के 29 अधिकारी-कर्मचारियों ने मंत्री नरहरी झिरवाल को लिखित शिकायत दी है। छत्रपति संभाजीनगर की राज्य अन्न एवं औषध प्रशासन प्रयोगशाला के अधिकारियों और कर्मचारियों ने 15 जुलाई को मंत्री नरहरी झिरवाल को एक ज्ञापन भेजा। इस शिकायत पत्र पर कुल 29 अधिकारियों और कर्मचारियों के हस्ताक्षर हैं। इसमें तुकाराम मुंढे की कार्यप्रणाली को लेकर कई आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। कर्मचारियों का कहना है कि लैब में अचानक दो शिफ्ट में काम शुरू करने का फैसला लिया गया, लेकिन इसके लिए पर्याप्त मानव संसाधन और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गईं। कर्मचारियों के मुताबिक पहले से ही बड़ी संख्या में पद खाली हैं, जिसके कारण मौजूदा स्टाफ पर काम का अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। एक तरफ तुकाराम मुंढे की कार्यप्रणाली पर 29 अधिकारी-कर्मचारियों ने आपत्ति जताई है, वहीं दूसरी तरफ मुंबई हाईकोर्ट ने भी अन्न व औषध प्रशासन (एफडीए) की कार्रवाई के तरीके पर सवाल उठाए हैं।

कोर्ट ने कहा कि सिर्फ निजी संस्थानों पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय सरकारी और मंत्रियों के स्वामित्व वाले संस्थानों की भी जांच की जानी चाहिए मंत्रालय, हाईकोर्ट और सरकारी व अर्धसरकारी संस्थानों की कैंटीन की भी तुरंत जांच कर शुक्रवार तक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए हैं। नवी मुंबई के एक पंचतारा होटल का फूड लाइसेंस रद्द करने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि केवल एक-दो कॉकरोच मिलने के आधार पर सीधे लाइसेंस रद्द करना उचित कार्रवाई नहीं है।

'अगर आरोप सच है तो यह दिनदहाड़े धोखाधड़ी है', वेटनरी ऑफिसर की भर्ती में गड़बड़ी पर कर्नाटक एचसी की टिप्पणी

बेंगलूरू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन यानी केपीएससी में वेटनरी ऑफिसर की भर्ती में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग वाली अर्जी पर सुनवाई करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। हाईकोर्ट की बेंच ने कहा, 'अगर लगाए गए आरोप सच हैं, तो यह दिनदहाड़े धोखाधड़ी है।' इसके साथ ही, हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई तारीख भी अगले हफ्ते के लिए तय कर दी। इसके अलावा, कर्नाटक सरकार से अब तक हुई आंतरिक जांच की स्थिति की जानकारी रिकॉर्ड पर रखने के लिए हाईकोर्ट ने कहा है। बता दें कि यह याचिका केपीएससी के कैंडिडेट्स के एक ग्रुप और केपीएससी के एक पूर्व सदस्य ने दायर की थी।

इस याचिका में 300 से अधिक वेटनरी ऑफिसर पदों के लिए 2023-24 की भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर गड़बड़झाले का आरोप लगाया गया था। आरोप के मुताबिक, एग्जाम से 48 घंटे पहले ही व्हाट्सएप ग्रुप्स पर पेपर और आंसर-की लीक हो गए थे। याचिकाकर्ताओं ने एक वायरल वीडियो और ऑडियो क्लिप के बारे में भी बताया, जिसमें कुछ अज्ञात लोगों को कथित रूप से पक्के सिलेक्शन के लिए हर अभ्यर्थी से 80 लाख रुपये की डिमांड करते हुए सुना गया था।

'कीड़े मिलने पर होटल बंद करना गलत'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने एफडीए का आदेश किया रद्द, क्यों कहा- हम भारत में हैं?

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) को हम भारत में हैं इसको ध्यान में रखते हुए यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी मुद्दों को लेकर नवी मुंबई के एक चार सितारा होटल का लाइसेंस निलंबित करने वाले उसके आदेश को रद्द कर दिया है। होटल को राहत देते हुए, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रविंद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड़ की पीठ ने बुधवार को कहा कि एफडीए का निर्णय दो छोटे कीड़ों की मौजूदगी के आधार पर लिया गया था। अदालत ने कहा कि स्वच्छता, रखरखाव और संचालन पर समग्र रूप से संतोषजनक अनुपालन रिपोर्ट के संदर्भ में दो कीड़ों की उपस्थिति के संबंध में एकमात्र निष्कर्ष लाइसेंस के निरंतर निलंबन को उचित नहीं ठहराता है। हाई कोर्ट ने कहा,'हम भारत में हैं। हमें यथार्थवादी रुख अपनाना होगा। खाद्य एवं खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (एफडीए) ने 3 जुलाई को पार्क इन बाय रेडिसन होटल का भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) लाइसेंस निलंबित कर दिया, जिसमें उसने परिसर के अचानक निरीक्षण के एक दिन बाद स्वच्छता, सफाई, खाद्य भंडारण और खाद्य प्रबंधन प्रथाओं में गंभीर खामियों का हवाला दिया। इसके बाद होटल ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर यह तर्क दिया कि यह आदेश कठोर और अनुपातहीन था।

एफडीए के अनुसार, होटल ने 95 प्रतिशत अनुपालन स्कोर हासिल किया था, लेकिन रसोई क्षेत्र में कीड़े पाए जाने के कारण निलंबन हुआ। निलंबन आदेश को रद्द करते हुए अदालत ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे होटल का एफएसएसएआई लाइसेंस तुरंत बहाल करें और उसे अपने खाद्य व्यवसाय संबंधी गतिविधियों को फिर से शुरू करने की अनुमति दें। पीठ ने यह भी सवाल उठाया कि क्या खाद्य सुरक्षा मानदंडों को समान रूप से लागू किया जा रहा है। एफडीए को मंत्रालय और उच्च न्यायालय की कैंटीनों सहित सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी भोजनालयों का निरीक्षण करने और वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ निरीक्षण की स्थिति प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

पति को साइनाइड देकर मारा फिर फैक्ट्री में गाड़ा 2 साल बाद देवर की एक धमकी से ऐसे खुली बेवफा पत्नी की पोल

जामनगर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के जामनगर से प्यार, धोखे और साजिश की एक ऐसी खौफनाक दास्तान सामने आई है, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। अवैध संबंधों में रोड़ा बन रहे पति की हत्या करने के लिए पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर खौफनाक साजिश रची। पति को शराब में जहरीला साइनाइड देकर मार डाला गया और पहचान छिपाने के लिए लाश को किराए की फैक्ट्री में 12 से 15 फीट गहरे गड्ढे में दफना दिया गया। आरोपी महिला पृथ्वी का नीलेश मनसुखभाई कचेटिया नाम के युवक के साथ प्रेम संबंध चल रहा था। इस रिश्ते के बीच महिला को अपना पति जिग्नेश कांटा लग रहा था। जिग्नेश को रास्ते से हटाने के लिए पृथ्वी और नीलेश ने एक खौफनाक साजिश रची। आरोपी महिला ने नीलेश के साथ मिलकर धोखे से जिग्नेश को शराब में साइनाइड मिलाकर पिला दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों ने दरेड इलाके स्थित एक किराए की फैक्ट्री चुनकर वहां 12 से 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा और जिग्नेश के शव को उसमें दबा दिया। हत्या के बाद आरोपी पत्नी ने ससुराल वालों को गुमराह करने के लिए मनगढ़ंत कहानी रची। जब भी परिवार वाले जिग्नेश के बारे में पूछते, पृथ्वी कहती कि वह काम के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया गया हुआ है।

दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत पर रूस का 'उड़ता रडार'

एस-400 को मिलेगी आंख

मास्को, 30 जुलाई (एजेंसियां)। यूक्रेन से जंग के बीच रूस दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा हथियारों से लैस युद्धपोत एडमिरल नखिमोव पर 3 केए-31 एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग हेलिकॉप्टर तैनात कर सकता है। रूसी नौसेना ने इस बात की पुष्टि की है कि साल 2026 में एडमिरल नाखिमोव युद्धपोत को फिर से शामिल किया जाएगा। यह युद्धपोत परमाणु ऊर्जा से चलता है।

एडमिरल नाखिमोव को मिली इस नई बेमिसाल अत्याधुनिक ताकत ने दुनिया का ध्यान खींचा है। यह जहाज परमाणु ऊर्जा से चलने की वजह से दुनिया में सबसे लंबी दूरी तक सफर कर सकता है। यह युद्धपोत दुनिया के सबसे तेज चलने वाले जहाजों में शामिल है।

एडमिरल नाखिमोव युद्धपोत दुनिया का सबसे ज्यादा हथियारों से लैस युद्धपोत है। इसमें एस 400 की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लांच करने के लिए 96 वर्टिकल लांच सेल हैं। इसके अलावा 80 से ज्यादा क्रूज मिसाइलें भी इस पर तैनात हैं जिसमें जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइल शामिल है। अपनी मिसाइल और सेंसर की बेजोड़ ताकत के साथ एडमिरल नाखिमोव पर सतह पर चलने वाले किसी युद्धक जहाज की तुलना में सबसे ज्यादा एयर विंग तैनात किया जाएगा।

रूसी युद्धपोत एडमिरल नाखिमोव पर तैनात हुआ उड़ता रडार

मिलिट्री वॉच मैगजीन की रिपोर्ट के मुताबिक रूस की योजना है कि एडमिरल नाखिमोव पर उड़ते रडार कहे जाने वाले केए-31 एयरबॉर्न अली वार्निंग एंड कंट्रोल या अवाक्स सिस्टम को तैनात किया जाए। इससे इस युद्धपोत का रडार कवरेज बढ़ जाएगा और एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम तथा जिरकॉन मिसाइल को सपोर्ट मिलेगा। रूसी नौसेना का कहना है कि यह युद्धपोत न केवल फायर पावर को बढ़ाकर वापस आएगा बल्कि उसकी हवा में निगरानी की क्षमता काफी बढ़ जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक एडमिरल नाखिमोव पर 3 केए-31 हेलिकॉप्टर तैनात किए जाएंगे। केए-31 दुनिया के उन चुनिंदा खास एयरबॉर्न अली वार्निंग हेलिकॉप्टरों में शामिल है जो नौसेना के लिए बनाए गए हैं। ये हेलिकॉप्टर बहुत लंबी दूरी तक रडार कवरेज देने में माहिर हैं। यह विमान मुड़ने वाले एंटेना से लैस है। यह रडार फाइटर जेट और क्रूज मिसाइलों को 150 कमि की दूरी से पहचान कर लेता है।

इसके अलावा बड़े वमिानों को इससे भी ज्यादा दूरी से ट्रैक किया जा सकता है। केए-31 हेलकॉिप्टर से मिले डेटा को सीधे एडमिरल नाखिमोव कमांड सेंटर या मिग 31बी फाइटर जेट को भेजा जा सकता है।

खतरे की पहचान जल्दी हो जाने के कारण एस 400 सिस्टम और जिरकॉन मिसाइल भी लक्ष्य का पहचान करके उसे बहुत तेजी से तबाह कर सकते हैं।

तराई में हिंदू की हत्या बस ट्रेलर था

मणिपुर बनने की राह पर नेपाल, भारत की चेतावनी किया था नजरअंदाज

काठमांडू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की आर्म्ड पुलिस फोर्स (एपीएफ) ने करीब 3 साल पहले नेपाल सरकार को एक गोपनीय रिपोर्ट सौंपी थी। उस वक्त नेपाल में केपी शर्मा ओली की सरकार थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि तराई-मधेस इलाके में ऐसे तत्व सक्रिय हैं जो सांप्रदायिक और जातीय झगड़े भड़काकर समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। ये रिपोर्ट तत्कालीन पीएम केपी शर्मा ओली और तत्कालीन गृहमंत्री रमेश लेखक को सौंपी गई थी और तराई-मधेस में कई संगठनों को रेगुलेट करने का सुझाव दिया गया था।

आपको बता दें कि 26 जुलाई को भारतीय सीमा से सटे नेपाल के सुनसरी जिले में सांप्रदायिक झड़प में एक हिंदू व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। इसमें कई सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य लोग घायल हुए हैं जिसके बाद अधिकारियों ने पिछले हफ्ते इलाके के कुछ हिस्सों में अनिश्चितकालीन प्रतिबंध आदेश लागू कर दिए थे। इसी को लेकर नेपाली अखबार ने दावा किया है कि नेपाल सरकार को पहले ही चेतावनी दी गई थी।

भारतीय चेतावनी को नजरअंदाज करना नेपाल को पड़ रहा भारी?

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इन संगठनों को देश और विदेश के गैर-सरकारी संगठनों से मदद मिल रही है। नेपाली अखबार कांतिपुर ने मामले की जानकारी रखने वाले एपीएफ के एक सीनियर अधिकारी के हवाले से बताया है कि उस समय के राजनीतिक नेतृत्व ने उनकी ब्रीफिंग को गंभीरता से नहीं लिया।

वहीं इस रिपोर्ट को शेयर करते हुए नेपाल के सीनियर जर्नलिस्ट अनिल गिरी ने लिखा है 'तराई में हो रहे डेमोग्राफिक बदलावों और धर्म के नाम पर जमीन पर बढ़ती अस्थिरता को देखते हुए भारतीय पक्ष ने चेतावनी दी थी कि तराई में जो हो रहा था वह सिर्फ एक ट्रेलर था। कुछ भारतीय अधिकारी अक्सर चेतावनी देते थे कि एक दिन आप पूरी एक्शन मूवी देखेंगे। क्या अब यह सच हो रहा है?'

कांतिपुर ने खुफिया रिपोर्ट के हवाले से दावा किया है कि एपीएफ ने सामाजिक विवादों और झगड़ों को सही तरीके से मैनेज करने के लिए कहा था। इसने चेतावनी दी थी कि चरमपंथी समूह धर्म के नाम पर गतिविधियों को भड़का रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया 'भारत के पड़ोसी राज्य मणिपुर की हालिया घटना और विभिन्न देशों में जाति, धर्म और भाषा के कारण हुए जान-माल के नुकसान से सबक लेते हुए नेपाल को जातीय और धार्मिक विवादों को समय रहते सुलझाना चाहिए।'

आपको बता दें कि 2020 से लेकर 2024 के बीच इन क्षेत्रों में धार्मिक और जातीय मुद्दों से जुड़ी 25 घटनाएं हुईं।

इसमें खास तौर पर रूपंदेही, सर्लाही, धनुषा, बांके, सप्तरी, मोरंग, बर्दिया, कपिलवस्तु, बारा, झापा, महोत्तरी और सुनसरी जैसे जिलों में दो समुदायों के बीच तनाव वाले इलाकों पर ध्यान देने की बात कही गई।

आतंकी सामग्री हटाने में लापरवाही का आरोप

ऑस्ट्रेलिया ने टेलीग्राम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

कैनबरा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के इंटरनेट सुरक्षा नियामक ने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म टेलीग्राम के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। आरोप है कि कंपनी ने आतंकवादी हमलों और चरमपंथी हिंसा से जुड़े वीडियो व अन्य सामग्री को शिकायत मिलने के बाद भी समय पर नहीं हटाया। नियमों के उल्लंघन पर कंपनी पर 5.46 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का सिविल जुर्माना लगाया जा सकता है।

अदालती दस्तावेज के अनुसार, जुलाई से अक्टूबर 2025 के बीच ऑस्ट्रेलियाई उपयोगकर्ताओं ने 12 पोस्ट की शिकायत की थी, जिनमें आतंकवाद समर्थक सामग्री थी। इनमें से तीन पोस्ट पहले से चिन्हित आतंकी सामग्री वाली थीं। आरोप है कि टेलीग्राम ने 10 पोस्ट नहीं हटाए और संबंधित खातों को भी निलंबित या ब्लॉक नहीं किया।

टेलीग्राम ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि वह अदालत में अपना पक्ष रखेगा।

टेलीग्राम के एक अरब से अधिक मासिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं। इसके संस्थापक पावेल दुरोव 2017 से दुबई में रहकर कंपनी का संचालन कर रहे हैं। हाल के दिनों में रूस ने भी दुरोव पर आरोप लगाया है कि ऐप का इस्तेमाल यूक्रेनी जासूस रूस के भीतर आतंकी गतिविधियों के समन्वय के लिए कर रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश रिश्ते में कुछ अड़चने हैं

दिनेश त्रिवेदी से मिलकर बोले तारिक रहमान के विदेश मंत्री

ढाका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने माना है कि भारत से संबंधों में कुछ मुद्दों पर तनाव है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश-भारत के बेहतर रिश्ते के लिए मौजूदा अड़चनों को दूर करने की जरूरत पर है। उन्होंने बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी से मुलाकात के बाद ये बातें कही है। उन्होंने सितंबर में भारत में होने वाले ब्रिक्स समिट में तारिक रहमान के शामिल होने पर भी चीजें साफ नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार फिलहाल भारत के न्योते पर विचार कर रही है। इस पर आखिरी फैसला नहीं लिया गया है। बुधवार को बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी के साथ बैठक के बाद खलीलुर ने कहा कि दोनों पड़ोसी देश आपसी हितों का ध्यान रखते हुए और संप्रभु समानता के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाएंगे। खलीलुर ने कहा, 'हमने किसी खास मुद्दे पर बात नहीं की है। कुछ अड़चनें हैं, जिसका उन्हें भी पता है और मुझे भी। उन्हें सुलझाना बहुत जरूरी है। हर कोई इस जरूरत को समझता है।' खलीलुर ने सीधे जिक्र ना करते हुए पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण और सीमा पर लोगों को वापस भेजने के मुद्दे की ओर इशारा किया है। हाई कमिश्नर ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की।

दिनेश त्रिवेदी के साथ खलीलुर रहमान

उन्होंने भरोसा दिलाया कि पारस्परिक हितों एवं आपसी लाभ पर आधारित सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्य उन्मुख द्विपक्षीय साझेदारी को लेकर भारत प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा करने पर जोर दिया। बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने बुधवार को कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिसे आपसी समझ से सुलझाया ना जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री तारीक रहमान के भारत दौरे के बाद दोनों देशों के बीच लंबित मुद्दों पर रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ा जाएगा।

उच्चायुक्त ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद से भी मुलाकात की है। दोनों के बीच भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। खलीलुर रहमान और शमा ओबैद चिनॉय से अलग-अलग मुलाकात के बाद त्रिवेदी ने कहा कि मैं चीजों को काफी सकारात्मकता से देख रहा हूं। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को भारत की ओर से दिए ब्रिक्स समिट के लिए दिए गए निमंत्रण के बारे में पूछे जाने पर उच्चायुक्त ने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है, उनको फैसला करना है।

नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, 2 लोगों की मौत

2 जिलों में कर्फ्यू लगा, कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे बजाने को लेकर विवाद हुआ था

काठमांडू, 30 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल के सुनसरी जिले में रविवार रात कांवड़ यात्रा के दौरान तेज आवाज में डीजे बजाने को लेकर शुरू हुए एक मामूली विवाद अब बड़े सांप्रदायिक तनाव में बदल गया है। शुरुआत में यह मामला दो समुदायों के बीच कहासुनी तक सीमित था, लेकिन देखते ही देखते हिंसा फैल गई और पुलिस को हालात काबू करने के लिए गोली चलानी पड़ी।

इस हिंसा में अब तक दो लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घटना के बाद पूरे तराई-मधेश क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। प्रदर्शन के दौरान सिराहा में एक और युवक की मौत के बाद तनाव और बढ़ गया। प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए नेपाल के सुनसरी और सिराहा जिलों के कई हिस्सों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया है।

श्रद्धालु कोसी बैराज से जल लेकर लौट रहे थे और उनके साथ डीजे व लाउडस्पीकर भी बज रहे थे। इसी दौरान दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने तेज आवाज में बज रहे संगीत पर आपत्ति जताई।

पहले दोनों पक्षों के बीच बहस हुई, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई और देखते ही देखते मामला हिंसक झड़प में बदल गया।

शुरुआत में स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को शांत कराने की कोशिश की। लेकिन थोड़ी ही देर में दोनों समुदायों के और लोग मौके पर पहुंच गए।

मैं एआई इंजीनियर लेकिन चली गई नौकरी

भारतीय एच-1बी वीजा होल्डर ने सुनाई अमेरिका की आपबीती, मांगी सलाह

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में एच-1बी वीजा पर रह रहे एक भारतीय एआई इंजीनियर की नौकरी गई है। इंजीनियर ने बताया है कि उनकी नौकरी तब चली गई, जब कंपनी ने पूरा प्रोजेक्ट भारत शिफ्ट कर दिया। अब उनके सामने यह तय करने की चुनौती है कि वे घर लौटें या विदेश में ही दूसरे मौके तलाशते रहें। रेडिट पर एक पोस्ट में इंजीनियर ने बताया कि वे छह साल पहले मास्टर्स डिग्री के लिए अमेरिका गए थे और फिर फोर्च्यून-500 प्रोडक्ट कंपनी में नौकरी हासिल की थी।

टीओआई के मुताबिक, भारतीय इंजीनियर ने अपनी पोस्ट में बताया है कि उन्होंने अमेरिका में कुल छह साल और नौकरी में तीन साल से ज्यादा का समय बिताया लेकिन जब प्रोजेक्ट को कंपनी की भारतीय टीम को सौंप दिया गया तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। उन्होंने इस स्थिति पर दुख जाहिर किया है। भारतीय इंजीनियर ने लिखा, 'मैं एक एआई इंजीनियर हूं, 6 साल पहले मास्टर्स के लिए अमेरिका गया था बाद में एक एफ-500 प्रोडक्ट-बेस्ड कंपनी में फुल-टाइम नौकरी मिली, वहां 3 साल काम किया और अब नौकरी चली गई। नौकरी जाने के बाद एच-1बी वीजा होल्डर्स को मिलने वाले 60 दिनों के समय में उन्हें कोई दूसरी नौकरी भी नहीं मिल पाई।'

भारतीय इंजीनियर की अमेरिका में नौकरी गई

उन्होंने आगे कहा कि तब से उन्होंने थोड़ा ब्रेक लिया है और अब भारत लौटने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि वे देश के जॉब मार्केट को लेकर अभी भी पक्के तौर पर कुछ नहीं कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि एक और विकल्प यह है कि वे नौकरी की तलाश जारी रखते हुए पीएचडी या दूसरी मास्टर्स डिग्री करके अमेरिका में ही बने रहें।

स्टूडेंट लोन चुका चुके इंजीनियर पोस्ट के मुताबिक, इंजीनियर 30-35 साल की उम्र के हैं। उन्होंने अपना स्टूडेंट लोन चुका दिया है और उनके पास छह साल से ज्यादा का प्रोफेशनल अनुभव है, जिसमें भारत में तीन साल से ज्यादा और अमेरिका में तीन साल का अनुभव शामिल है। उनके बैकग्राउंड में एआई इंजीनियरिंग और जानी-मानी कंपनियों में काम करने का अनुभव शामिल है।

इस पोस्ट पर रेडिट यूजर्स ने कई तरह की प्रतिक्रियाएं आई हैं। कई लोगों ने उनको दूसरी डिग्री लेने का फैसला करने से पहले उन्हें भारत में मौकों के बारे में सोचना चाहिए। एक यूजर ने उस भारतीय टीम से संपर्क करने का सुझाव दिया जिसने प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी ली थी। उन्होंने कहा कि आपको काम मिलना चाहिए।

महिला थाना प्रभारी 50 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी ने की कार्रवाई, आरोपी थाना प्रभारी ने केस से नाम हटाने के लिए मांगी थी घूस

रांची, 30 जुलाई (एजेंसियां)। रांची एसीबी ने खूंटी महिला थाना सह मानव तस्करी निरोधक इकाई (एएचटीयू) प्रभारी सपना सुलेखा को 50 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक मामले को रफा-दफा करने के एवज में 4.5 लाख रुपये की मांग के बाद की गई। रांची के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हुरलुंग निवासी श्याम कुमार ने ब्यूरो में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ पिछले साल सितंबर में अहतु थाना में एक मामला दर्ज किया गया था। श्याम कुमार के अनुसार, उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया था। थाना प्रभारी सपना सुलेखा ने उनसे इस मामले से नाम हटाने के लिए रिश्वत की मांग की थी।

शेख हसीना बांग्लादेश लौटते ही होंगी गिरफ्तार?

तारिक रहमान सरकार के कानून मंत्री ने बताया

ढाका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि वह इस साल के अंत तक स्वदेश लौट सकती हैं। ऐसे में बांग्लादेश की राजनीति में शेख हसीना की वापसी की चर्चा हो रही है। इस बीच बांग्लादेश के कानून मंत्री एमडी असदुज्जमान ने कहा है कि अगर शेख हसीना वापस लौटती हैं, तो देश का कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि शेख हसीना बागंग्लादेश लौटती हैं और सरेंडर करना चाहती हैं, तो हो सकता है कि उन्हें ऐसा करने का मौका मिलने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाए। बांग्लादेशी कानून मंत्री ने यह बात गुरुवार को सचिवालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कही।

बांग्लादेश के कानून मंत्री ने कहा, सबसे पहले, आपको कैसे पता कि विदेश मंत्रालय उनके (शेख हसीना के) प्रत्यर्पण की कोशिश कर रहा है या नहीं? बेशक, वह कोशिश कर रहा है, मैं आपको यह बता सकता हूं। दूसरी बात, अगर कोई व्यक्ति मौत की सजा का दोषी भी हो, और वह बांग्लादेश का नागरिक हो और देश के कानूनों का सम्मान करते हुए बांग्लादेश आकर सरेंडर करना चाहता हो, तो हो सकता है कि उसे सरेंडर करने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया जाए। लेकिन उन्हें यह अधिकार है। अगर वह सच में आती हैं, तो कानून अपना काम करेगा। हम कानून के दायरे से बाहर कुछ नहीं करेंगे। हम उस अधिकार का इस्तेमाल करेंगे जो कानून ने हमें दिया है। एक पत्रकार ने पूछा कि शेख हसीना कैसे लौटेंगी क्योंकि उनके पास पासपोर्ट नहीं है। जवाब में कानून मंत्री ने कहा, वह कैसे आएंगी, यह उनकी समस्या है। यह मेरी समस्या नहीं है।

जब वह हमारे इलाके में दाखिल होंगी, एक बार जब वह उस अधिकार क्षेत्र में आ जाएंगी, तो मैं कानून द्वारा मुझे दिए गए अधिकार के अनुसार कानून लागू करूंगा।

जापान में भूकंप से मौतों का आंकड़ा 28 पहुंचा

मॉल के मलबे में रेस्क्यू जारी

टोक्यो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जापान के कुमामोटो प्रांत में 28 जुलाई को आए 7.1 तीव्रता के भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है। कुमामोटो प्रशासन ने बताया है कि राहतकर्मी अब भी ढहे हुए एयॉन शॉपिंग मॉल के मलबे में फंसे लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं, हजारों लोग बिजली-पानी के बिना भीषण गर्मी झेल रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, मॉल से अब तक 10 लोगों को बाहर निकाला गया है। इनमें 4 की मौत हो चुकी है, एक व्यक्ति की हालत गंभीर है और 5 लोग घायल हैं। राहतकर्मी अब भी मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

भूकंप के बाद हजारों घरों में बिजली और पानी की सप्लाई ठप है। गुरुवार सुबह तक करीब 22,670 घरों और संस्थानों में बिजली नहीं थी, जबकि 84 हजार से ज्यादा घरों में पानी की आपूर्ति बाधित रही। राहत शिविरों में भीषण गर्मी के बीच लोगों को ठहराया गया है और सरकार ने वहां एयर कंडीशनर भेजे हैं।

यात्सुशिरो शहर की निप्पॉन पेपर इंडस्ट्रीज फैक्ट्री में चिमनी गिरने से 5 लोगों की मौत हुई है, जबकि 4 लोग अब भी लापता हैं।

अमेरिका का ईरान के 10 से ज्यादा शहरों पर हमला

2 साल के बच्चे समेत माता-पिता की मौत, ट्रम्प बोले- अब हमारी बारी

वॉशिंगटन/ तेहरान/ तेल अवीव, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने गुरुवार सुबह ईरान में 10 से ज्यादा शहरों पर हवाई हमले किए। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केश्म, किश, काजेरून, अहवाज, अबादान, शादेगान, अरवंदकेनार, बुशेहर, जाम और खोरमोज को निशाना बनाया गया है।

केश्म द्वीप पर रिहायशी इमारत पर हमले में एक दंपती और उनके 2 साल के बच्चे की मौत हुई, जबकि दो अन्य बच्चे घायल हुए।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने बताया कि उसने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के दर्जनों ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें कमांड सेंटर, मिसाइल और ड्रोन सुविधाएं, तटीय निगरानी एवं रक्षा ठिकाने और समुद्री सैन्य क्षमताएं शामिल हैं। ट्रम्प ने हमलों से पहले कहा था कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइल हमला करने की कोशिश की गई थी। उन्होंने कहा, उन्होंने हमला करने की कोशिश की, अब हमारी बारी है।

डॉल्फिन की तरह समुद्र के नीचे कैसे देख लेते हैं मोकेन समुदाय के बच्चे

वैज्ञानिकों ने खोजा पानी में साफ-साफ देखने का राज

बैंकॉक, 30 जुलाई (एजेंसियां)। ज्यादातर के लिए पानी के अंदर देखना मुश्किल होता है और आंखें खोलने पर चीजें धुंधली हो जाती हैं। इंसानी आंखें हवा से गुजरने वाली रोशनी पर फोकस करने के लिए बनी होती हैं। पानी में जाने पर फोकस करने की क्षमता खत्म हो जाती है। इसके उलट कई पीढ़ियों से थाईलैंड और म्यांमार के बीच अंडमान सागर के आसपास रहने वाले मोकेन समुदाय (समुद्र में घूमने-फिरने वाले मूल निवासी) के बच्चों ने पानी के नीचे देखने की एक अद्भुत क्षमता पैदा की है।

मोकेन समुदाय के बच्चे अपने बचपन का ज्यादातर समय शेलफिश, सी-कुकुम्बर और दूसरे समुद्री जीवों को पकड़ने के लिए गोता लगाते हुए बिताने के कारण पानी के अंदर साफ देख पाते हैं। वैज्ञानिकों को लंबे समय से इस पर हैरानी होती रही है। उनकी देखने की अद्भुत क्षमता इतनी असरदार है कि शोधकर्ता इसकी तुलना डॉल्फिन की पानी के अंदर देखने की क्षमता से करते हैं, जो इंसानी अनुकूलन के सबसे असाधारण उदाहरणों में से एक है।

स्वीडन की विजन रिसर्चर एना गिस्लेन को 1999 में मोकेन लोगों में दिलचस्पी तब हुई, जब उन्होंने बच्चों को समुद्र की लहरों के नीचे आंखें पूरी खोलकर गोता लगाते और समुद्र की तलहटी से आसानी से खाना इकट्ठा करते देखा। यह जानने के लिए उत्सुक कि वे ऐसा कैसे कर पाते थे, उन्होंने बाद में मोकेन बच्चों और उसी उम्र के यूरोपीय बच्चों की तुलना करने के लिए प्रयोग किए, जिसके नतीजे चौंकाने वाले थे।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने पीओके को 'पाकिस्तानी कश्मीर' बताया

भारत ने जताई आपत्ति, कहा- यह हमारा अभिन्न हिस्सा

वॉशिंगटन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को 'पाकिस्तानी कश्मीर' बताया।

इसके बाद अमेरिका स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि 'पाकिस्तानी कश्मीर' जैसा कुछ नहीं है, केवल पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) है।

दूतावास ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पूरे केंद्र शासित प्रदेश भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं तथा हमेशा रहेंगे।

भारत ने पाकिस्तान पर जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा करने और वहां रहने वाले लोगों के खिलाफ हिंसा करने का आरोप भी लगाया। साथ ही कहा कि इस मुद्दे पर भारत का रुख पहले से स्पष्ट और अपरिवर्तित है।

दरअसल, न्यूयॉर्क टाइम्स ने पीओके में हालिया अशांति और स्थानीय चुनावों पर प्रकाशित रिपोर्ट में इस क्षेत्र को 'पाकिस्तानी कश्मीर' कहा था।

रिपोर्ट में मीरपुर में सुरक्षा बलों और जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के बीच झड़प, दो लोगों की मौत और चुनावी प्रक्रिया पर पड़े असर का भी जिक्र किया गया। अखबार ने यह भी कहा कि प्रदर्शनकारियों के कुछ दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

सावन के पहले सोमवार पर करें ये 3 उपाय

नौकरी में प्रमोशन के साथ बन सकते हैं धन लाभ के योग

सनातन धर्म में सावन के महीने को अत्यंत शुभ माना जाता है और यह समय पूर्ण रूप से भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है और सभी शिव जी की कृपा पाने के लिए अलग-अलग उपाय आजमाते हैं। मान्यता है कि जो भक्त पूरे सावन शिव भक्ति में लीन रहकर शिव जी को प्रसन्न करने के उपाय आजमाता है उसकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

ऐसे ही इस दौरान कुछ विशेष उपाय करने की भी सलाह दी जाती है। अगर आपकी नौकरी में बार-बार बाधाएं आ रही हैं या प्रमोशन के योग नहीं बन रहे हैं तो सावन के पहले सोमवार को आप यहां बताए कुछ उपाय जरूर आजमाएं। इन उपायों से आपके जीवन की समस्याएं दूर होंगी और धन लाभ के योग भी बनेंगे। आइए जानें इन उपायों के बारे में।

शिवलिंग का करें जलाभिषेक

सावन में जलाभिषेक करना सभी के लिए शुभ माना जाता है। मुख्य रूप से जब आप सावन सोमवार को शिवलिंग को जल कच्चा दूध मिलाकर चढ़ाते हैं तो ये आपके लिए अत्यंत फडलदायी माना जाता है। अगर आपकी नौकरी में समस्याएं आ रही हैं और काम बनते-बनते बिगड़ रहे हैं तो आप सावन के पहले सोमवार को यह उपाय जरूर करें। इससे नौकरी में प्रमोशन के साथ धन लाभ के योग भी बनते हैं।

माथे पर चंदन का तिलक लगाएं

भोलेनाथ को चंदन का लेप लगाना बहुत पसंद है। अगर आप सावन के पहले सोमवार के दिन शिव जी को चंदन का तिलक लगाएंगे और वही तिलक अपने माथे पर भी लगाएंगे तो आपको शिव जी का आशीर्वाद मिलेगा और आपके बिगड़े काम भी बनने लगेंगे। इस उपाय से आपके शरीर के सभी चक्र जागृत होते हैं और इसे एक ऐसा उपाय माना जाता है जो आपकी नौकरी में प्रमोशन के योग बनाता है।

शिवलिंग पर 21 बेलपत्र चढ़ाएं

अगर आपकी भी नौकरी में समस्याएं आ रही हैं और काम बनते-बनते रह जाता है तो आप सावन के पहले सोमवार के दिन किस भी शिव मंदिर में जाकर शिवलिंग पर 21 बेलपत्र चढ़ाएं।

इसके बाद भोलेनाथ से प्रार्थना करें कि जल्द ही आपको अच्छी नौकरी मिले या मौजूदा नौकरी में प्रमोशन के योग बनें। यही नहीं आप शिव के पंचाक्षरी मंत्र 'ॐ नमः शिवाय' का जाप भी करें। ऐसा करने से आपके जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का वास होगा और धन लाभ के योग बनेंगे। अगर आप भी यहां बताए उपायों को आजमाएंगे तो आपकी वर्कप्लेस में आने वाले समस्याएं दूर हो सकती हैं।

सावन–भादौ में बाबा महाकाल की 6 सवारी निकलेंगी

उज्जैन में हर दिन पहुंचेंगे 4 लाख श्रद्धालु; मंगलवार से शुक्रवार जल अर्पित कर सकेंगे कांवड़िए

भगवान शिव के प्रिय सावन माह की शुरुआत इस साल गुरुवार 30 जुलाई से हो रही है जबकि समापन पूर्णिमा तिथि के साथ 28 अगस्त को होगा। इस पवित्र महीने में आराधना के लिए प्रदेशभर के सभी मंदिरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।

उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन करीब 4 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। सावन के चार और भादौ महीने के दो सोमवार को भगवान महाकाल अपनी प्रजा का हाल जानने के लिए नगर भ्रमण पर निकलेंगे।

इस बार श्रावण पूर्णिमा 27 अगस्त को सुबह 9:08 बजे से 28 अगस्त की सुबह 9:48 बजे तक रहेगी।

महाकाल की पहली सवारी 3 अगस्त को

भगवान महाकालेश्वर की पहली सवारी 3 अगस्त जबकि अंतिम राजसी सवारी 7 सितंबर को निकाली जाएगी। सवारी शाम 4 बजे मंदिर प्रांगण से निकलेगी और करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी दूरी तय कर शाम 5 बजे रामघाट पहुंचेगी।

रामघाट पर शिप्रा से जलाभिषेक, पूजन, आरती के बाद बाबा वापस मंदिर के लिए प्रस्थान करेंगे। सवारी शाम 7 बजे मंदिर पहुंचेगी।

भक्तों के लिए चलित आरती दर्शन

महाकाल मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, इस साल भी सभी आरतियों में कार्तिक मंडप की पहली तीन पंक्तियों से श्रद्धालुओं को चलित आरती दर्शन कराए जाएंगे। सभी सवारियों में जनजातीय सांस्कृतिक दल प्रस्तुति देंगे।

हर सवारी में पांच एलईडी रथ शामिल किए गए हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 15 जगहों पर मेडिकल टीमें और 24×7 एंबुलेंस की व्यवस्था रहेगी।

महाकाल मंदिर आ रहे हैं तो यहां के इंतजाम जान लीजिए

पट खुलने के समय में बदलाव

सावन-भादौ मास में 30 जुलाई से 7 सितंबर तक भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर के पट प्रतिदिन सुबह 3:00 बजे जबकि हर सोमवार को सुबह 2:30 बजे खुलेंगे। भस्म आरती प्रतिदिन सुबह 3:00 बजे से 5:00 बजे जबकि सोमवार को सुबह 2:30 बजे से 4:30 बजे तक होगी। 8 सितंबर से मंदिर के पट पूर्व निर्धारित समय पर खुलने लगेंगे।

दर्शन के लिए अलग व्यवस्था

मंदिर में आम श्रद्धालुओं के लिए दो अलग-अलग द्वार से दर्शन की व्यवस्था है। श्रद्धालु भगवान महाकाल को श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप और कार्तिकेय मंडपम में स्थापित जलपात्र के माध्यम से जल अर्पित कर सकेंगे।

श्रावण-भादौ माह में त्रिवेणी संग्रहालय के पास नंदी द्वार, श्री महाकाल महालोक, मानसरोवर भवन, फेसिलिटी सेंटर-1, टनल मंदिर परिसर, कार्तिक मण्डपम, गणेश मण्डपम से भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन किए जा सकेंगे।

नीलकंठ प्रवेश द्वार की ओर से आने वाले श्रद्धालु मानसरोवर भवन में प्रवेश कर फेसिलिटी सेंटर-1 और टनल मंदिर परिसर, कार्तिक मण्डपम, गणेश मण्डपम से दर्शन करने के बाद निर्माल्य द्वार या आपातकालीन द्वार से सीधे बाहर निकलेंगे।

हैदराबाद का शिव धाम, बिना छत के सैकड़ों शिवलिंगों वाला मंदिर बना आस्था का केंद्र, भक्तों की उमड़ती है भीड़

हैदराबाद के पास स्थित यह अनोखा शिव धाम अपनी विशेष धार्मिक मान्यता और अनूठी बनावट के लिए प्रसिद्ध है। यहां सैकड़ों शिवलिंग खुले आसमान के नीचे स्थापित हैं, जो श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। बिना किसी छत के विराजमान ये शिवलिंग इस स्थान की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक महत्ता को दर्शाते हैं। सावन और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों पर यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। प्राकृतिक वातावरण और अनोखी परंपरा के कारण यह धाम धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन चुका है तथा शिवभक्तों के लिए विशेष आस्था का स्थल माना जाता है।

आमतौर पर हम जब भी किसी शिव मंदिर में जाते हैं तो गर्भगृह के अंदर एक या दो शिवलिंग स्थापित देखते हैं। लेकिन भारत में एक ऐसा अनोखा और चमत्कारी मंदिर भी है जहां मुख्य मंदिर के बाहर पहाड़ी पर हर तरफ सैकड़ों शिवलिंग खुले आसमान के नीचे बिखरे हुए दिखाई देते हैं। यह स्थान है तेलंगाना का प्रसिद्ध कीसरागुट्टा रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर, जो हैदराबाद से लगभग 40 किलोमीटर दूर एक शांत पहाड़ी पर स्थित है।

इस मंदिर का इतिहास जितना पुराना है। इसकी पौराणिक कथा उतनी ही दिलचस्प है। स्थानीय मान्यताओं और पुराणों के अनुसार इस स्थान का संबंध सीधे त्रेतायुग और भगवान श्रीराम से है। लंकापति रावण का वध करने के बाद, भगवान राम पर ब्रह्महत्या का दोष लगा था। इस पाप से मुक्ति पाने और शिव जी की आराधना करने के लिए उन्होंने इस पहाड़ी को चुना।

पवित्र शिवलिंग स्थापित करने का निर्णय

स्थानीय पुजारी लिंगा स्वामी बताते हैं कि श्रीराम ने यहां एक पवित्र शिवलिंग स्थापित करने का निर्णय लिया और इसके लिए उन्होंने हनुमान जी को काशी से शिवलिंग लाने का काम सौंपा। हनुमान जी जब काशी पहुंचे, तो वहां कई अद्भुत शिवलिंग देखकर असमंजस में पड़ गए कि प्रभु राम को कौन सा पसंद आएगा। सही शिवलिंग चुनने की उलझन में उन्होंने वहां से 101 शिवलिंग उठा लिए और उन्हें लेकर वापस लौटने लगे। दूसरी तरफ, पहाड़ी पर स्थापना के शुभ मुहूर्त का समय निकला जा रहा था और हनुमान जी समय पर नहीं पहुंच सके। मुहूर्त को हाथ से जाता देख, भगवान शिव स्वयं वहां प्रकट हुए और उन्होंने श्रीराम को एक स्वयंभू शिवलिंग भेंट किया। श्रीराम ने बिना देर किए उस शिवलिंग को स्थापित कर दिया। चूंकि इसकी स्थापना स्वयं राम जी ने की थी इसलिए इस मंदिर का नाम श्री रामलिंगेश्वर स्वामी मंदिर पड़ा।

सभी शिवलिंगों को पहाड़ी पर ही छोड़ दिया

जब हनुमान जी 101 शिवलिंग लेकर पहुंचे तो स्थापना हो चुकी थी। यह देखकर वे बेहद दुखी हो गए और उन्होंने निराशा में अपने लाए हुए सभी शिवलिंगों को पहाड़ी पर ही छोड़ दिया। हनुमान जी को उदास देखकर भगवान राम ने उन्हें गले लगाया और वरदान दिया कि जो भी भक्त यहाँ आएगा वह मुख्य मंदिर से पहले हनुमान जी द्वारा लाए गए इन शिवलिंगों के दर्शन करेगा, तभी उसकी पूजा सफल होगी। हनुमान जी के पिता केसरी के नाम पर इस पहाड़ी का नाम पहले केसरीगिरी रखा गया था जो समय के साथ बदलकर कीसरागुट्टा हो गया। आज भी यहां आने वाले श्रद्धालु सबसे पहले पहाड़ी पर बिखरे इन दिव्य शिवलिंगों की पूजा करते हैं, जो हनुमान जी की भक्ति और श्रीराम के वरदान की गवाही देते हैं।

जीवन को सिद्धांतों से जोड़ें तो हर गतिविधि परिपक्व होगी

हमारी गतिविधियों में ज्यादातर मौकों पर सूझ, बूझ और बोध का अभाव होता है। यह परिश्रम तो हो सकता है, लेकिन पुरुषार्थ नहीं है। यदि अपने कर्म को पुरुषार्थ बनाना है तो सूझ, जिसका संबंध बुद्धि से है; बूझ, जिसका संबंध बुद्धि और समझ दोनों से है और बोध, यानी अनुभूति और आत्मा- ये तीनों बातें भले ही दिखें ना, पर पूरे जीवन की चाल ठीक कर देंगी।

फौज में परेड का बड़ा महत्व है और फौजियों को सिखाया जाता है कि सुबह उठो तो बिस्तर पर एक भी सिलवट नहीं होनी चाहिए। ये दोनों गतिविधियां हमारे चलने और सोकर उठने पर नैतिक नियंत्रण पैदा करती हैं। जीवन को छोटे-छोटे सिद्धांतों से जोड़ें तो हर गतिविधि परिपक्व होगी। बिना पुरुषार्थ के परिश्रम का परिणाम देखने में आ रहा है। पेपर और पेटी, दोनों लीक हो गए। शिक्षा जगत और धर्म जगत में आहत-भरा आक्रोश है। आत्मा पर टिककर कम से कम इतना संकल्प लिया जाए कि हम ऐसे अपराधों में लिप्त नहीं होंगे और प्रयास करेंगे कि हमारा परिश्रम पुरुषार्थ में बदलता रहे।

सावन मास में शिव जी की कथा पढ़ने–सुनने की परंपरा

सृष्टि का संचालन में ब्रह्मा, विष्णु और महेश करते हैं, अलग–अलग काम बांटने से मुश्किल काम भी आसानी से हो जाता है सफल

सावन मास का पहला दिन है। इस महीने में शिव जी की पूजा के साथ ही उनकी कथाएं पढ़ने-सुनने की भी परंपरा है। शिव जी ने सृष्टि के निर्माण, संचालन और संहार से जुड़ी एक कथा में टीम वर्क का महत्व बताया है। काम का सही विभाजन किया जाए, तो मुश्किल काम में भी सफलता मिल सकती है। जानिए ये कथा... हमारी सृष्टि कैसे बनी और इसका संचालन किस प्रकार होता है, इसका वर्णन शिव पुराण में मिलता है।

शिव पुराण के मुताबिक, जब सृष्टि की रचना का समय आया, तो भगवान विष्णु ने भगवान शिव की स्तुति करते हुए उनसे प्रकट होने की प्रार्थना की। उन्होंने विनम्रता से कहा, प्रभु, कृपया बताइए कि इस संसार का संचालन किस प्रकार किया जाए, ताकि व्यवस्था और संतुलन बना रहे।

भगवान शिव प्रकट हुए और उन्होंने ब्रह्मा-विष्णु से कहा, आप दोनों मिलकर इस सृष्टि के कार्यों का संचालन करेंगे। ब्रह्मा जी, आपका दायित्व होगा सृष्टि का निर्माण करना। विष्णु जी, आप इस सृष्टि का पालन-पोषण करेंगे और जब समय आएगा, तब इस सृष्टि का संहार मैं करूंगा।

शिव जी ने आगे कहा, हालांकि हम तीनों एक ही परम तत्व के स्वरूप हैं, फिर भी हमारे कार्य अलग-अलग होंगे। इसी कार्य विभाजन के कारण संसार हमें ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र के नाम से जानेगा। हमारे स्वरूप में कोई भेद नहीं है, लेकिन जिम्मेदारियों के आधार पर हमारी पहचान अलग होगी।

इसके साथ ही शिव जी ने यह भी बताया कि प्रत्येक शक्ति का अपना महत्व है। उमा देवी मेरे साथ रहेंगी, वाग्देवी ब्रह्मा जी के साथ और लक्ष्मी जी भगवान विष्णु के साथ। इस प्रकार ज्ञान, शक्ति और समृद्धि भी अपने-अपने कार्यों के अनुसार जुड़ी रहेंगी।

शिव पुराण की यह कथा संदेश देती है कि सही व्यक्ति को सही जिम्मेदारी और सही समय पर सही ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए, तभी सफलता मिलती है।

आज अधिकांश लोग इसलिए तनाव में हैं, क्योंकि वे अपनी ऊर्जा को कई दिशाओं में बिखेर देते हैं।

कभी काम की चिंता, कभी परिवार की जिम्मेदारी और कभी भविष्य की फिक्र उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। यदि हम इस कथा से प्रेरणा लें, तो सबसे पहले अपने जीवन के कार्यों को स्पष्ट रूप से बांटना सीख सकते हैं।

व्यावसायिक जीवन में पूरी एकाग्रता के साथ काम करें, लेकिन घर लौटने के बाद परिवार को समय दें। इसी प्रकार स्वयं के स्वास्थ्य, अध्ययन और मानसिक शांति के लिए भी प्रतिदिन कुछ समय अवश्य निकालें। जब जीवन के हर क्षेत्र को आवश्यकता के अनुसार समय और ऊर्जा मिलती है, तब संतुलन बना रहता है।

हर व्यक्ति की अपनी भूमिका होती है। परिवार हो या कार्यालय, यदि हर सदस्य अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाए तो अनावश्यक तनाव और विवाद कम हो जाते हैं। दूसरों का काम अपने ऊपर लेने या हर चीज को स्वयं नियंत्रित करने की आदत धीरे-धीरे थकान और असंतोष पैदा करती है।

यह कथा बताती है कि पहचान कार्य से बनती है। ब्रह्मा, विष्णु और शिव का सम्मान उनके दायित्वों के कारण है। उसी प्रकार व्यक्ति की प्रतिष्ठा उसके पद से नहीं, बल्कि जिम्मेदारी निभाने की क्षमता से बनती है।

ऊर्जा का सही उपयोग सफलता का मूल मंत्र है। जो व्यक्ति अपनी मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक ऊर्जा को सकारात्मक कार्यों में लगाता है, वह कठिन परिस्थितियों में भी शांत रहता है और बेहतर निर्णय ले पाता है। इसके विपरीत, शिकायत, क्रोध और तुलना में ऊर्जा खर्च करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी क्षमता खो देता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 31 जुलाई - 2026

परीक्षा सुधार और लोकतंत्र

देश के विभिन्न हिस्सों में छात्रों के सड़क पर उतरकर किए गए विरोध-प्रदर्शनों के बाद केंद्र सरकार ने प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के उद्देश्य से 'लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026' लोकसभा में पास हो गया। व्यापक धारणा है कि छात्रों के आंदोलन और लगातार उठती मांगों ने सरकार को इस दिशा में ठोस पहल करने के लिए प्रेरित किया। यह विधेयक केवल परीक्षा प्रणाली में सुधार का प्रयास नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद, जवाबदेही और जनविश्वास की भी महत्वपूर्ण परीक्षा है। अपेक्षा थी कि संसद में इस विधेयक पर व्यापक और सार्थक चर्चा होगी। विपक्ष इसकी संभावित कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करेगा, सरकार सुझावों पर विचार करेगी और आवश्यक संशोधनों के बाद अधिक प्रभावी कानून तैयार होगा। लेकिन सदन की कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार का माहौल देखने को मिला, उसने कई प्रश्न खड़े कर दिए। विपक्ष का आरोप है कि उसे अपनी बात रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला, जबकि सत्तापक्ष का कहना है कि विपक्ष ने चर्चा को विधेयक पर केंद्रित रखने के बजाय राजनीतिक मुद्दों को अधिक महत्व दिया। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन जब करोड़ों युवाओं के भविष्य से जुड़े किसी भी कानून पर गंभीर, तथ्यपरक और रचनात्मक बहस अनिवार्य होनी चाहिए तो वहां हो-हल्ला से काम नहीं चलेगा। बता दें कि छात्रों का आंदोलन धीरे-धीरे देशव्यापी स्वरूप लेने लगा था। सरकार द्वारा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार का आश्वासन दिए जाने के बाद यह आंदोलन समाप्त हुआ। ऐसे में यह विधेयक उन आश्वासनों को कानूनी आधार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि संसद में विभिन्न पक्षों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से शामिल किया जाता है, तो प्रवेश एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी तथा पेपर लीक, नकल और अन्य अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। इसके विपरीत, यदि किसी विधेयक को पर्याप्त चर्चा के बिना पारित किया जाता है, तो उसकी जनस्वीकार्यता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित हो सकती हैं। पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष छात्रों के प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग का है। यह प्रश्न लगातार उठ रहा है कि क्या स्थिति से निपटने का यही अंतिम विकल्प था। यदि सरकार और प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों से समय रहते संवाद स्थापित किया होता, तो संभवतः टकराव को टाला जा सकता था। प्रदर्शन के दौरान पेललेट गन और एके-47 राइफल से गोलियां चलाए जाने के आरोपों ने हालात को और विवादास्पद बना दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बल प्रयोग में पेललेट गन सहित अन्य हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि की है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय ने निष्पक्ष जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का संकेत दिया है। साथ ही न्यायालय ने 18 वर्ष से कम आयु के उन छात्रों को रिहा करने का निर्देश भी दिया है, जिनका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि लोकतंत्र में संवाद ही सबसे प्रभावी समाधान है। सरकार का दायित्व है कि वह आशंकाओं का समय पर समाधान करे और सभी पक्षों को विश्वास में लेकर निर्णय ले। वहीं विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझावों के माध्यम से कानून को अधिक प्रभावी बनाए। अंततः सरकार, विपक्ष और छात्रों का साझा उद्देश्य देश की शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और उत्तरदायी बनाना होना चाहिए। संसद में सार्थक बहस, निष्पक्ष जांच और प्रभावी परीक्षा सुधार ही छात्रों का विश्वास बहाल कर सकते हैं तथा लोकतंत्र की साख को और मजबूत बना सकते हैं।

आस्था की भव्यता अब प्रकृति को बोझ बनाती जा रही है

आरके जैन

उत्सव कभी केवल मनुष्य के आयोजन नहीं थे; वे प्रकृति के साथ हमारी मौन आत्मीयता के प्रतीक थे। हमारी सांस्कृतिक परंपरा ने सिखाया कि आनंद तभी पूर्ण है, जब उसमें धरती, जल, वायु और समस्त जीवन के प्रति सम्मान हो। पर आज उत्सव जितने भव्य हुए हैं, उनका पर्यावरणीय बोझ भी उतना ही बढ़ा है। रोशनी, रंग और उल्लास के बीच प्लास्टिक की थैलियां, डिस्पोजेबल बर्तन और कृत्रिम सजावट हर पर्व का सामान्य हिस्सा बन चुके हैं। उत्सव समाप्त होते ही यही कचरा सड़कों, नालों, नदियों और सार्वजनिक स्थलों पर बिखर जाता है। सबसे बड़ी विडंबना यह नहीं कि प्लास्टिक बढ़ रहा है, बल्कि यह है कि जिस प्रकृति ने उत्सव को संभव बनाया, वही सबसे अधिक उपेक्षित रह जाती है। प्रश्न केवल प्लास्टिक का नहीं, उस सांस्कृतिक चेतना का है, जिसमें कभी उत्सव और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक थे। सभ्यताएँ त्योहार बदलने से नहीं, उनके स्वभाव बदलने से बदलती हैं। कभी पर्वों की तैयारी मिट्टी, पत्तों, बांस, कपास और प्राकृतिक रेशों से होती थी। पूजा, प्रसाद और सजावट-सब कुछ प्रकृति से आता था और अपना उद्देश्य पूरा कर उसी में सहज विलीन हो जाता था। आज सुविधा, चमक और क्षणिक आकर्षण ने उस स्वाभाविक संतुलन को विस्थापित कर दिया है। परिणामस्वरूप, त्योहारों के दौरान शहरों में सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। यही कचरा नदियों में बहकर, मिट्टी में दबकर और वातावरण में फैलकर सूक्ष्म प्लास्टिक कणों में बदल जाता है। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, पर धीरे-धीरे जल, भूमि, वायु और पूरे जीवन चक्र को विषाक्त करता रहता है। सुविधा ने जीवन सरल अवश्य किया है, पर उसके पर्यावरणीय मूल्य का लेखा-जोखा आज भी अधूरा है। समाधान भविष्य की प्रयोगशालाओं में नहीं, हमारी सांस्कृतिक स्मृति में है। भारतीय परंपरा ने प्रकृति को कभी संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। इसलिए प्राकृतिक बर्तन, सजावट और पैकेजिंग केवल उपयोग की वस्तुएँ नहीं थीं, बल्कि ऐसी जीवन-दृष्टि का हिस्सा थीं, जिसमें उपभोग और संरक्षण साथ चलते थे। आज जब कुछ समुदाय सूती बैनरों, बागास की प्लेटों, प्राकृतिक रेशों और पर्यावरण-अनुकूल विकल्पों को अपना रहे हैं, तो वे केवल पुराने साधन नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विवेक को पुनर्जीवित कर रहे हैं, जिसने सदियों तक प्रकृति और समाज का संतुलन बनाए रखा। यह परिवर्तन सिद्ध करता है कि उत्सव की भव्यता और पर्यावरण संरक्षण विरोधी नहीं, पूरक हैं।

आधुनिकता तभी सार्थक है, जब वह परंपरा की आत्मा को सुरक्षित रखते हुए नए साधनों का विवेकपूर्ण चयन करे।

आस्था की सबसे बड़ी पहचान उसकी भव्यता नहीं, बल्कि उसके बाद बचने वाली स्वच्छता है। प्रत्येक धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सव पवित्रता, स्वच्छता और सामूहिक अनुशासन का संदेश देता है। इसलिए यदि उत्सव स्थल प्लास्टिक मुक्त हों, प्रसाद वितरण में प्राकृतिक विकल्प अपनाए जाएँ और आयोजन के बाद सफाई को केवल कर्तव्य नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संस्कार माना जाए, तो पर्वों का उद्देश्य और अधिक सार्थक हो जाएगा। अनेक समुदाय इस दिशा में प्रेरक उदाहरण बन चुके हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि आधुनिक सुविधाओं के साथ भी पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहा जा सकता है। जब श्रद्धा के साथ पर्यावरण-बोध जुड़ता है, तब उत्सव केवल परंपरा का निर्वाह नहीं करते, बल्कि समाज के लिए आदर्श आचरण भी गढ़ते हैं।

सोनम वांगचुक के लद्दाख की कहानी

अशोक भाटिया

सोनम वांगचुक लद्दाख के जिस हिस्से का प्रतिनिधित्व करते हैं और जिन क्षेत्रों, जैसे चांगथांग और पैंगोंग त्सो के आस-पास का इलाका, की सुरक्षा का मुद्दा उठा रहे हैं, वे सैन्य और भौगोलिक दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील और महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र तिब्बत की सीमा से सटा हुआ एक विशाल पठार है, जो अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है। सैन्य विज्ञान के स्थापित सिद्धांतों के अनुसार, ऊंचाई पर स्थित चौकियों पर नियंत्रण रखने वाले देश को कूटनीतिक, रणनीतिक और सैन्य तीनों स्तरों पर अत्यधिक बढ़त हासिल होती है।

देखा जाय तो समकालीन वैश्विक राजनीति और सैन्य रणनीतियों में 'सलामी स्लाइसिंग' एक ऐसा स्थापित दृष्टिकोण है, जहाँ कोई विस्तारवादी महत्वाकांक्षा रखने वाला देश बिना किसी बड़े, व्यापक या प्रत्यक्ष युद्ध के, अत्यंत धीमी गति से और छोटे-छोटे टुकड़ों में सीमावर्ती क्षेत्रों पर अपना प्रभाव या नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास करता है। वर्तमान में भारत की उत्तरी सीमाओं, विशेषकर लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यह रणनीति एक दीर्घकालिक और अत्यंत गंभीर सुरक्षा चुनौती बनकर उभरी है। विख्यात शिक्षाविद्, नवप्रवर्तक और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का हालिया आंदोलन और उनके गांव 'उबले' सहित पूरे चांगथांग क्षेत्र से आ रही जमीनी रिपोर्टें इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करती हैं कि बीजिंग की नीति केवल एक तात्कालिक सीमा विवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरे रणनीतिक, आर्थिक, जनसांख्यिकीय और पारिस्थितिक हित छिपे हैं। अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के विशेषज्ञों के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक हो गया है कि लद्दाख के ये सुदूर सीमावर्ती क्षेत्र चीन के लिए सामरिक रूप से क्यों इतने महत्वपूर्ण हैं, इसके पीछे बीजिंग का क्या भू-राजनीतिक गणित काम कर रहा है, और देश के आंतरिक नीतिगत निर्णयों तथा कूटनीतिक वार्ताओं का राष्ट्रीय सुरक्षा की इस वृहत्तर तस्वीर से क्या सीधा और अटूट संबंध है।

इन क्षेत्रों पर आंशिक प्रभाव या प्रभुत्व बनाकर भी चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भारतीय सेना की अग्रिम गतिविधियों, रसद आपूर्ति मार्गों और लेह-लद्दाख को जोड़ने वाले रणनीतिक बुनियादी ढांचे पर चौबीसों घंटे प्रभावी निगरानी रख सकती है। यही कारण है कि इन सुदूर अग्रिम गांवों और पारंपरिक रूप से भारत के प्रभाव वाले क्षेत्रों पर धीरे-धीरे अपना नियंत्रण स्थापित करना बीजिंग की दीर्घकालिक सैन्य प्राथमिकताओं में शीर्ष पर रहा है, क्योंकि यह उन्हें किसी भी संभावित संघर्ष की स्थिति में एक रणनीतिक बढ़त प्रदान करता है। इस क्षेत्र में चीन की सैन्य और प्रशासनिक गतिविधि स्थापित अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के सीधे और बड़े उल्लंघन के बजाय एक क्रमिक, अदृश्य और बेहद शातिर प्रक्रिया के रूप में दिखाई देती है। सीमा पर रहने वाले स्थानीय लद्दाखी चरवाहे, जो मुख्य रूप से चांगपा समुदाय से आते हैं, सदियों से अपनी पश्मीना बकरियों और याकों को चराने के लिए इन पारंपरिक और ऐतिहासिक चारागाहों का उपयोग करते रहे हैं। चीनी गश्ती दल अक्सर इन निहत्थे और सीधे-सादे चरवाहों की आवाजाही को बाधित करते हैं, उन्हें डराते हैं और सीमा विवाद का बहाना बनाकर पीछे हटने को मजबूर करते हैं। जब स्थानीय आबादी विवादों या असुरक्षा से बचने के लिए इन चारागाहों पर जाना बंद कर देती है, तो वह क्षेत्र 'नो मैन्स लैंड' या विवादित क्षेत्र में तब्दील हो जाता है। इसके बाद के चरणों में, चीन इन खाली क्षेत्रों के निकट तेजी से पक्की सड़कें, मोबाइल टॉवर, सैन्य शेड और नागरिक बस्तियों, जिन्हें चीनी शब्दावली में 'शियाओकांग विलेज' कहा जाता है, का निर्माण करके अपनी अनधिकृत स्थिति को एक स्थायी और वैध रूप देने का प्रयास करता है। सोनम वांगचुक और लद्दाख के स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बार-बार उपग्रह चित्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से यह गहरी चिंता जताई है कि इस प्रक्रिया के कारण भारत के पारंपरिक चारागाहों का एक बड़ा हिस्सा धीरे-धीरे हमारी सुलभ गश्त और नागरिक नियंत्रण के दायरे से बाहर होता जा रहा है। चीन के इन आक्रामक कदमों के पीछे केवल सैन्य विस्तारवाद ही नहीं, बल्कि भविष्य की 'संसाधन सुरक्षा' भी एक बहुत बड़ा आर्थिक कारक है। लद्दाख और तिब्बत का यह संपूर्ण भूभाग दुनिया के ₹तीसरे ध्रुव₹ के रूप में जाना जाता है, जो मीठे पानी के विशाल ग्लेशियरों और अत्यंत महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों का प्रमुख स्रोत है। सिंधु और उसकी प्रमुख सहायक नदियों के उद्गम और प्रवाह क्षेत्र इसी भूभाग से गहरे जुड़े हैं। इस क्षेत्र के जल स्रोतों और ग्लेशियरों पर कड़ा नियंत्रण स्थापित करके चीन पूरे दक्षिण एशिया की जल-भूराजनीति में एक निर्णायक और एकाधिकारवादी भूमिका हासिल करना चाहता है, जिससे वह भविष्य में भारत और पाकिस्तान जैसे निचले प्रवाह वाले देशों पर एक जल-अस्त्र के रूप में दबाव बना सके। इसके साथ ही, चांगथांग का यह विशिष्ट क्षेत्र दुनिया के सबसे महंगे और सर्वश्रेष्ठ 'पश्मीना ऊन' का एकमात्र मुख्य उत्पादक है। चीनी दबाव के कारण जब भारतीय चरवाहों को अंतिम सीमाओं पर स्थित समृद्ध चारागाहों से पीछे हटना पड़ता है, तो चारा न मिलने के कारण पश्मीना बकरियों की आबादी पर संकट आ जाता है, जिसका सीधा नकारात्मक और विनाशकारी असर लद्दाख की स्थानीय अर्थव्यवस्था, कश्मीर के हस्तशिल्प और भारत के अंतरराष्ट्रीय टेक्सटाइल उद्योग पर पड़ता है। वर्ष 2020 के गलवान घाटी के हिंसक संघर्ष के बाद से दोनों महाशक्तियों के बीच संबंधों में एक लंबा सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध बना रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में निरंतर जारी द्विपक्षीय वार्ताओं और कूटनीतिक प्रयासों के कारण कुछ सकारात्मक प्रगति देखी गई है। डेपसांग और डेमचोक जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण और विवादित घर्षण बिंदुओं से सैन्य विस्थापन और गश्त व्यवस्था को पुरानी स्थिति में बहाल करने पर दोनों पक्षों के बीच कूटनीतिक समझौतों का एक नया सिलसिला शुरू हुआ है। भारत और चीन के बीच उच्च स्तरीय वार्ताओं, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बैठकों और सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए स्थापित कार्य तंत्र के माध्यम से कूटनीतिक चैनलों को फिर से पूरी तरह सक्रिय किया गया है। इन सभी वार्ताओं में भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सदैव अत्यंत स्पष्ट और कड़ा रुख अपनाया है कि जब तक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर अप्रैल 2020 से पहले की पूर्ण शांति और स्थिरता बहाल नहीं होती, और स्थानीय समुदायों के पारंपरिक चराई तथा सेना के गश्त के अधिकारों को पूरी तरह सुरक्षित नहीं किया जाता, तब तक दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में पूर्ण सामान्य स्थिति की बहाली होना असंभव है। हालांकि, इन कूटनीतिक प्रगतियों और कागजी समझौतों के बावजूद, जमीन पर चीनी सेना द्वारा इन वादों के अक्षरशः पालन और नव-निर्मित 'बफर जोन' की वास्तविक जमीनी स्थिति को लेकर भारत के शीर्ष रक्षा विशेषज्ञों, सैन्य कमांडरों और स्थानीय लद्दाखी संगठनों के बीच एक निरंतर और गहरी सतर्कता बनी हुई है, क्योंकि इतिहास गवाह है कि चीन कूटनीतिक वार्ताओं का उपयोग अक्सर अपनी सैन्य तैयारियों के लिए समय जुटाने में करता रहा है। एक परिपक्व और संप्रभु राष्ट्र के रूप में भारत को इस सत्य को स्वीकार करना होगा कि किसी भी बाहरी खतरे या सीमावर्ती आक्रामकता से निपटने के लिए देश की आंतरिक स्थिरता और उसके स्थानीय नागरिकों का अटूट विश्वास सबसे महत्वपूर्ण और मजबूत स्तंभ होते हैं।

सिर्फ कठोर कानून ही समस्या का समाधान नहीं है!

मनोज कुमार अग्रवाल

मनोज कुमार अग्रवाल

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और 50 लाख तक के जुर्माने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुर्माना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है।

क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था।

सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एनक्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एनक्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके। परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके। बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले 'ऑन-डिमांड' प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी): आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर 'सोर्स' (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए।

लोकतांत्रिक प्रतिरोध की नई जमीन

कुमार कृष्णन

भारतीय लोकतंत्र में जन आंदोलनों की भूमिका हमेशा केवल सत्ता के विरोध तक सीमित नहीं रही है। वे समाज की बेचैनी, युवाओं की आकांक्षाओं और व्यवस्था में सुधार की जरूरतों को सामने लाने का माध्यम भी रहे हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल के दिनों में उभरा छात्र-युवा आंदोलन इसी लोकतांत्रिक परंपरा की एक नई अभिव्यक्ति के रूप में देखा जा सकता है। इस आंदोलन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज, खासकर युवाओं की आवाज, को सुनने की संस्थागत क्षमता कितनी मजबूत है।

भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन की तीन प्रमुख धाराओं—भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले)—के नेताओं की दिल्ली स्थित चारु भवन में हुई बैठक इसी व्यापक राजनीतिक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यह बैठक केवल तीन वाम दलों के बीच आपसी संवाद का अवसर नहीं थी, बल्कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, सामाजिक आंदोलनों और जन मुद्दों पर साझा रणनीति बनाने की कोशिश भी थी।बैठक में वाम दलों के नेताओं ने महान कम्युनिस्ट नेता चारु मजूमदार की 54वीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। चारु मजूमदार भारतीय वामपंथी राजनीति के इतिहास में एक विवादास्पद लेकिन प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं। उनके विचारों और राजनीतिक प्रयोगों ने भारतीय कम्युनिस्ट आंदोलन को एक अलग दिशा दी। हालांकि समय के साथ वाम राजनीति की रणनीतियों में बदलाव आया है, लेकिन सामाजिक असमानता, शोषण और वंचित वर्गों के अधिकारों जैसे मुद्दे आज भी उसके केंद्रीय सरोकार बने हुए हैं।

बैठक में सबसे अधिक चर्चा जंतर-मंतर आंदोलन को लेकर हुई। वाम दलों ने इसे छात्र-युवा आंदोलन की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और रोजगार के सवालों को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। किसी भी लोकतंत्र में युवाओं का असंतोष केवल राजनीतिक चुनौती नहीं होता बल्कि वह भविष्य की दिशा का संकेत भी होता है।आज भारत की बड़ी आबादी युवा है। यह युवा वर्ग शिक्षा, रोजगार और अवसरों की तलाश में है। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितता, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और रोजगार की अनिश्चितता जैसे मुद्दे युवाओं की चिंता का प्रमुख कारण बन रहे हैं। जब ऐसी समस्याएँ लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो स्वाभाविक रूप से जन असंतोष पैदा होता है। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि ऐसे असंतोष को दमन के बजाय संवाद और सुधार के माध्यम से संबोधित किया जाए। जंतर-मंतर आंदोलन का महत्व इस दृष्टि से भी है कि उसने छात्र संगठनों और युवा समूहों की भूमिका को फिर से रेखांकित किया। लोकतांत्रिक आंदोलनों की सफलता केवल संख्या बल से तय नहीं होती बल्कि उनकी नैतिक शक्ति, मुद्दों की प्रासंगिकता और जनसमर्थन से भी होती है। युवाओं की भागीदारी यह बताती है कि नई पीढ़ी केवल डिजिटल माध्यमों तक सीमित नहीं है बल्कि अपने अधिकारों और भविष्य के सवालों पर सार्वजनिक हस्तक्षेप करने के लिए भी तैयार है। हालांकि किसी भी आंदोलन की स्थायी सफलता केवल सरकार पर दबाव बनाने तक सीमित नहीं हो सकती। वास्तविक चुनौती यह है कि आंदोलन जिन सवालों को उठाते हैं, उनके समाधान के लिए नीतिगत बदलाव कैसे सुनिश्चित हों। शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, भर्ती प्रक्रियाओं में विश्वसनीयता और रोजगार के अवसरों का विस्तार ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर राजनीतिक दलों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता है।वाम दलों ने बैठक में ट्रेड यूनियनों, किसान संगठनों, ग्रामीण मजदूरों और महिला संगठनों के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी जोर दिया। यह संकेत देता है कि वे आने वाले समय में जन मुद्दों को व्यापक सामाजिक गठजोड़ के रूप में उठाने की तैयारी में हैं। महंगाई, आर्थिक असमानता, श्रम अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा जैसे सवाल आज भी करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़े हुए हैं।महिलाओं के लिए संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की मांग भी बैठक में प्रमुखता से उठाई गई।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व में समानता लोकतंत्र की गुणवत्ता को मजबूत करती है। हालांकि आरक्षण से जुड़े संवैधानिक और राजनीतिक पहलुओं पर बहस जारी है लेकिन यह निर्विवाद है कि निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की पर्याप्त भागीदारी लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।वाम दलों ने सांप्रदायिक राजनीति और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर बढ़ते दबाव को लेकर भी चिंता व्यक्त की। भारतीय राजनीति में विचारधाराओं का संघर्ष नया नहीं है। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि विभिन्न राजनीतिक दृष्टिकोण शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रख सकें। किसी भी सरकार की आलोचना को लोकतंत्र विरोधी नहीं माना जा सकता, बल्कि आलोचना लोकतांत्रिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है।लेकिन विपक्षी दलों और आंदोलनों के सामने भी चुनौती कम नहीं है। केवल सरकार विरोधी राजनीति से व्यापक जनविश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। जनता अब ठोस विकल्प, स्पष्ट नीतियाँ और व्यावहारिक समाधान चाहती है।

एक ही थैले के चट्टे बट्टे

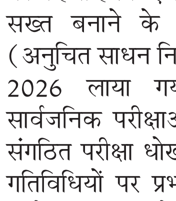

डॉ टी महादेव राव

पूरी वसुधा यानी धरती या विश्व एक कुटुंब की तरह होता है। कितना अच्छा लगता है यह विचार। लेकिन क्या हम लोग इस उक्ति के प्रति ईमानदारी से प्रतिबद्ध रहे? सिर्फ कहने को रह गया है भैया! छोटू! अचानक तुम्हारे ज्ञान चक्षुओं में यह कंपन कैसा? यह अरस्तू और दांते की तरह विश्व कल्याण का दर्शन तुम्हारी जिह्वा पर? भैया। पूरे विश्व में घृणा का वातावरण इस तरह फैला हुआ है कि सांप को मना करें तो मेंढक को गुस्सा आता है और मेंढक से कहो तो सांप क्रोधित हो जाता है। हर एक लड़ाई झगड़े और गली गलौच में भिड़ा हुआ है एकता माई फुट कहते फिर रहे हैं। किसी में भी एकता और परिवार की भावना नहीं है। फिर भाषणों में यह वसुधैव कुटुम्बकम् का उल्लेख क्या संदर्भोचित है? हम स्वघोषित विश्व के गुरु हैं तो सहज है वसधैवकुटुम्बकम कहेंगे ही। हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। भले ही उसका पालन अपने देश में करें या न करें। न्याय के शहंशाह जब ओछी बातें करके सोये हुए शेरों को जगाकर सबको परेशान करता है, ऐसे में यहां बेरोजगारों और युवाओं की एकता सचमुच तारीफ के काबिल है। परिणाम तो ठीक ही रहा न? आप बात को कहां से कहां ले जाते हो भैया? मैं कह रहा विश्व की बात आप कर रहे दिल्ली की बात। कहीं यह एकता या वसुधैव कुटुम्बकम् हो या न हो, हमारे केंद्रीय मंत्रिमंडल में तो है। बड़े अच्छे साथी और उनकी एकता मदमाती। वहां कहां एकता है? एक मंत्री को तो रास्ता दिखा दिए घर का। उसकी जगह पर जिसे रखा उसे देखकर तो लगता है अब इस मंत्रालय को बंद कर देना चाहिए। कोई ढंग का व्यक्ति इस मंत्रालय को संभालने वाला तो हो। तुम भी न छोटू। विषय से भटकते हो अपने ही जाल में फंसे मकड़ी की तरह लटकते हो। अब देखो मंत्री मंडल में एकता है, मै इसे साक्ष्य सहित सिद्ध करता हूं।

अच्छा। चलिए सिद्ध कीजिए।

देखो कर, टैक्स या इस तरह की धन उगाही वित्त मंत्रालय करता है। अधिकतम खर्च कौन करता है, वह मंत्रालय नहीं। रेल मंत्री है लेकिन पिछले बारह सालों से नई नई रेल गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना कौन करता है? पेट्रोलियम मंत्री अलग है लेकिन अपने बेटे के कारखाने से जुड़े मामले में इथेनॉल और पेट्रोल के मिश्रण से वाहनों की सुरक्षा का पक्ष लेकर सड़क परिवहन मंत्री बोलता है। खेल मंत्री को साइड में रखकर क्रिकेट में अपने वंशांकुर को आगे बढ़ाता कौन है। ये चंद उदाहरण हैं उनकी आपसी एकता की। वसुधैव कुटुम्बकम् हुआ या नहीं? नज़रिया बदलो।भैया! आपसे बहस में कौन जीते?

एक बात और देश में सरकार के खिलाफ कुछ भी हो जाए तो सबसे पहले अपनी गंदी से प्रतिक्रिया कौन देता है? उसी कुटुंब की एक छलनी जिसमें बहत्तर छेद, जिसे हर जगह मुंह की खानी पड़ रही है। याद आया उसे एक महिला ने फ्री में झापड रसीद कंठी हवाई अड्डे पर।

स्वीडन की एली अवराम कैसे बनीं बॉलीवुड की हीरोइन

बॉलीवुड अभिनेत्री एली अवराम आज इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री हैं लेकिन एक समय ऐसा भी था जब वह भारत से हजारों किलोमीटर दूर स्वीडन में बैठकर हिंदी फिल्मों को देखकर इस दुनिया का हिस्सा बनने का सपना देखा करती थीं। जिस उम्र में ज्यादातर बच्चे अपने भविष्य के बारे में सोच भी नहीं पाते, उसी उम्र में एली ने एक फिल्म देखकर तय कर लिया था कि उन्हें एक्ट्रेस बनना है। एली अवराम का जन्म 29 जुलाई 1990 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुआ था। उनका पूरा नाम एलिसाबेट अवरामिदू ग्रानलुंड है। एली को बचपन से ही डांस, गाने और अभिनय में काफी रुचि थी। उनका भारत और बॉलीवुड से रिश्ता बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि जब वह करीब 14 साल की थीं, तब उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' देखी थी। लगभग चार घंटे लंबी इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि वह स्क्रीन से नजरें नहीं हटा पाईं। फिल्म के शानदार सेट, भारतीय कपड़े, संगीत और कलाकारों की अदाकारी ने उनके मन में बॉलीवुड के लिए एक खास जगह बना दी। उस समय उन्हें हिंदी भाषा भी नहीं आती थी, लेकिन उन्होंने तय कर लिया था कि एक दिन वह हिंदी फिल्मों में काम करेंगी। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए एली ने कम उम्र से ही मेहनत शुरू कर दी थी। 17 साल की उम्र में वह स्टॉकहोम के 'परदेसी डांस ग्रुप' से जुड़ीं और बॉलीवुड गानों पर डांस परफॉर्म करने लगीं। उन्होंने स्वीडन में कुछ एक्टिंग प्रोजेक्ट्स में भी काम किया। साल 2008 में आई स्वीडिश फिल्म 'फॉर्बिडन फ्रूट' में उन्होंने अभिनय किया था।

साल 2012 में एली अपने बॉलीवुड सपने को पूरा करने के लिए भारत आ गईं। वह टूरिस्ट वीजा पर मुंबई पहुंची थीं लेकिन उनका मकसद घूमना नहीं बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाना था। शुरुआत आसान नहीं थी। एक नई भाषा, नया देश और फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिस्पर्धा के बीच एली ने खुद को तैयार किया। उन्होंने हिंदी बोलना सीखा, डांस की ट्रेनिंग ली और लगातार ऑडिशन देने लगीं।

एली को पहला बड़ा मौका फिल्म 'मिकी वायरस' से मिला। साल 2013 में रिलीज हुई इस फिल्म में उन्होंने मनीष पॉल के साथ काम किया। इसके बाद एली ने कई फिल्मों में काम किया। साल 2015 में वह कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' में नजर आईं। उन्होंने 'नाम शबाना', 'पोस्टर बॉयज', 'बाजार', 'मलंग', 'कोई जाने ना', 'गुडबाय' और 'गणपत' जैसी फिल्मों में भी काम किया। आमिर खान के साथ उनका गाना 'हर फन मौला' भी काफी चर्चा में रहा।

'शाहरुख खान बनेगा' अफेयर की अटकलों के बीच शहनाज ने राघव जुयाल पर कही बड़ी बात

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। वहीं शहनाज गिल भी पंजाबी और बॉलीवुड फिल्मों में सक्रिय हैं। इन दोनों कलाकारों के बीच इश्क पनप रहा है, ऐसी अटकलें लग रही हैं। हाल ही में अपने रिश्ते को लेकर शहनाज गिल खुलकर बोली हैं। जानिए, उन्होंने राघव को लेकर क्या कहा?

शहनाज गिल ने राघव को बताया अपना सहारा

हाल ही में शहनाज गिल ने अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई बातें साझा की हैं। इस दौरान जब उनसे राघव जुयाल को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'वो मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। मुंबई में मेरा एक ही सहारा है, वो है राघव। वह मुंबई में मेरे लिए मम्मी-पापा की तरह है।

अगर मुझे कुछ हो जाता है तो वो ही मुझे हॉस्पिटल लेकर जाएगा।' शहनाज आगे कहती हैं, 'राघव ने ही मुझे एक्टिंग लाइन में आगे जाने के लिए मोटिवेट किया। वैसे आप देख लेना राघव जुयाल एक दिन शाहरुख खान बनेगा।'

राघव ने भी रखा था अपना पक्ष

बीते दिनों राघव जुयाल ने भी शहनाज के बारे में बहुत कुछ कहा था। वह कहते हैं, 'देखिए पर्सनल लाइफ की चर्चा तो होगी। हम शोबिज में हैं। हम लोग फेमस हैं। आगे भी ऐसी बातें होंगी। लेकिन हम सब दोस्त हैं। शहनाज भी मेरी दोस्त है। मैं उसका बहुत अच्छा दोस्त हूं। वह मेरे लिए परिवार जैसी है। मैं अपने दोस्तों और परिवार की हमेशा हिफाजत करता हूं और हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। यह तो तय है।'

कब उड़ी थी डेटिंग की अफवाहें

राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था। हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

जया प्रदा ने 'दे दे प्यार दे' गाने की शूटिंग से पहले का एक्सपीरियंस किया शेयर

80 के दशक में बॉलीवुड एक्ट्रेस जया प्रदा ने अपनी मासूमियत और क्लासिक अंदाज से करोड़ों दिलों पर राज किया। 'सरगम', 'कोहराम', 'शराबी' जैसी फिल्मों में उनके किरदार आज भी लोगों को याद हैं, लेकिन जया सिर्फ एक्टिंग के लिए ही नहीं, अपने डांस के लिए भी जानी जाती हैं।

उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने किए, लेकिन 'शराबी' फिल्म का गाना 'दे दे प्यार दे' उनके करियर के सबसे आइकॉनिक गानों में से एक है। इस गाने में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी केमिस्ट्री और उनके ग्लैमरस अंदाज को आज भी लोग कॉपी करते हैं। 1984 में रिलीज हुआ गाना 'दे दे प्यार दे' आज भी हर पार्टी और शादी में बजता है, लेकिन पर्दे पर जो चीज इतनी आसान दिखती है, उसके पीछे कितनी मेहनत और टेंशन होती है, यह बात खुद जया प्रदा ने डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर' में बताई। वह शो में बतौर गेस्ट पहुंची थीं। शो के दौरान जब गाने की बात छिड़ी तो जया ने एक ऐसा किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया।

उन्होंने बताया कि इस गाने को शूट करने से ठीक पहले वाली रात वह बिल्कुल सो नहीं पाई थीं। इसकी वजह थी गाने के लिए मांगा गया उनका मॉडर्न लुक।

जया ने कहा, "इस गाने में मेरा मीना का किरदार मॉडर्न ड्रेस में दिखता है। उस रात मुझे फिल्म के डायरेक्टर प्रकाश मेहरा ने कहा था कि आपको इस सीक्वेंस में मॉडर्न ड्रेस में रहना होगा।"

जया उस समय तक ज्यादातर साड़ी और ट्रेडिशनल इंडियन कपड़ों में ही नजर आती थीं। उनकी इमेज एक ट्रेडिशनल हीरोइन की थी। ऐसे में जब डायरेक्टर ने कहा कि इस गाने में उन्हें बिल्कुल अलग, ग्लैमरस और मॉडर्न दिखना है तो वह घबरा गईं और इसे एक बड़े चैलेंज के तौर पर ले लिया।

एक्ट्रेस ने बताया कि इसी टेंशन की वजह से वो पूरी रात सो नहीं पाईं। जया ने कहा, "मैं रातभर टेंशन में थी कि मैं ग्लैमरस कैसी लगूंगी, क्योंकि इंडियन ड्रेस का मुझे पता था, लेकिन मॉडर्न ड्रेस में इतना परफॉर्म करना मेरे लिए उस वक्त चुनौतीपूर्ण था। मुझे डर था कि कहीं मॉडर्न आउटफिट में अगर फिट नहीं आई, तो मेरा परफॉर्मेंस कमजोर पड़ जाएगा। एक तरफ गाने का बीट बहुत तेज और एनर्जेटिक थी, दूसरी तरफ मुझे अमिताभ बच्चन जैसे बड़े स्टार के साथ स्क्रीन शेयर करना था।" जया ने बताया, "मैं रातभर सोचती रही। फिर फाइनली शूटिंग का दिन आया। इस गाने में अमिताभ बच्चन का किरदार मुझे रातभर ढूंढता है। बिग बी ने फिल्म में एक शराबी का किरदार निभाया, जो नशे में अपनी पत्नी मीना को रातभर ढूंढता है।

चोट से उबरने के बाद फिर जिम में वापस लौटीं एक्ट्रेस रकुल प्रीत

एक्ट्रेस रकुल प्रीत एक बार फिर से जिम में वापस आ गई हैं, और खुद को एक नए रूप में ढाल रही हैं। एक्ट्रेस ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम पर अपने जिम सेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं। चोट से उबरने के बाद एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने जिम में प्रवेश किया और बताया कि इस चोट ने उन्हें सिखाया कि ठीक होने में समय लगता है और इसमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा, जिसमें उन्होंने चोट के बाद की स्थिति पर विचार व्यक्त किया और बताया कि वह एक नई शुरुआत की ओर देख रही हैं।

उन्होंने लिखा, हर सफर में एक ऐसा अध्याय होता है जिसके लिए कोई प्लान नहीं करता है। मेरे साथ ऐसा ही एक अध्याय हुआ, एक चोट के रूप में। एक पल में हर दिन मजबूत होने पर ध्यान केंद्रित कर रही थी, और अगले ही पल मुझे पूरी तरह से रुकना पड़ा। सिर्फ दर्द ही मुश्किल नहीं था, बल्कि उस खामोशी से भी जूझना पड़ा जो मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा बन चुकी चीज से दूर होने पर आई थी।

जिम सिर्फ एक ऐसी जगह नहीं थी, जहां मैंने खुद को ट्रेंड किया, बल्कि यह वह जगह थी, जहां मैंने अनुशासन सीखा, अपने दिमाग को शांत किया और हर दिन खुद को याद दिलाया कि विकास निरंतरता से ही होता है। सबसे मुश्किल बात मेरी प्रगति का रुकना नहीं था। सबसे मुश्किल यह स्वीकार करना था कि ठीक होने में जल्दबाजी नहीं की जा सकती। हर दिन में वापस

जाना चाहती थी, लेकिन मेरा शरीर मुझे याद दिलाता रहा कि ठीक होने की अपनी एक समयसीमा होती है। निराशा के पल भी आए, संदेह के पल भी आए और ऐसे पल भी आए जब मैंने सोचा कि मैं कितना कुछ खो दूंगी, लेकिन धीरे-धीरे मुझे एहसास हुआ कि कभी-कभी जीवन आपको रोकना नहीं चाहता। कभी-कभी यह आपको एक अलग नजरिए के साथ वापस आने के लिए तैयार कर रहा होता है। अभिनेत्री ने बताया कि हेल्थ रिकवरी ने उन्हें ऐसे सबक सिखाए जो कोई भी व्यायाम कभी नहीं सिखा सकता था। इसने उन्हें परिणाम पाने के लिए धैर्य रखना सिखाया।

इसने मुझे उन पलों के लिए कृतज्ञता का भाव सिखाया, जिन्हें मैं पहले हल्के में लेती थी। इसने मुझे याद दिलाया कि ताकत हमेशा दिखावटी नहीं होती। कभी-कभी ताकत तब होती है जब मन और ज्यादा मेहनत करने को कहता है और आप आराम करने का चुनाव करते हैं। कभी-कभी ताकत तब होती है जब आप खुद पर भरोसा रखते हैं, भले ही आपको तुरंत कोई प्रगति नजर न आए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैंने खोई हुई चीजों पर ध्यान देना बंद कर दिया और जो कुछ मेरे पास बचा था, उसकी सराहना करने लगी। मेरा लक्ष्य फिर से स्वस्थ होना, जोकि हो गया। हर छोटा सुधार एक जीत बन गया।

उन्होंने आगे कहा, हर छोटा-सा कदम मुझे याद दिलाता रहा कि प्रगति कभी भी पूरी तरह खत्म नहीं होती। जीवन के अलग-अलग पड़ावों में इसका रूप बदल जाता है। आज जिम में वापस आना एक लंबी यात्रा के बाद घर लौटने जैसा लगता है। सब कुछ जाना-पहचाना सा लगता है, फिर भी मैं जानती हूं कि मैं वो इंसान नहीं हूं, जो डेढ़ साल पहले जिम से निकली थी।

शानदार एक्टिंग, सादगी और दमदार किरदारों के दम पर साउथ और बॉलीवुड में भी छोड़ी अपनी छाप

टीवी की दुनिया से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री आकांक्षा सिंह आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी शानदार एक्टिंग, सादगी और दमदार किरदारों के दम पर उन्होंने हिंदी टीवी के साथ-साथ साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में भी अपनी अलग जगह बनाई है। 30 जुलाई, 1990 को राजस्थान के जयपुर में जन्मी आकांक्षा सिंह का बचपन कला और रंगमंच से जुड़ा रहा। उनकी मां थिएटर आर्टिस्ट थीं, जिसका असर आकांक्षा की जिंदगी पर भी पड़ा। एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले उन्होंने फिजियोथेरेपी की पढ़ाई की, लेकिन उनका झुकाव हमेशा अभिनय की तरफ रहा। उन्होंने थिएटर से अपने सफर की शुरुआत की और धीरे-धीरे मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनानी शुरू की। आकांक्षा सिंह को घर-घर में पहचान मिली साल 2012 में आए टीवी शो 'ना बोले तुम ना मैंने कुछ कहा' से। इस शो में उन्होंने मेघा व्यास भटनागर का किरदार निभाया था। एक विधवा मां के भावनात्मक और मजबूत किरदार को उन्होंने इतनी खूबसूरती से निभाया कि दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली। इस भूमिका के लिए उन्हें इंडियन टेली अवॉर्ड्स में फ्रेश न्यू फेस फीमेल का सम्मान भी मिला।

इसके बाद आकांक्षा ने कई अलग-अलग तरह के किरदारों में खुद को साबित किया। उन्होंने टीवी शो 'गुलमोहर ग्रैंड' में भी काम किया। छोटे पर्दे पर सफलता हासिल करने के बाद उन्होंने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया।

साल 2017 आकांक्षा सिंह के करियर के लिए खास रहा। उन्होंने बॉलीवुड फिल्म 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने तेलुगु फिल्म 'मल्ली रावा' से साउथ सिनेमा में भी शुरुआत की। इस फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली और उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड्स में बेस्ट फीमेल डेब्यू (तेलुगु) के लिए नामांकन भी मिला।

इसके बाद आकांक्षा ने तेलुगु फिल्म 'देवदास' में काम किया, जिसमें उनके अभिनय को दर्शकों ने पसंद किया। वहीं, कन्नड़ फिल्म 'पैलवान' में उन्होंने साउथ के सुपरस्टार किच्चा सुदीप के साथ स्क्रीन शेयर की।

साल 2022 में रिलीज हुई अजय देवगन स्टारर फिल्म 'रनवे 34' में आकांक्षा सिंह ने अहम भूमिका निभाई। इस फिल्म के जरिए उन्होंने हिंदी फिल्मों में अपनी मौजूदगी और मजबूत की। इसके अलावा, वह वेब सीरीज की दुनिया में भी सक्रिय रहीं और 'रंगबाजः डर की राजनीति' और 'मीट क्यूट' जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनीं।

आकांक्षा सिंह ने अपने करियर में सिर्फ एक तरह के किरदारों तक खुद को सीमित नहीं रखा। टीवी की भावुक बेटी और मां से लेकर फिल्मों में अलग-अलग भूमिकाओं तक, उन्होंने हर किरदार को पूरी मेहनत और ईमानदारी से निभाया है।

सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं, असर छोड़ने वाले किरदार निभाना चाहती हूं : बरखा सिंह

मुंबई बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरुआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, लेकिन पिछले तीन सालों में उन्होंने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। क्रिमिनल जस्टिस और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में साबित किया है। बरखा का मानना है कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों पर गहरी छाप भी छोड़ें।

टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में वह पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी के दमदार किरदार में नजर आएंगी। अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं।

बरखा सिंह ने कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में IRS अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं। मुझे ऐसे किरदार पसंद हैं जिनकी अपनी मजबूत आवाज़ हो, जो आज के दौर की जटिलताओं को दिखाएं और दर्शकों को कुछ सोचने पर मजबूर करें।

अपनी विशलिस्ट के फिल्ममेकर्स का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, अगर मेरी विशलिस्ट की बात करूं तो लापता लेडीज़ के बाद मैं किरण राव के साथ काम करना चाहूंगी। इसके अलावा राख जैसी शानदार स्टोरीटेलिंग के लिए प्रोसित रॉय और पाताल लोक में बेहतरीन काम करने वाले अविनाश अरुण के साथ काम करना भी मेरा सपना है। इन तीनों की कहानी कहने की शैली बेहद अलग और प्रेरणादायक है।

बरखा सिंह जल्द ही टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में एक बिल्कुल नए और दमदार अंदाज़ में IRS अधिकारी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। दिलचस्प प्रोजेक्ट्स और स्पष्ट रचनात्मक सोच के साथ बरखा लगातार ऐसे किरदार चुन रही हैं जो न सिर्फ उनकी अभिनय क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ें।

कंगना के 'गटर जनरेशन' वाले बयान पर भड़के सोनू सूद

बोले- यह बहुत शर्मनाक, सोच-समझकर बोलना चाहिए ; युवाओं से ही हम सितारे बनते हैं

अभिनेता सोनू सूद ने देश छात्र प्रदर्शनों में शामिल युवाओं पर कंगना रनोट की टिप्पणी की आलोचना की है। हाल ही में कंगना ने प्रदर्शनकारी जेन-जी छात्रों को 'जनरेशन गटर' कहा था। इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सोनू सूद ने कहा कि अगर कंगना ने ऐसा कहा है तो यह बहुत शर्मनाक है।

सोनू ने कहा कि यही युवा कलाकारों को स्टार बनाते हैं और ऊंचाई तक पहुंचाते हैं। उन्होंने मशहूर हस्तियों को सोच-समझकर बोलने की सलाह दी और जनता को भगवान का रूप बताया।

कहा- सोच समझकर कर बोलना चाहिए

मीडिया से बातचीत के दौरान सोनू सूद ने कहा कि उन्होंने कंगना का पूरा बयान नहीं सुना है, लेकिन इस तरह की बयानबाजी से बचना चाहिए। सोनू ने कहा, ये युवा ही हैं जो कलाकारों को बनाते हैं और आपको इस मुकाम तक पहुंचने में मदद करते हैं। जब तक वे आपके साथ खड़े हैं, आप आगे बढ़ते रहेंगे।

अगर वे साथ नहीं हैं तो काम मुश्किल हो जाता है। इसलिए हर किसी को साथ लेकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक कहावत है 'तोल-मोल के बोल', यानी बोलने से पहले अच्छे से सोच लेना चाहिए क्योंकि जनता भगवान का दूसरा रूप होती है।

कंगना ने युवाओं को बताया था 'जनरेशन गटर'

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब बीजेपी सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनोट ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई पोस्ट शेयर किए। इनमें उन्होंने सीजेपी (CJP) विरोध प्रदर्शनों में शामिल युवाओं पर निशाना साधा था। कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को 'जनरेशन गटर' कहते हुए आरोप लगाया था कि ये लोग शराब और नशे का महिमामंडन करते हैं और पैसों के लिए अपने माता-पिता पर निर्भर रहते हैं। कंगना ने कहा था कि असली आजादी मेहनत से मिलती है, बिना कुछ कमाए आजादी की मांग करना गलत है।

रूमर्ड बॉयफ्रेंड संग मालदीव में छुट्टियां मना रहीं निया शर्मा? शेयर कीं तस्वीरें

निया शर्मा मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। अभिनेत्री मायानगरी की भागदौड़ से दूर वहां सुकून भरे पल बिता रही हैं। इसकी झलक उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फैंस के साथ साझा की हैं। उन्होंने अपनी कुछ स्टाइलिश फोटोज पोस्ट की हैं। मगर, तस्वीरें देखने के बाद यूजर्स उनसे सवाल कर रहे हैं।

तस्वीरों में निया के साथ कौन है शख्स?

निया शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मालदीव वेकेशंस की खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। मगर, इन तस्वीरों के बाद उनकी निजी जिंदगी पर चर्चा शुरू हो गई है। फैंस को कुछ ऐसा दिखा, जिसके बाद निया से सवाल किए जा रहे हैं। दरअसल, साझा की गईं फोटोज में निया के साथ एक शख्स नजर आ रहा है।

फैंस ने पूछा कौन है साथ?

तस्वीरों में निया समुद्र और प्राकृतिक हरे-भरे नजारों के बीच फोटोशूट कराती दिख रही हैं। उन्होंने वहां साइकिलिंग की। वहीं, कुछ फोटोज में उनके साथ एक शख्स नजर आ रहा है। इस पर लोगों की नजर ठहर गई हैं और निया से सवाल पूछा जा रहा है, 'आखिर साथ में यह लड़का कौन है'?

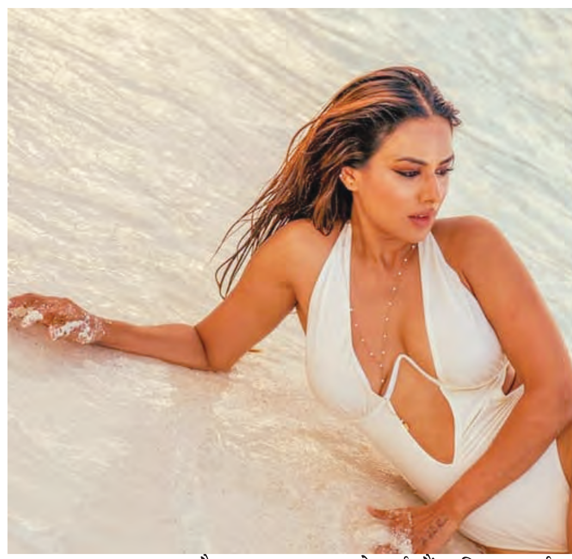

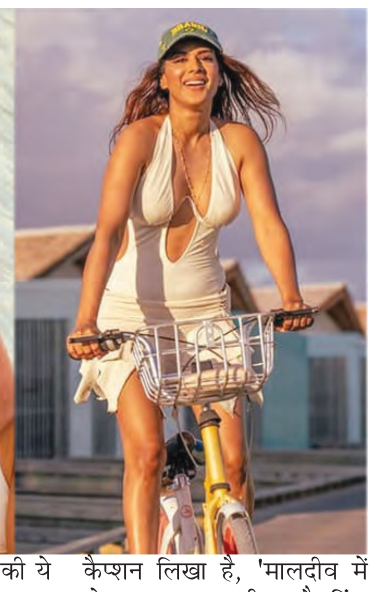

निया के अफेयर को लेकर लगी अटकलें!

वहीं, कुछ नेटिजंस कयास लगा रहे हैं कि क्या ये निया शर्मा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड सिकंदर सिंह हैं। अभिनेत्री उन्हीं के साथ मालदीव घूमने गई हैं? निया शर्मा की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। निया शर्मा और सिकंदर के लिंकअप की अफवाहों को लेकर यूं ही काफी कयास लगाए जा रहे थे, हालिया तस्वीरों ने इन अफवाहों को और हवा दे दी है।

फैंस ने पूछा- 'डेटिंग रूमर्स सच थीं'?

पोस्ट के साथ निया शर्मा ने कैप्शन लिखा है, 'मालदीव में गोल्डन आवर का पीछा और पिंक बग्गी की सवारी। यहां बहुत अच्छी मेहमाननवाजी हुई। रेत पर मेरे खुश रहने के निशान छूटे हैं। वहीं, यूजर्स निया से मजेदार सवाल कर रहे हैं। एक यूजर ने पूछा, 'तो क्या आपने सॉफ्ट लॉन्च कर दिया'? वहीं, कुछ लिख रहे हैं, 'आपको इतना खुश देखकर हमें बहुत खुशी हो रही है'।

क्या इश्क में डूबे शाहरुख खान के बड़े नवाब? किसके साथ नजर आए आर्यन खान

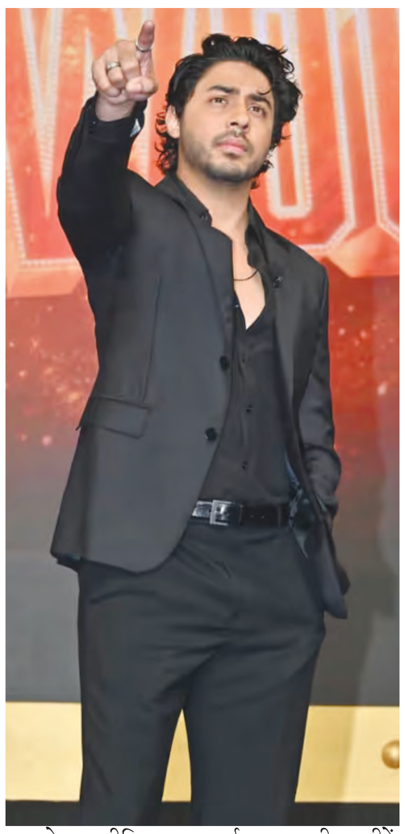

सोशल मीडिया पर आर्यन खान की तस्वीरें, वीडियो वायरल हैं, जिसमें वह लंदन कैसिनो में समय गुजारते नजर आए। इस वीडियो में उनके साथ एक लड़की भी नजर आ रही हैं।

इस वीडियो के वायरल होने के बाद से ही फैंस ने अटकलें लगाई कि आर्यन खान और इस लड़की के बीच कोई तो खिचड़ी पक रही है। देखें वो वायरल वीडियो और जानिए कि कौन है आर्यन खान की जिंदगी में आई मिस्ट्री वुमन।

इस लड़की के साथ नजर आए आर्यन खान

वायरल वीडियो में आर्यन खान काले रंग की टी-शर्ट और ट्राउजर पहने थे। स्नीकर्स के साथ अपने लुक को पूरा किया था। वह जब कैसिनो से बाहर निकलते हैं तो कार में साथ जाकर बैठ जाते हैं। आर्यन खान के साथ बैठी लड़की को सोशल मीडिया यूजर्स ने विनी टकायर के तौर पर पहचाना। पेशे से वह एक आर्टिस्ट हैं।

इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे करते हैं फॉलो

फैंस ने वायरल वीडियो के बाद देखा कि आर्यन खान और विनी टकायर एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर भी फॉलो करते हैं। ऐसा लगता है कि यह दोनों पहले से ही एक-दूसरे को जानते हैं। विनी टकायर सोशल मीडिया पर काफी स्टाइलिश तस्वीरें साझा करती हैं।

आर्यन खान करियर फ्रंट पर क्या कर रहे हैं?

आर्यन खान ने पिता शाहरुख की तरह एक्टिंग की दुनिया में कदम नहीं रखा, उन्होंने अपने करियर की शुरुआत निर्देशक के तौर पर की। पिछले साल बतौर निर्देशक उनकी डेब्यू सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' रिलीज हुई। इसमें शाहरुख खान ने भी कैमियो किया था। आगे भी वह फिल्में बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं।

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना बनीं मां : शादी के 4 साल बाद गुरु पूर्णिमा पर बेटे को जन्म दिया

अभिनेत्री करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा माता-पिता बन गए हैं। 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के दिन करिश्मा ने बेटे को जन्म दिया है। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपने नवजात शिशु के पैर की मोनोक्रोम फोटो शेयर करके यह जानकारी दी। करिश्मा और वरुण ने अपने संयुक्त बयान में इस बच्चे को जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद बताया है। इस जानकारी के सामने आने के बाद फिल्म और टीवी इंडस्ट्री के सितारों के साथ फैंस भी इस कपल को शुभकामनाएं दे रहे हैं।

करिश्मा और वरुण ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक संयुक्त पोस्ट में बच्चे के आगमन का ऐलान किया। शेयर की गई फोटो में बच्चे के पैर में एक टैग लगा नजर आ रहा है, जिस पर लिखा है 'ही इज हियर' (वह आ गया है)। फोटो के साथ पोस्ट में लिखा था, यह एक लड़का है! करिश्मा और वरुण। हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद, 29 जुलाई 2026। इसके साथ ही कैप्शन में करिश्मा ने लिखा, गुरु पूर्णिमा के पवित्र दिन जन्म हुआ... हमारा सबसे बड़ा आशीर्वाद यहां है। हमारी दुनिया में स्वागत है छोटे बच्चे।

स्मृति ईरानी और सोनू सूद समेत कई सितारों ने दी बधाई

सोशल मीडिया पर करिश्मा और वरुण की इस पोस्ट के बाद बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभिनेत्री स्मृति ईरानी ने कमेंट में लिखा, हार्दिक बधाई, भगवान भला करे। वहीं एक्टर सोनू सूद, खुशी कपूर, वामिका गब्बी, नेहा धूपिया, सोनल चौहान और कॉमेडियन कीकू शारदा ने भी कपल को कमेंट करके शुभकामनाएं दीं। फैंस भी लगातार इस पोस्ट पर रिएक्ट कर रहे हैं। फिल्म 'संजू' (2018) के अलावा उन्होंने 2023 में हंसल मेहता की नेटफ्लिक्स सीरीज 'स्कूप' में पत्रकार जागृति पाठक का मुख्य किरदार निभाया था, जिसके लिए उन्हें काफी सराहना मिली थी।

कीर्ति कुल्हारी हुईं साइबर फ्रॉड का शिकार, लाखों की ठगी के बाद पुलिस में दर्ज करवाई शिकायत

अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी के साथ साइबर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अज्ञात अपराधियों ने उनके मोबाइल फोन और क्रेडिट कार्ड का अनधिकृत एक्सेस हासिल कर महज कुछ ही मिनटों में 2,43,852 रुपए का फ्रॉड किया है। अभिनेत्री की शिकायत पर अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अभिनेत्री ने फ्रॉड का पता चलते ही ब्लॉक करवा दिया क्रेडिट कार्ड

मामले में कीर्ति ने एफआईआर दर्ज करवाई है। एफआईआर में बताया गया है कि कीर्ति के साथ साइबर ठगी रात के समय लगभग 9:31 बजे हुई थी। उस समय वह अंधेरी पश्चिम में फन रिपब्लिक मॉल के पास स्थित सिनेपोलिस थिएटर में थीं। इसी दौरान उनके मोबाइल नंबर पर बैंक के क्रेडिट कार्ड से एयरोमेक्सिको एयरलाइन पर 2,525 अमेरिकी डॉलर खर्च होने का अलर्ट मैसेज मिला।

अनजान और संदिग्ध विदेशी लेनदेन का मैसेज देखते ही अभिनेत्री ने बिना समय गंवाए बैंक के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया। बैंक अधिकारियों ने जांच के बाद बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति के चार अलग-अलग बड़े ट्रांजैक्शन किए गए हैं, जिसके बाद सुरक्षा के तौर पर तुरंत कार्ड ब्लॉक कर दिया गया।

अभिनेत्री का क्रेडिट कार्ड हैक किया गया था

अभिनेत्री ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उनके क्रेडिट कार्ड का पासवर्ड पूरी तरह गोपनीय था, जिसे उन्होंने किसी के साथ साझा नहीं किया था। आशंका जताई जा रही है कि किसी डिजिटल मालवेयर या स्पाईवेयर के जरिए उनका फोन और कार्ड हैक किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अंबोली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साइबर सेल की टीम बैंक रेफरेंस नंबरों और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

इन फिल्मों के कारण चर्चा में रहीं कीर्ति कुल्हारी

कीर्ति कुल्हारी के करियर फ्रंट की बात करें तो उन्होंने 'पिंक', 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक', 'इंदु सरकार', 'मिशन मंगल' और 'क्रिमिनल जस्टिस' जैसी हिट फिल्मों में जबरदस्त अभिनय किया है। हाल ही में वह एक सीरीज 'शेखर होम' में नजर आई थीं।

'भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती', सीरत कपूर ने बताया दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बदली उनकी सोच

अभिनेत्री सीरत कपूर ने अपनी अभिनय यात्रा में दक्षिण भारतीय सिनेमा के योगदान को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने उन्हें किरदारों को ज्यादा गहराई से समझना सिखाया है।

जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर उतारने का तरीका बेहतर तरीके से सीखता है। सीरत कपूर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, "दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। \

अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती।" अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, "किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए। लोकप्रियता और चर्चा कुछ समय के लिए हो सकती है, लेकिन अच्छे काम से मिलने वाला सम्मान लंबे समय तक बना रहता है।"

सीरत कपूर जल्द ही फिल्म 'जटस्या मरणम ध्रुवम' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज अभिनेता जेडी चक्रवर्ती भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म अगले महीने पांच भाषाओं में रिलीज होने वाली है।

हाल ही में सीरत ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए एक मुश्किल अनुभव को भी साझा किया था। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। उस सीन के लिए उन्होंने चूड़ियां पहनी थीं, लेकिन शूट पूरा होने के बाद हाथों में सूजन आने की वजह से उन्हें निकालना मुश्किल हो गया था।

अपने इस अनुभव को याद करते हुए सीरत ने कहा, मुझे याद है जब हम फिल्म के आखिरी क्लाइमेक्स सीन की शूटिंग कर रहे थे।

मैंने उस सीन के लिए चूड़ियां पहनी थीं और शूट पूरा होने के बाद सूजे हुए हाथों की वजह से हम उन्हें निकाल नहीं पाए। टीम की मदद से जैसे-तैसे चूड़ियां निकाली गईं।

एक्ट्रेस से अब प्रेजेंटर बनीं सोनाली बेंद्रे

फिल्म 'सोलह' से शुरू किया सिनेमा का नया सफर

बॉलीवुड में कई सालों तक अपनी खूबसूरती और दमदार एक्टिंग से दिल जीतने वाली सोनाली बेंद्रे अब एक नए रोल में नजर आएंगी। दरअसल, वह अब अभिनय के साथ-साथ अच्छी कहानियों को आगे बढ़ाने का काम भी करना चाहती हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने फिल्म 'सोलह' के साथ प्रेजेंटर के तौर पर अपना सफर शुरू किया है। बता दें कि प्रेजेंटर का मतलब होता है वो शख्स जो किसी फिल्म को दर्शकों तक पहुंचाने में मदद करे। वो फिल्म का चेहरा बनता है और लोगों को बताता है कि ये कहानी क्यों जरूरी है। सोनाली अपने इस रोल को लेकर काफी उत्साहित हैं।

सोनाली बेंद्रे ने बताया कि 'सोलह' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं है। ये उनके जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत है। उन्हें हमेशा से ऐसी कहानियां पसंद रही हैं जो फिल्म खत्म होने के बाद भी आपके साथ रहें। ऐसी कहानियां जो आपको एक जगह बैठकर सोचने पर मजबूर कर दें। 'सोलह' में ये सब है, इसलिए जब उन्होंने पहली बार इस फिल्म की कहानी सुनी तो वो तुरंत उससे जुड़ गईं। सोनाली ने कहा, "फिल्म को प्रेजेंट करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है क्योंकि यह मेरे लिए एक नए सफर की शुरुआत है। मैंने हमेशा ऐसी कहानियों को चुना है जो खत्म होने के बाद भी आपके दिल और दिमाग में रह जाती हैं। जो आपको थोड़ी देर के लिए रुककर सोचने पर मजबूर करती हैं। आपको जिंदगी को थोड़ा अलग तरीके से देखने में मदद करती हैं। 'सोलह' ने मेरे साथ बिल्कुल यही किया। इसे सुनने के बाद मैं काफी देर तक शांत रही और सोचती रही।"

सोनाली ने बताया कि आखिर उन्हें 'सोलह' की कहानी इतनी क्यों पसंद आई। उन्होंने कहा, "जब मैंने पहली बार कहानी सुनी तो वो सीधे मेरे दिल से जा लगी। असल में ये फिल्म उम्मीद की कहानी है। ये हिम्मत की कहानी है और सबसे जरूरी बात ये आम लोगों के अंदर छिपी उस शांत ताकत की कहानी है, जिसके बारे में हम रोजमर्रा की जिंदगी में बात नहीं करते। पिछले कुछ सालों में मैंने जिंदगी को बहुत करीब से देखा है। बीमारी, संघर्ष और फिर उससे उबरना। इन सबके बाद मैंने उम्मीद और हिम्मत की कीमत और भी ज्यादा समझी है। इसलिए मुझे लगता है कि अपने इस नए सफर की शुरुआत के लिए 'सोलह' सबसे सही फिल्म है।"

सोनाली ने कहा, "अब जब मैं एक प्रेजेंटर के तौर पर ये सफर शुरू कर रही हूं, तो मेरी सबसे बड़ी इच्छा यही है कि मैं ऐसी फिल्मों को सपोर्ट करूं जो लोगों के दिल को छूएं, जो लोगों को इमोशनली हिला दें। साथ ही मैं चाहती हूं कि दर्शकों को ऐसे नए कहानीकार मिलें, ऐसे नए डायरेक्टर मिलें, जिनकी आवाज अब तक लोगों तक नहीं पहुंची है, लेकिन उनकी कहानियां सुनने लायक हैं। मुझे लगता है कि 'सोलह' से बेहतर शुरुआत मेरे लिए और कुछ नहीं हो सकती थी। मुझे उम्मीद है कि जब लोग सिनेमाघर से बाहर निकलेंगे, तो उन्हें भी ठीक वैसा ही महसूस होगा जैसा मुझे हुआ था।"

'सोलह' को रोज मूवीज और कैरीऑन पिक्चर्स ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। फिल्म 16 अक्टूबर को पूरे देश में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

215 कुलपतियों-शिक्षाविदों ने प्रियंका गांधी को चिट्ठी लिखी

कहा– मतभेद सही, लेकिन मजाक उड़ाना विकल्प नहीं, प्रो. कामकोटि को गोमूत्र विशेषज्ञ कहा था

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर के 215 वर्तमान और पूर्व कुलपतियों और शिक्षाविदों ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को खुला पत्र लिखा है। इसमें प्रोफेसर वी. कामकोटि के खिलाफ उनकी टिप्पणी पर आपत्ति जताई है।

पत्र में कहा गया है कि किसी शिक्षाविद् पर सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करते समय तथ्यों और गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।

पत्र पर साइन करने वालों ने कहा कि प्रो. वी कामकोटि का एकेडमिक करियर और एजुकेशन में लंबा योगदान रहा है। उनके कार्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

प्रियंका गांधी ने लोकसभा में 28 जुलाई को संसद में स्पीच दी थी– फाइल फोटो

चिट्ठी में लिखी 5 बड़ी बातें

भारत की संसद हमेशा से ऐसा मंच मानी गई है, जहां विचारों पर बहस होती है, असहमतियां गरिमा के साथ व्यक्त की जाती हैं। किसी व्यक्ति का मूल्यांकन उसके तर्कों की मजबूती के आधार पर किया जाता है, न कि उसका उपहास उड़ाकर।

हमें आपके उस बयान पर निराशा है, जिसमें आपने आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटि को गौमूत्र विशेषज्ञ कहा। चाहे यह टिप्पणी व्यंग्य के रूप में की गई हो या राजनीतिक बयानबाजी के तहत। इससे कहीं व्यापक प्रभाव पड़ता है।

कामकोटि भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में से एक के प्रमुख हैं। हर शिक्षाविद की तरह उन्हें भी परिकल्पनाएं रखने, पारंपरिक ज्ञान पर चर्चा करने और वैज्ञानिक संवाद में भाग लेने का अधिकार है। किसी विद्वान के विचारों के सार पर चर्चा करने के बजाय उसे किसी लेबल से खारिज कर देना, उस वैज्ञानिक दृष्टिकोण को कमजोर कर सकता है।

इतिहास बताता है कि अनेक ऐसे विचार, जिन्हें कभी असंभव या अविश्वसनीय माना गया था, बाद में वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हुए। कई व्यापक रूप से स्वीकार किए गए। विश्वास समय के साथ गलत साबित हुए और त्याग दिए गए।

इतनी ही चिंता की बात यह भी है कि ऐसी टिप्पणियां भारत के शैक्षणिक और शोध समुदाय को क्या संदेश देती हैं। उनके तर्कों की आलोचना कीजिए, उनके साक्ष्यों को चुनौती दीजिए, प्रमाणों के हाई स्टैंडर्ड की मांग कीजिए, लेकिन उनकी विद्वत्ता और शोध को कमतर मत आंकिए।

प्रियंका ने कहा था- नई कमेटी में गोमूत्र विशेषज्ञ, इन्हें शिक्षा के बारे में क्या पता

प्रियंका गांधी 28 जुलाई को लोकसभा में एंटी पेपर लीक बिल पर चर्चा में शामिल हुईं थीं। वायनाड से सांसद प्रियंका ने अपनी स्पीच के दौरान कहा था- पीएम मोदी को अपने सलाहकार बदलने चाहिए, नई-नई कमेटी बनाने से कुछ नहीं होगा। अभी बनी नई कमेटी में तो एक गोमूत्र विशेषज्ञ भी हैं। इन्हें शिक्षा व्यवस्था के बारे में क्या पता।

मौत के 17 घंटे बाद उठी 65 साल की महिला

दामाद के पैर छूते ही बोली– मैं जिंदा हूं, अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही थी

आगरा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा में मौत के करीब 17 घंटे बाद 65 साल की महिला जिंदा हो गईं। उसने अचानक से दामाद का हाथ पकड़ लिया।

कहा- "मैं जिंदा हूं। कहां ले जा रहे।" यह सुनते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। परिवार वालों ने तुरंत उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

मामला जिला मुख्यालय से 8 किमी दूर ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र का है। दरअसल, महिला लीवर संबंधी बीमारी से पीड़ित थीं। बरेली के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। डॉक्टर ने बुधवार तड़के 3 बजे महिला को मृत घोषित कर दिया था।

देर शाम को शव घर लाया गया। रिश्तेदार और परिचित अंतिम दर्शन के लिए जुटे थे। इसी दौरान दामाद अंतिम प्रणाम करने पहुंचे। जैसे ही उन्होंने सास के पैर छुए, महिला के शरीर में हलचल हुई और वह जीवित हो गईं।

बाबूलाल मरांडी ने जेपीएससी–जेएसएससी विवाद पर सरकार को घेरा

सीआईडी जांच पर सवाल उठाए, कहा- पूरे मामले की सीबीआई से जांच होनी चाहिए

हजारीबाग, 30 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद जारी है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को हजारीबाग में प्रेस वार्ता कर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने और भर्ती गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच न कराने का आरोप लगाया। बाबूलाल मरांडी ने सीआईडी जांच को संदेहास्पद बताते हुए पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की।

भाजपा का छात्रों के आंदोलन को समर्थन

बाबूलाल मरांडी ने बताया कि रांची के मोराबादी स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के बाहर बड़ी संख्या में छात्र इन कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं। छात्र दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, भर्ती प्रक्रिया में सुधार और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी छात्रों के इस आंदोलन का पूर्ण समर्थन करती है।

उन्होंने दावा किया कि हाल ही में गिरफ्तार अभय तिवारी और उसके परिवार के कई सदस्यों को विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में नौकरी मिलने के मामले ने पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बाबूलाल मरांडी के अनुसार, इससे संकेत मिलता है कि भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं हुई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षाओं में 'सेटिंग' के जरिए अभ्यर्थियों को पटना, कोलकाता, रांची सहित अन्य स्थानों और नेपाल तक ले जाकर प्रश्नपत्र याद करवाए गए।

बाबूलाल मरांडी ने आगे कहा कि जांच के दौरान प्रश्नपत्रों के कई प्रश्नों का मिलान होने की बात सामने आई है, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। नेता प्रतिपक्ष ने जोर दिया कि मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा देने वाले हजारों युवाओं के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने मांग की कि जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़े सभी जिम्मेदार अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संबंधित सदस्यों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। बाबूलाल मरांडी ने पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराकर छात्रों को न्याय दिलाने और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

गोरखपुर जिला अस्पताल से लापता 10 साल की बच्ची का शव मिला

डायल–112 का सिपाही गिरफ्तार, दुष्कर्म की भी आशंका

गोरखपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गोरखपुर में जिला अस्पताल से लापता हुई 10 साल की बच्ची की हत्या कर फेंकी गई लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। इस घटना में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि डायल-112 में तैनात सिपाही अभिषेक यादव पर जिला अस्पताल से बच्ची को अगवा कर उसकी हत्या करने का आरोप है। पुलिस ने गाजीपुर निवासी आरोपी सिपाही को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मामला कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित जिला अस्पताल परिसर का है, जहां मंगलवार की रात 8:30 बजे के आस पास 10 वर्षीय दीपिका शर्मा, जिला अस्पताल में भर्ती अपनी बड़ी बहन के लिए खाना लेकर आई थी। आरोप है कि इसी दौरान बाइक सवार वर्दी धारी युवक उसके पास पहुंचा और उससे कुछ कहना चाहा लेकिन किशोरी अपनी बहन के पास चली गई। बताया जा रहा है कि पीछे-पीछे वह भी वहां पहुंच गया और खुद को पुलिस वाला बताते हुए कहा कि रात हो रही है। तुम्हें सुरक्षित तुम्हारे घर छोड़ देंगे। हालांकि बड़ी बहन ने इस बात के लिए उसे मना किया और कहा कि नहीं वह खुद चली जाएगी। उसके बाद भी वह लड़की के पीछे-पीछे आया और उससे कुछ बात की और 10:00 के आसपास बाइक पर बैठा कर ले गया। यह पूरा घटनाक्रम सीसीटीवी में कैद है।

जानकारी के अनुसार, आजमगढ़ के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले शर्मा जो मृतक बच्ची के पिता हैं। पिछले चार वर्षों से गोरखपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में परिवार के साथ रहते हैं। ई-रिक्शा चला कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनकी चार बेटियां हैं और पत्नी गर्भवती है। 27 जुलाई को उनकी बड़ी बेटी की तबीयत खराब होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे 10 साल की बच्ची अपनी बड़ी बहन के लिए खाना लेकर जिला अस्पताल पहुंची थी।

बहन को खाना खिलाने के बाद रात करीब नौ बजे वह घर के लिए निकली, लेकिन वापस नहीं पहुंची। काफी देर तक इंतजार के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर और आसपास उसकी तलाश की। रिश्तेदारों और परिचितों से जानकारी लेने के बाद भी जब बच्ची का पता नहीं चला तो पुलिस को सूचना दी गई। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कर बच्ची की तलाश शुरू की थी।

मऊ में पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर की पति की हत्या

मऊ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में जनपद मऊ के कोपागंज थाना क्षेत्र में 25 जुलाई को मिली एक अज्ञात युवक की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, जांच में सामने आया कि युवक की हत्या उसकी पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर की। सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और पूछताछ के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोपागंज थाना क्षेत्र के कसारा गांव के पास 25 जुलाई को एक सुनसान स्थान पर एक युवक का शव मिला था। सुबह बकरी चराने गए ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान और घटना की जांच शुरू की। जांच के दौरान मृतक की पहचान मोहम्मदाबाद गोहना थाना क्षेत्र के कुतुबपुर गांव निवासी 30 वर्षीय कुंजबिहारी के रूप में हुई।

पुलिस के अनुसार कुंजबिहारी की शादी करीब तीन वर्ष पहले मधुबन थाना क्षेत्र के महुई गांव निवासी 21 वर्षीय नेहा राजभर से हुई थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि विवाह से पहले ही नेहा का अपने गांव के एक युवक गुड्डू से प्रेम संबंध था। शादी के बाद भी दोनों के बीच संपर्क बना रहा। कुछ समय पति-पत्नी मुंबई और पुणे में भी रहे। इस दौरान गुड्डू भी उनके संपर्क में रहा।

पुलिस के मुताबिक, 25 जुलाई को नेहा ने कुंजबिहारी को मिलने के बहाने कोपागंज थाना क्षेत्र के कसारा गांव के पास बुलाया। वहां पहले से मौजूद गुड्डू से उसकी कहासुनी हुई, जो मारपीट में बदल गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय लोगों से पूछताछ की। जांच में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की।

जीएसटी की सबसे बड़ी टीम की रेड

कई प्रतिष्ठानों पर कागजात की जांच, 11 वाहनों से पहुंची टीम, मचा हड़कंप

कोडरमा, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा जिले में गुरुवार को जमशेदपुर से पहुंची डीजीजीआई (डायरेक्टर जनरल जीएसटी इंटेलिजेंस) की एक टीम ने कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर जांच अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह जीएसटी का सबसे बड़ा विंग है, जो पहली बार कोडरमा पहुंचा है। टीम के झुमरीतिलैया पहुंचते ही व्यापारिक जगत में हलचल तेज हो गई। जानकारी के अनुसार, टीम गुरुवार सुबह 11 वाहनों के काफिले के साथ जमशेदपुर से झुमरीतिलैया पहुंची। टीम जिले के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में दस्तावेजों और कारोबार से जुड़े अभिलेखों की जांच कर रही है।

केंद्रीय जीएसटी की एक टीम झुमरीतिलैया के प्रतिष्ठित मिठाई एवं नमकीन प्रतिष्ठान कन्हैया कन्फेक्शनर में जांच कर रही है। वहीं, दूसरी टीम सीएच स्कूल रोड स्थित मवेशी चारा और चावल के व्यवसायी कुणाल जैन तथा मनोज यादव के प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर रही है। जानकारी मिली है कि कन्हैया कन्फेक्शनर के प्रोपराइटर विकास सेठ फरार हैं, जिनकी तलाश जमशेदपुर से आई टीमें कर रही हैं। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई बिल और कर चोरी से जुड़ी है। हालांकि, विभाग की ओर से अब तक कार्रवाई के संबंध में कोई आधिकारिक बयान या जांच के कारणों का खुलासा नहीं किया गया है। बताते चलें कि दो वर्ष पूर्व आयकर विभाग की टीम द्वारा कन्हैया कंफेक्शनर के यहां तीन दिनों तक लगातार छापेमारी की गई थी, जिसमें कई त्रुटियां पाए जाने की भी बातें सामने आई थी।

इधर, अचानक हुई कार्रवाई से कारोबारियों में चर्चा का माहौल व्याप्त है।

4 महीने पहले कहा था– जिंदगी भर साथ निभाऊंगा

घर से भागकर लव–मैरिज की, अब कानपुर में पत्नी की हत्या करके सुसाइड किया

कानपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में पति ने पत्नी की हत्या करके मंगलवार को सुसाइड कर लिया था। चार महीने पहले ही दोनों ने लव मैरिज की थी। अब दोनों का एक पुराना वीडियो सामने आया है। इसमें वे पुलिस और परिजनों के सामने पूरी जिंदगी साथ रहने का वादा कर रहे हैं।

दरअसल, सचेंडी इलाके में रहने वाले सौरभ (23) और रानी (20) ने घर से भागकर शादी की थी। रानी के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। मामला पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद थाने में दोनों परिवारों की पंचायत हुई। इसमें सौरभ ने रानी का पूरी जिंदगी ध्यान रखने का वादा किया।

रानी भी परिवार के साथ जाने को तैयार नहीं थी। वह सबकुछ छोड़कर सौरभ के साथ ही रहने पर अड़ी हुई थी। आखिरकार दोनों परिवार मान गए। शादी के बाद दोनों दिल्ली चले गए, लेकिन वहां गुजारा करना मुश्किल हो गया।

पांच दिन पहले दोनों कानपुर वापस लौटे। किराये का कमरा लेकर रहने लगे थे। मंगलवार को कमरे में दोनों के शव मिले।

अब पुलिस दोनों के पुराने मोबाइल और परिजनों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है। मामला बर्रा थाना क्षेत्र का है।

शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलने से सफलता अवश्य मिलती है : डा. मिश्र

स्वर्ण पदक विजेता को सम्मानित किया गया

जौनपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। उमानाथ सिंह विधि महाविद्यालय, फरीदपुर, महरूपुर, शंकरगंज बाजार में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आशुतोष मिश्र द्वारा महाविद्यालय में एल-एल०बी० की परीक्षा उत्तीर्ण कर स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद कुमार श्रीवास्तव को माल्यार्पण तथा उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर अपना अनुभव साझा करते हुए प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हमारी सफलता का श्रेय हमारे माता-पिता तथा हमारे शिक्षकों को जाता है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि अगर लक्ष्य निर्धारित कर कोई कार्य किया जाता है तो निश्चित रूप से सफलता मिलना तय है। अंत में उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को अपनी शुभकामनाएं देते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आशुतोष मिश्र ने बताया कि छात्र-छात्राओं के जीवन में उनके शिक्षकों का महत्वपूर्ण स्थान होता है, जो भी छात्र-छात्रा शिक्षकों के बताए हुए मार्ग का अनुसरण करता है वो निश्चित रूप से आगे ही बढ़ता है, इसको लेकर उन्होंने आचार्य चाणक्य और चन्द्रगुप्त मौर्य तथा गुरु द्रोणाचार्य और एकलव्य का उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि दोनों शिष्य अपने-अपने गुरुओं का अनुसरण किए और अपने-अपने क्षेत्र में पूर्णता प्राप्त किए।

कार्यक्रम का संचालन देवेश पाठक व अध्यक्षता- डॉ० सर्वेंद्र कुमार मिश्र ने किया, कार्यक्रम में डा० अच्छेलाल पाल, डा० साधना, डा० पूजा सिंह, नितेश कुमार बरनवाल, रमेश पाण्डेय, सुभाष पाल, श्रीमती प्रतिमा सिंह, राजन शुक्ल, अनुपम तिवारी, नरेन्द्र सिंह, प्रमोद कुमार, श्रीमती मुन्नी देवी सहित तमाम छात्र-छात्राएं भी उपस्थित रहे।

एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के घर ऑफिस, ससुराल में ईओयू की रेड

सासाराम से पटना तक छापेमारी, करोड़ों का फ्लैट, चांदी का मुकुट, ज्वेलरी–घड़ियां मिलीं

रोहतास, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सासाराम में पोस्टेड लघु जल संसाधन विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर के ठिकानों पर गुरुवार को आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने रेड की है। अरविंद कुमार चौधरी के सासाराम वाले घर, ऑफिस, बांका, पटना, मुजफ्फरपुर में छापेमारी चल रही है।

पटना में रेड के दौरान करोड़ों का फ्लैट, सोने-चांदी के गहने, जमीनों के पेपर्स और महंगी घड़ियां मिली हैं। फ्लैट के इंटीरियर पर इंजीनियर ने लाखों खर्च किए हैं।

अरविंद कुमार चौधरी के 6 ठिकानों पर रेड चल रही है। ये कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले में की गई है। ईओयू के मुताबिक इंजीनियर पर अपनी आय से करीब 1.20 करोड़ रुपए अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है।

इंजीनियर के ठिकानों पर पटना और रोहतास समेत कई जगहों पर एक साथ रेड चल रही है। पटना के दानापुर स्थित आदमपुर इलाके में वीनस पैराडाइज अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 405, चौथे टावर में टीम ने छापेमारी की है। इसके अलावा आशापुर दानापुर स्थित एक अन्य फ्लैट पर भी जांच की जा रही है। मुजफ्फरपुर के महमाया स्थान स्थित ससुराल और सासाराम स्थित सरकारी कार्यालय में भी टीम पहुंची हुई है। वहीं डेहरी ऑन सोन स्थित सरकारी आवास और बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र अंतर्गत पैतृक गांव पीपरडीह में भी तलाशी अभियान चल रहा है।

बच्ची के हत्यारोपी सिपाही को डॉक्टरों–नर्सों ने पीटा

गोरखपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी के गोरखपुर में 10 साल की बच्ची की हत्या के आरोपी 35 साल के सिपाही को डॉक्टरों और नर्सों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। गुरुवार दोपहर ढाई बजे पुलिस उसे मेडिकल कराने के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंची। उसे देखते ही अस्पताल के कर्मचारी भड़क गए और हमला कर दिया। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह उसे छुड़ाया।

सिपाही ने जिला अस्पताल से ही बच्ची को किडनैप किया था। हत्या कर शव नदी में फेंक दिया था। 28 जुलाई को बच्ची अपनी बीमार बहन को खाना देने अस्पताल आई थी। घर लौटते समय सिपाही ने बाइक से उसका पीछा किया। फिर उसे बाइक पर बैठाकर 15 किमी दूर श्मशान घाट ले गया। पुलिस को शक है कि सिपाही ने वहां बच्ची से रेप भी किया। इधर, बच्ची घर नहीं पहुंची तो घरवालों ने गुमशुदगी दर्ज कराई।

सीने पर दूसरे का टैटू देख गर्लफ्रेंड को 3–गोलियां मारीं

मेरठ, 30 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में सिरफिरे प्रेमी ने गर्लफ्रेंड को 3 गोलियां मारने के बाद सुसाइड कर लिया। पुलिस के मुताबिक, 12वीं की छात्रा के सीने पर 'आर्यन' नाम का टैटू देखकर प्रेमी नाराज था। बुधवार शाम ट्यूशन से लौटते वक्त उसने छात्रा को रोका। आर्यन के बारे में पूछा। बताने से मना किया तो बहस करने लगा।

इसी बीच गुस्से में सिरफिरे ने कमर से पिस्टल निकाली और छात्रा पर फायरिंग कर दी। वह खून से लथपथ होकर गिर गई। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने खुद के सीने में भी गोली मार ली। उसकी मौके पर मौत हो गई।

लोगों ने छात्रा अनुष्का (23) को सुभारती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया।

उसके सिर में एक और पेट में दो गोलियां लगी थीं। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर दो गोलियां निकाल दी हैं, जबकि तीसरी गोली अभी भी सिर में फंसी हुई है। उसकी हालत नाजुक है।

सिरफिरे आदित्य (26) का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। वह हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ 10 से अधिक मामले दर्ज थे। 10 दिन पहले ही जमानत पर जेल से छूटा था। मामला कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के डिफेंस एन्क्लेव कॉलोनी में जोनल पार्क के पास का है।

मिल्क पाउडर-स्टार्च से बनने वाला एनालॉग पनीर बैन

4200 किलो घटिया पनीर मिलने के बाद फैसला, मंत्री बोले– जल्द जारी होगा आदेश

रायपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में एनालॉग पनीर के कारोबार पर प्रतिबंध लगा दिया है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। सरकार जल्द ही बिक्री रोकने का आदेश जारी करेगी।

पिछले एक साल में रायपुर में मिलावटी और एनालॉग पनीर के खिलाफ कई बड़ी कार्रवाई हुई हैं। जुलाई 2025 में बिरगांव की काशी एग्रो फूड्स फैक्ट्री से करीब 2,500 किलो संदिग्ध/एनालॉग पनीर जब्त कर फैक्ट्री सील की गई थी। हाल ही में खाद्य विभाग ने रायपुर की एक और पनीर फैक्ट्री पर छापा मारकर करीब 1,700 किलो पनीर के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं। यानी पिछले एक साल में रायपुर में करीब 4,200 किलो संदिग्ध पनीर पर कार्रवाई हो चुकी है।

इन्हीं लगातार कार्रवाई और जांच में सामने आए मामलों के बाद अब राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में एनालॉग पनीर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है।

एनालॉग पनीर दूध के बजाय वनस्पति तेल, स्किम्ड मिल्क पाउडर, स्टार्च मिलाकर तैयार किया जाता है। यह असली पनीर से सस्ता पड़ता है, इसलिए कई होटल, ढाबे और फूड बिजनेस लागत कम करने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। वहीं, यदि पनीर को सिंथेटिक या मिलावटी सामग्री से तैयार कर असली पनीर के नाम पर बेचा जाता है, तो वह नकली या मिलावटी पनीर की कैटेगरी में आता है।

शंकर नगर के एक मकान में नकली पनीर की यूनिट के संचालक ने रामानंद बाघ ने बताया कि मैंने एनालॉग प्रोडक्ट बनाने का लाइसेंस ले रखा है।

पुलिस–प्रिंस खान गैंग के बीच मुठभेड़

हजारीबाग, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस और कुख्यात प्रिंस खान गैंग के अपराधियों के बीच आमना-सामना हो गया। सूचना के आधार पर इलाके की घेराबंदी कर रही पुलिस टीम पर बदमाशों ने अचानक फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी मोर्चा संभालते हुए ताबड़तोड़ जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से चली गोलियों की आवाज से पूरा इलाका दहल उठा और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस की सख्त कार्रवाई के बीच गैंग का एक सदस्य सैयद मोहम्मद जीशान गोली लगने से घायल हो गया।

बांकीपुर उपचुनाव– शाम 5 बजे तक 33 .60% वोटिंग

पटना, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की बांकीपुर सीट पर वोटिंग हो रही है। 2025 के मुकाबले इस बार वोटिंग कम हुई है। शाम 5 बजे तक 33.60% वोटिंग हुई जो पिछली बार से करीब 12 फीसदी कम है। विधानसभा चुनाव 2025 में बांकीपुर सीट पर 45.91% वोटिंग हुई थी। आनंदपुरी में प्रशांत किशोर के सामने जनसुराज और बीजेपी समर्थक भिड़ गए। प्रशांत किशोर ने दखल देकर मामला शांत करवाया। पीके का कहना है कि पुलिस उनके कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंट को परेशान कर रही है। लोगों को पुलिस डरा रही है। जनसुराज के हेल्प डेस्क को हटाया जा रहा है। वहीं किदवईपुरी में भी बीजेपी-जनसुराज के समर्थकों में पुलिस के सामने धक्का-मुक्की हुई। जनसुराज कार्यकर्ताओं का आरोप है कि भाजपा के पूर्व प्रत्याशी बंटी बूथ पर दबंगई कर रहे हैं। लोगों को वोट डालने से रोक रहे हैं। पीएनटी कॉलोनी में पीके के समर्थकों ने हंगामा किया है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि बूथ के अंदर कुछ लोग वोटर्स से भाजपा के पक्ष में वोट करने को कह रहे हैं। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करे।

आनंद महिंद्रा की कंपनी के दमदार नतीजे

मुनाफा 6,000 करोड़; मॉरीशस की कंपनी के विलय का भी ऐलान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (यू1) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। कंपनी ने इस तिमाही में मुनाफे और रेवेन्यू दोनों मोर्चों पर शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, जून 2026 को समाप्त हुई तिमाही में कंपनी का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर करीब 37% बढ़कर 5,997.56 करोड़ रहा है।

मुनाफे और रेवेन्यू में जबरदस्त उछाल

महिंद्रा एंड महिंद्रा की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल की इसी तिमाही (जून 2025) में कंपनी का समेकित मुनाफा 4,376.58 करोड़ था।वहीं, कंपनी की कुल आय भी पिछले साल के 46,446.11 करोड़ से बढ़कर इस बार 59,203.60 करोड़ पर पहुंच गई है। कंपनी के स्टैंडअलोन नतीजों की बात करें तो, स्टैंडअलोन मुनाफा 3,684.97 करोड़ रहा है, जो पिछले साल की समान अवधि में 3,449.84 करोड़ था।

ऑटो और फार्म सेक्टर का प्रदर्शन

कंपनी की आय में सबसे बड़ा योगदान ऑटोमोटिव सेगमेंट का रहा है। ऑटोमोटिव सेक्टर से होने वाला रेवेन्यू 34,387.25 करोड़ रहा, जबकि फार्म इक्विपमेंट (ट्रैक्टर आदि) सेगमेंट से कंपनी ने 12,500.77 करोड़ का रेवेन्यू हासिल किया।

मॉरीशस की कंपनी के विलय को मंजूरी

नतीजों के साथ-साथ महिंद्रा एंड महिंद्रा के बोर्ड ने एक महत्वपूर्ण कॉर्पोरेट फैसले को भी मंजूरी दी है। कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 'महिंद्रा इन्वेस्टमेंट कंपनी (मॉरीशस) लिमिटेड' का मुख्य कंपनी में विलय करने की योजना को हरी झंडी दे दी है। इस विलय से कंपनी के निवेश ढांचे को और अधिक सुव्यवस्थित करने में मदद मिलेगी।

अगस्त से जेब होगी ढीली! चाय से लेकर कार तक, कई चीजों पर बढ़ सकता है खर्च

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अगस्त महीने से आम लोगों की जेब पर महंगाई का असर काफी बढ़ सकता है। ऐसे में अगर आप भी आने वाले दिनों में नई कार खरीदने, टीवी लेने या कपड़ों की शॉपिंग करने के बारे में सोच रहे हैं, तो ये जानकारी आपके बेहद काम आ सकती है।

अगस्त महीने में कई बड़ी कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों को पहले के मुकाबले बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रोजमर्रा के इस्तेमाल की कई चीजें अगले महीने से महंगी हो सकती हैं।वेस्ट एशिया में चल रहे टकराव के कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत, माल ढुलाई का बढ़ा खर्च और रुपये में उतार-चढ़ाव इसकी सबसे बड़ी वजह माना जा रहा है।

कंपनियों का कहना है कि बढ़ती लागत का दबाव अब उनके लिए संभालना काफी मुश्किल हो गया है, इसलिए उन्होंने कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है।

ऐसे में अगस्त फेस्टिवल शुरू होने से पहले ग्राहकों को कई तरह के सामान के लिए ज्यादा कीमत चुकाना पड़ सकता है। वेस्ट एशिया में जारी तनाव से सप्लाई चेन काफी प्रभावित हुई है.कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी माल ढुलाई (फ्रेट) खर्च में इजाफा कच्चे तेल और अन्य पैकेजिंग सामग्री की ऊंची कीमत रुपये की कीमतों में उतार-चढ़ाव वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव

कौन-कौन सी चीजें होंगी महंगी?

प्रोडक्ट	संभावित बढ़ोतरी
पैक्ड चाय	6% से 8% तक
हेयर ऑयल	6% से 8% तक
टीवी	4% से 6% तक
रेफ्रिजरेटर	4% से 6% तक
वॉशिंग मशीन	10 % तक
स्मार्टफोन	कंपनी और मॉडल के मुताबिक
ब्रांडेड कपड़े	8% तक
पैसेंजर कारें	मॉडल के मुताबिक

कपड़ा कंपनियां काफी लंबे समय से पुराने स्टॉक के सहारे कपड़ों की कीमतों को कंट्रोल कर रही थीं।

लेकिन अब कंपनियां नए सीजन का स्टॉक बाजार में ला रही है, जिसकी लागत पहले के मुकाबले ज्यादा होगी।

ऐसे में ब्रांडेड कपड़ों की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि आपको टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन और स्मार्टफोन जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर भी लागत बढ़नी का असर दिखाई दे सकता है।खासकर मेमोरी चिप और अन्य कंपोनेंट्स की कीमतें बढ़ने पर इसका सबसे ज्यादा असर स्मार्टफोन पर पड़ सकता है।

शेयर बाजार में उछाल; सेंसेक्स 273 अंक चढ़ा, निफ्टी 24300 के पार

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में 30 जुलाई 2026 को जोरदार तेजी दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 273.55 अंक बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 66.95 अंक की वृद्धि के साथ 24,317.15 पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे मजबूत हुआ, यह 95.67 रुपये (अस्थायी) पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स लगभग 274 अंक ऊपर बंद हुआ। निफ्टी ने भी 24,300 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर लिया। कोल इंडिया और मारुति जैसी कंपनियों के शेयरों में 2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि निवेशकों के लिए उत्साहजनक रही। बाजार में सकारात्मक माहौल बना रहा। क्षेत्रीय प्रदर्शन हालांकि मिश्रित रहा। कुछ क्षेत्रों ने शानदार बढ़त हासिल की। वहीं, कुछ अन्य क्षेत्रों में दबाव देखा गया।

किन क्षेत्रों ने बेहतर प्रदर्शन किया और कौन रहे पीछे?

आज क्षेत्रीय प्रदर्शन में मिलाजुला रुख रहा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र लाभ में सबसे आगे रहा, इसमें 1 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद वाहन और तेल एवं गैस क्षेत्रों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद, दवा, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं और मीडिया क्षेत्र हरे निशान पर बंद हुए। हालांकि, संपत्ति क्षेत्र सबसे पीछे रहा, इसमें 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। वित्तीय सेवाएं, बैंक, निजी बैंक, सीमेंट और रसायन सूचकांक भी दबाव में रहे।

वैश्विक बाजारों का रुख कैसा रहा?

वैश्विक बाजारों से मिले अपडेट भी मिश्रित संकेत दे रहे थे। लंदन समय के अनुसार सुबह 6:51 बजे एसएंडपी 500 वायदा 0.2 फीसदी बढ़ा, जबकि नैस्डैक 100 वायदा में 0.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जापान का टॉपिक्स 0.3 फीसदी नीचे आया और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 भी 0.8 फीसदी गिरा।

हांगकांग का हैंग सेंग लगभग अपरिवर्तित रहा। शंघाई कंपोजिट 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ, वहीं यूरो स्टॉक्स 50 वायदा में 0.2 फीसदी की बढ़त देखी गई।भारतीय बाजार में आज निवेशकों का मिलाजुला रुख देखने को मिला। प्रमुख सूचकांकों में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में मुनाफावसूली का दबाव भी रहा। सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों ने बाजार को ऊपर उठाने में मदद की। वहीं, संपत्ति और वित्तीय सेवाओं ने बाजार की बढ़त को सीमित किया। वैश्विक बाजारों से भी मिश्रित संकेत मिले।

'डिविडेंड देते रहेंगे', अनिल अग्रवाल ने निभाया वादा

वेदांता से अलग हुई ये कंपनी पहली बार 8 का 'डिविडेंड देगी

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। अनिल अग्रवाल ने हाल ही वेदांता का डिमर्जर किया। जिस दिन अलग-अलग कंपनियां लिस्ट हुई थी उस दिन अनिल अग्रवाल ने आगे भी डिविडेंड देने की बात कही थी। दिग्गज एल्युमीनियम कंपनी वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड के बोर्ड ने गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को हुई अपनी बैठक में शेयरधारकों और कर्मचारियों के लिए बड़े फैसलों पर मुहर लगा दी है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारी-भरकम अंतरिम डिविडेंड की घोषणा की है, साथ ही कर्मचारियों के लिए नई शेयर योजनाएं भी शुरू की हैं। वेदांता एल्यूमिनियम शेयरो में 4 फीसदी की तेजी देखने को मिली। यह 457 रुपये के आसपास ट्रेड कर रहा था।

निवेशकों के लिए 3,128 करोड़ का तोहफा

कंपनी द्वारा स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार, बोर्ड ने 1 की फेस वैल्यू वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 8 का पहला अंतरिम डिविडेंड देने की मंजूरी दी है। इस फैसले से कंपनी के खजाने से कुल 3,128.55 करोड़ की राशि डिविडेंड के रूप में बांटी जाएगी। कंपनी ने इस डिविडेंड के भुगतान के लिए 05 अगस्त, 2026 को 'रिकॉर्ड डेट' तय किया है। इसका मतलब है कि इस तारीख तक कंपनी के रिकॉर्ड में शामिल शेयरधारकों को ही इस लाभांश का लाभ मिलेगा।

कर्मचारियों के लिए ईएसओपी और ईएसपीपी स्कीम

निवेशकों के साथ-साथ कंपनी ने अपने कर्मचारियों को भी बड़ा रिवॉर्ड देने का फैसला किया है। बोर्ड ने 'वेदांता एल्युमीनियम मेटल लिमिटेड एम्प्लॉई स्टॉक ऑप्शन प्लान 2026' और 'एम्प्लॉई शेयर परचेज प्लान 2026' को मंजूरी दे दी है। इस योजना के तहत कंपनी अपनी कुल चुकता शेयर पूंजी का 5% तक हिस्सा पात्र कर्मचारियों को विकल्पों के रूप में दे सकती है। इसे लागू करने के लिए एक ट्रस्ट बनाया जाएगा, जो ओपन मार्केट से शेयर खरीदेगा। ईएसओपी के तहत शेयरों का मूल्य 1 (फेस वैल्यू) या बोर्ड द्वारा तय अन्य मूल्य पर होगा।

सोना 177 बढ़कर 1.42 लाख पर पहुंचा

इस साल 9 हजार महंगा हो चुका, चांदी की कीमत 789 कम होकर 2.17 लाख किलो हुई

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सोने की कीमत में आज यानी 30 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 177 रुपए बढ़कर 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत 789 रुपए कम होकर 2.17 लाख रुपए आ गई।

इस साल सोने में अब तक तेजी रही

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 13 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.17 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 05-56
सूर्यास्त. 18 -48
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष शुक्रवार 31 July 2026
तिथि - द्वितीया 22-32 तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - धनिष्ठा 19-26 तक उप शतभिषा
योग - सौभाग्य 23-54 रात्रि तक उप शोभन
करण - तैतिल 10-04 तक उप गर
पंचक
श्रावण मास

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क	मे	कर्क---	04-58 बजे
चंद्र	मकर	मे	सिंह---	07-14 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या--	09-20 बजे
बुध	मिथुन	मे	तुला----	11-26 बजे
गुरु	कर्क	मे	वृश्चिक--	13-36 बजे
शुक्र	सिंह	मे	धनु----	15-50 बजे
शनि	मीन	मे	मकर--	17-56 बजे
राहु	कुंभ	मे	कुंभ---	19-46 बजे
केतु	सिंह	मे	मीन---	21-24 बजे
			मेष----	23-00 बजे
			वृष-----	00-46 बजे
			मिथुन--	02-46 बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-46 से 12-23 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05 -56 - 07-33	शुभ	रोग	18-48 - 20-12	अशुभ
लाभ	07-33 - 09-09	शुभ	काल	20-12 - 21-36	अशुभ
अमृत	09-09 - 10-46	शुभ	लाभ	21-36 - 22-59	शुभ
काल	19-46 - 12-23	अशुभ	उत्पात	22-59 - 00-23	अशुभ
शुभ.	12-23 - 13-59	शुभ	शुभ	00-23 - 01-46	शुभ
रोग	13-59 - 15-36	अशुभ	अमृत	01-46 - 03-10	शुभ
उत्पात	15-36 - 17-12	अशुभ	चंचल	03-10 - 04-33	शुभ
चंचल	17-12 - 18-48	शुभ	रोग	05-33 - 05-56	अशुभ

भारत का सिक्किम राज्य, जहां लाखों-करोड़ों की कमाई पर भी नहीं लगता इनकम टैक्स

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख बेहद नजदीक है। ऐसे में लाखों टैक्सपेयर्स अपना रिटर्न दाखिल करने में जुटे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा राज्य भी है, जहां के पात्र स्थानीय लोगों को इनकम टैक्स नहीं देना पड़ता? यह राज्य है सिक्किम। यहां रहने वाले लोगों की इनकम लाखों रुपये हो या करोड़ों, उन्हें सरकार को एक रुपया भी टैक्स नहीं देना पड़ता। यहां के 95 फीसदी निवासियों को इनकम टैक्स से 100% छूट मिली हुई है। दरअसल, कुछ खास कानूनी प्रावधानों के कारण यहां लोगों को इनकम टैक्स से छूट मिली हुई है।

क्यों खास है सिक्किम?

सिक्किम को भारत का 'टैक्स हेवन' भी कहा जाता है। यह हमेशा से भारत का हिस्सा नहीं था। यह पहले एक स्वतंत्र राजशाही था। साल 1975 में जनमत संग्रह के बाद सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना।

जब सिक्किम भारत में शामिल हुआ, तब वहां के स्थानीय लोगों के अधिकारों और पहले से लागू कानूनों की सुरक्षा के लिए संविधान में अनुच्छेद 371एफ जोड़ा गया। इस विशेष प्रावधान के जरिए सिक्किम को कुछ खास कानूनी और प्रशासनिक अधिकार दिए गए, ताकि वहां के मूल निवासियों के हित और उनकी पारंपरिक व्यवस्था सुरक्षित रह सके।

किस कानून के तहत टैक्स छूट?

सिक्किम में इनकम टैक्स से छूट की शुरुआत आज की नहीं, बल्कि साल 1948 से जुड़ी है। उस समय सिक्किम के तत्कालीन शासक (चोग्याल) ने एक इनकम टैक्स नियम लागू किया था, जिसके तहत स्थानीय लोगों से टैक्स नहीं लिया जाता था। बाद में 1975 में जब सिक्किम भारत का हिस्सा बना, तो यह तय किया गया कि वहां के मूल निवासियों को मिल रही यह टैक्स छूट जारी रहेगी। इसी समझौते के तहत संविधान में अनुच्छेद 371एफ जोड़ा गया और बाद में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10(26एएए) के जरिए पात्र सिक्किमी मूल निवासियों को इनकम टैक्स से छूट दी गई।

सिक्किम में रहने वाले हर शख्स को इनकम टैक्स में छूट नहीं मिलती। शुरुआत में इनकम टैक्स से छूट सिर्फ उन लोगों को मिलती थी, जिनके पास सिक्किम सब्जेक्ट सर्टिफिकेट था। इन्हें ही सिक्किम का मूल निवासी माना जाता था। लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद यह दायरा बढ़ गया। अदालत ने कहा कि 26 अप्रैल 1975, यानी सिक्किम के भारत में शामिल होने से एक दिन पहले तक जो भारतीय मूल के लोग वहां स्थायी रूप से रह रहे थे, उन्हें भी सिक्किम का मूल निवासी माना जाएगा। इसके बाद राज्य की करीब 95% आबादी इनकम टैक्स छूट के दायरे में आ गई। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे राज्य से जाकर सिक्किम में बस गया है और वह इस श्रेणी में शामिल नहीं है, तो उस पर देश के बाकी हिस्सों की तरह सामान्य इनकम टैक्स के नियम लागू होंगे। जरूरत पड़ने पर उसे इनकम टैक्स रिटर्न भी भरना होगा।यह कोई नई सरकारी योजना या हाल ही में मिली टैक्स छूट नहीं है। यह सिक्किम के भारत में विलय के समय किए गए संवैधानिक और कानूनी प्रावधानों का हिस्सा है। इसी वजह से आज भी पात्र स्थानीय लोगों को सिक्किम में इनकम टैक्स से विशेष छूट मिलती है।

इस बार टूट जाएंगे कपास की खरीदी के सारे रिकॉर्ड?

सीएआई ने लगाया बड़ा अनुमान

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में सबसे अधिक रोजगार देने वाले क्षेत्रों में देश का कपड़ा उद्योग दूसरे स्थान पर है। इसका सीधा संबंध खेती से है, क्योंकि कपास के बिना इस इंडस्ट्री का कोई अस्तित्व नहीं है। अब कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कपास के आयात को लेकर बड़ा अनुमान लगाया है। 2025-26 कपास सीजन के लिए आयात का अनुमान पहले 47 लाख गांठ था, अब इसे बढ़ाकर 60 लाख गांठ (एक गांठ का वजन 170 किलोग्राम) कर दिया गया है, जो अब तक का सबसे अधिक आयात होगा।

इंपोर्ट ड्यूटी में छूट का मिला फायदा

ट्रेड बॉडी 'कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया' ने 2025-26 सीजन के लिए इंपोर्ट का अनुमान 13 लाख गांठ बढ़ाकर 60 लाख गांठ कर दिया है, जो अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कंज्यूमिंग सेक्टर 11% ड्यूटी छूट का फायदा उठाते हुए विदेशों से रिकॉर्ड मात्रा में खरीदी कर रहा है। इससे पहले, सीएआई ने 47 लाख गांठ इंपोर्ट का अनुमान लगाया था।

सितंबर में तगड़े आयात का अनुमान

सीएआई ने बताया कि 2025-26 में कॉटन का इंपोर्ट पिछले साल के मुकाबले 19 लाख गांठ अधिक होगा। जून के आखिर तक, भारतीय बंदरगाहों पर लगभग 51 लाख बेल कॉटन पहुंचने का अनुमान है। सरकार ने जून-अक्टूबर की अवधि के लिए कपास का आयात ड्यूटी-फ्री की है। सितंबर के आखिर तक 10-15 लाख गांठ और आयात होने की उम्मीद है, क्योंकि कपड़ा मिलें ड्यूटी-फ्री सुविधा का फायदा उठाने के लिए अधिक आयात कर रही हैं।

कपास का निर्यात घटा

कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने साल 2025-26 सीजन के लिए निर्यात का अनुमान 3 लाख गांठ घटाकर 15 लाख गांठ कर दिया है, पहले यह अनुमान 18 लाख गांठ था। बता दें कि पिछले साल कपास का निर्यात 18 लाख गांठ था। जून के आखिर तक लगभग 11.25 लाख गांठ का निर्यात किया जा चुका है।

'ऊर्जा लागत में वृद्धि से आर्थिक सेहत खराब हो जाएगी'

वित्त मंत्रालय को सताने लगा आर्थिक दबाव का डर?

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी भारत के राजकोषीय गणित और बाहरी व्यापार संतुलन के लिए चुनौती खड़ी कर सकती है। वित्त मंत्रालय ने अपनी ताजा रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि ऊर्जा लागत में वृद्धि से देश के राजकोषीय घाटे और चालू खाता घाटे पर एक बार फिर दबाव बढ़ सकता है। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के अनुसार, यदि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक उच्च स्तर पर बनी रहती हैं, तो इससे राजकोषीय घाटे और चालू खाता संतुलन दोनों की फंडिंग पर असर पड़ेगा।

महंगाई का खतरा

खाड़ी क्षेत्र में बने तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से होने वाली शिपिंग गतिविधियों में रुकावटों के कारण ऊर्जा कीमतें और आयात लागत बढ़ रही हैं। भारत जैसे ईंधन-आयात करने वाले देशों के लिए इससे मुद्रास्फीति (महंगाई) का खतरा बना हुआ है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत का बाहरी क्षेत्र लचीला बना हुआ है। अप्रैल-मई 2026 के दौरान चालू खाता 2.8 अरब डॉलर के सरप्लस (अधिशेष) में रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 4.1 अरब डॉलर के घाटे में था।

मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार

10 जुलाई तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 675.2 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर के करीब था, जो लगभग 10 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है और बाहरी झटकों से सुरक्षा प्रदान करता है।

मजबूत बुनियादी ढांचे से राहत

वित्त मंत्रालय ने कहा कि मजबूत निर्यात, सेवाओं के व्यापार में भारी सरप्लस, रिकॉर्ड प्रेषण और मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था में झटकों को सहने की क्षमता बनी हुई है। आने वाले समय में हालिया नीतिगत उपायों से पूंजी प्रवाह को और समर्थन मिलने की उम्मीद है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले,लो, अ,) — आपका करियर चमकने वाला है, काम पर आपकी अंतर्ज्ञान और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ावा मिलेगा। आप आत्मविश्वास में वृद्धि का अनुभव करेंगे, जिससे आप साहसिक कदम उठा सकेंगे। मान्यता और उपलब्धि की अपेक्षा करें। लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें, सफल परिणाम सुनिश्चित करें।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) — आपको भावनात्मक गहराई का अपने करियर पर प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपकी विश्लेषणात्मक क्षमता में वृद्धि होगी, इसलिए अपने लक्ष्यों पर सटीकता से ध्यान केंद्रित करें। आपके लिए भाग्यशाली निर्णय आने की उम्मीद करें। हालाँकि, सावधान रहें, क्योंकि अप्रत्याशित दुर्घटनाएँ या असहिष्णुता हो सकती है।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,) — आज आप महत्वाकांक्षा और भावनाओं के बीच खींचतान महसूस कर सकते हैं। संघर्ष या टकराव आपके सामान्य दृष्टिकोण को चुनौती दे सकते हैं, लेकिन नए विचार सफलता दिला सकते हैं। आत्म-जागरूकता पर ध्यान केंद्रित करें और पेशेवर तनावों को विकास के अवसरों में बदलें। इन पलों को अपने दृष्टिकोण को निखारने दें और काम और पढ़ाई में सफलता की ओर ले जाएँ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,) — आज नेतृत्व स्वाभाविक लगता है, लेकिन सटीकता सफलता की कुंजी है। कार्यस्थल पर सामंजस्य चुनौतियों का सामना कर सकता है, खासकर शैली या राय में मतभेदों के कारण। अनकही अंतर्दृष्टि आपके पेशेवर मार्ग का मार्गदर्शन कर सकती है, जो अप्रत्याशित दिशा प्रदान करती है।

सिंह (मा, मी ,मु ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपका आत्मविश्वास और रचनात्मकता काम में आपकी प्रगति में सहायक है। कार्यों को सुचारू रूप से पूरा करने के लिए अपने समय पर भरोसा रखें, लेकिन कम ऊर्जा या आत्म-संदेह पर नज़र रखें। अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और चुनौतियों का सामना करने के तरीके के बारे में सावधान रहें। ध्यान और आंतरिक शक्ति के साथ, आप समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल कर सकते हैं और दिन को उत्पादक बनाए रख सकते हैं।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपकी रचनात्मकता और नए विचार आपको काम पर अलग पहचान दिलाने में मदद करते हैं। अपने पेशेवर रिश्तों में सामंजस्य पर ध्यान दें, क्योंकि यह विकास और सफलता का समर्थन करता है। किसी भी तनाव को शांत और विचारशील संचार का उपयोग करके सावधानी से संभालें। एक संतुलित, निष्पक्ष दृष्टिकोण आपको आज पढ़ाई और काम दोनों को सुचारू रूप से प्रबंधित करने में मदद करेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आपकी रचनात्मकता काम पर चमकती है, जिससे आपको दूसरों से अलग दिखने में मदद मिलती है। नए विचार आपके दृष्टिकोण का मार्गदर्शन करते हैं, और स्पष्ट संचार आपकी प्रगति को बढ़ावा देता है। सहकर्मियों के साथ सहायक संबंध टीमवर्क को आसान बनाते हैं। अपने विचारों को खुलकर साझा करने से संबंध मजबूत होते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी, यू,) — आज आप अपने काम से भावनात्मक रूप से ज़्यादा जुड़े हुए महसूस कर सकते हैं। आत्मविश्वास आपको चमकने में मदद करता है, लेकिन विचारों या कार्यों के साथ अति करने से सावधान रहें। रिश्तों को अच्छी तरह से संभालने के लिए विचारशील संचार महत्वपूर्ण है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आत्मविश्वास और भावनात्मक संतुलन के मेल से आपका कार्य जीवन सुचारू रूप से चलता रहेगा। आप केंद्रित और स्पष्ट सोच महसूस करेंगे, जिससे कार्यों को निपटाना और समस्याओं का समाधान करना आसान हो जाएगा। यह आंतरिक सामंजस्य उत्पादक सहयोग और निर्णय लेने में सहायक होता है।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा) — आपका करियर दिग्गजों से प्रभावित होगा। आपमें कर्तव्य की भावना बढ़ सकती है। धैर्य रखना ज़रूरी होगा, संभवतः इससे आंतरिक तनाव पैदा हो सकता है। किसी भी बाधा से निपटने के लिए कूटनीति महत्वपूर्ण है। संकोच और बीमारी के प्रति सतर्क रहें, और अपने काम की ज़िम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित रखें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) — आपका करियर गतिशील रहेगा। आपके सामने कई अवसर आ सकते हैं, जिससे आप विभिन्न परिस्थितियों में काम कर सकेंगे। हालाँकि, संभावित असहिष्णुता और बेहद ईमानदार संचार की आवश्यकता के प्रति सचेत रहें। अपने काम और पढ़ाई के दौरान अपने कार्यों की कीमत के प्रति भी सावधान रहें।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

सरकार ने केंद्र को भेजे 11 अहम सुधार प्रस्ताव

किसानों को मिल सकती है बड़ी राहत

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को अधिक पारदर्शी और किसान हितैषी बनाने के लिए राजस्थान सरकार ने केंद्र को 11 बड़े सुधार सुझाव भेजे हैं। इनमें ऋणी किसानों के खातों से बिना सहमति प्रीमियम कटौती पर रोक, खेत स्तर पर नुकसान का आकलन और क्लेम भुगतान में देरी पर बीमा कंपनियों पर स्वतः ब्याज लगाने जैसे प्रस्ताव शामिल है। मंजूरी मिलने पर किसानों को बड़ी राहत मिल सकती है। राज्य सरकार इससे पहले बीमा कंपनियों के साथ अनुबंध में भी कई कड़ी शर्तें जोड़ चुकी है। अब राष्ट्रीय स्तर पर योजना में बदलाव की पहल की गई है।

कृषि विभाग ने किसान संगठनों, किसान प्रतिनिधियों तथा विभागीय अधिकारियों से मिले सुझावों के आधार पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के फसल बीमा सीईओ को प्रस्ताव भेजे हैं। राजस्थान पत्रिका भी लगातार योजना की विसंगतियों का मुद्दा उठाता रहा है। कृषि आयुक्त नरेश कुमार गोयल ने पत्र में कहा है कि फसल कटाई प्रयोगों में अनियमितताओं को रोकने के लिए प्रत्येक किसान के खेत को इकाई मानकर तकनीक आधारित नुकसान आकलन किया जाए। इससे मनमाने मूल्यांकन पर रोक लगेगी।

केन्द्र को भेजे गए प्रमुख सुझाव

1. ऋणी किसानों का बीमा भी पूरी तरह स्वैच्छिक हो, बिना सहमति प्रीमियम न कटे।
2. सभी किसानों का फसल बीमा एग्रीस्टैंक आईडी से

जोड़ा जाए।
3. आधार, एग्रीस्टैंक आइडी और जनाधार से बैंक विवरण एनसीआईपी पोर्टल पर स्वतः उपलब्ध हों।
4. ई-गिरदावरी/क्रॉप बुकिंग ऐप से बोई गई फसल का सत्यापन कर पॉलिसी अनुमोदित हो।
5. प्रत्येक किसान के खेत स्तर पर तकनीक आधारित नुकसान आकलन कर क्लेम तय हो।
6. एड-ऑन कवर क्लेम के लिए तकनीक आधारित मानक तय हो।
7. क्लेम भुगतान में देरी पर बीमा कंपनियों पर ब्याज या पेनल्टी लगे।
8. पॉलिसी निरस्त होने पर प्रीमियम ब्याज सहित लौटाया जाए।
9. राज्य स्तरीय शिकायत निवारण समिति में किसान प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।

बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पड़ताल में सामने आया था कि राजस्थान का 64 प्रतिशत कृषि क्षेत्र अब भी फसल बीमा से बाहर है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य के कुल कृषि क्षेत्र का सिर्फ 36 प्रतिशत हिस्सा ही बीमित हो सका। सबसे अधिक कवरेज चूरू में 77 प्रतिशत रही, जबकि धौलपुर में यह महज 5 प्रतिशत, करौली में 7 प्रतिशत और दौसा में 9 प्रतिशत दर्ज की गई।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार पिछले पांच वर्ष में किसानों को 18,189.16 करोड़ का बीमा दावा मिला। सबसे अधिक भुगतान चूरू जिले में 2,459.63 करोड़, हनुमानगढ़ जिले में 2,253.59 करोड़, जोधपुर जिले में 1,570.94 करोड़, जालोर जिले में 1,392.02 करोड़, नागौर जिले में 1,287.89 करोड़ और बीकानेर जिले में 1,101.64 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, राजसमंद 4.66 करोड़, धौलपुर 7.23 करोड़ और करौली 9.51 करोड़ के साथ सबसे पीछे रहे।

पिछले पांच साल में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 26,757.56 करोड़ रुपए प्रीमियम जमा हुआ। इसमें किसानों का अंश 4,650.78 करोड़, राज्य सरकार का 11,253.68 करोड़ और केंद्र सरकार का 10,853.10 करोड़ रुपए रहा। इसी अवधि में किसानों को 18,189.16 करोड़ रुपए का क्लेम मिला। ऐसे में बीमा कंपनियों ने 8,568.40 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया।

खुद के विभाग के खिलाफ क्यों सीबीआई जांच कराना चाहते हैं किरोड़ी लाल मीणा ?

सीएम को लिखेंगे पत्र !

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले किरोड़ी लाल मीणा फिर चर्चा में है। दरअसल, कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने एक बार फिर बड़ा ऐलान किया है कि वह खुद अपने विभाग (कृषि विभाग) में हुई गड़बड़ियों की सीबीआई जांच चाहते हैं, इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखेंगे।

मंत्री मीणा का कहना है कि 'मेरे खिलाफ लगाए गए आरोपों की भी पूरी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए। अगर इस मामले में मेरी कोई भूमिका सामने आती है, तो उसकी भी जांच की जाए। उनका कहना है कि कृषि विभाग में एसीबी की कार्रवाई और अन्य मामलों से जुड़े जो भी तथ्य व नाम सामने आए हैं, उनकी सच्चाई जनता के सामने आनी चाहिए।'

बता दें कि इसी साल राजस्थान बीज निगम के निदेशक को एसीबी ने गिरफ्तार किया था। राजस्थान बीज निगम घूस कांड खुलने के बाद इसे लेकर जो चार्जशीट बनाई गई, उसमें डॉक्टर'और , 'मंत्री' शब्द का इस्तेमाल किया गया था। इस पर मंत्री मीणा ने आपत्ति दर्ज करवाई थी। इस घूसकांड में सवाल उठने के बाद मंत्री मीणा चाहते हैं कि इसमें दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाए।

यह विवाद तब बढ़ा जब डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में हुई परीक्षा गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार की जांच के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था। इस पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने तंज कसते हुए सवाल उठाया कि राज्य में भाजपा सरकार बने ढाई साल हो चुके हैं, फिर भी मंत्री पद पर रहते हुए किरोड़ी लाल ने अब तक जांच कराकर दोषियों को जेल क्यों नहीं भेजा?

डोटासरा की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि वह किसी भी जांच से पीछे हटने वाले नहीं हैं। साथ ही इस खाद बीज निगम केस में लगे आरोपों पर भी कहा है कि ' उनके खिलाफ लगाए गए पूर्व के आरोपों पर भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए भी मैं सीएम को पत्र लिखूंगा।

गहलोत बोले- मैनेजमेंट नहीं सुधरा तो आगे भी पेपरलीक होंगे

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा- अगर ढंग से मैनजमेंट नहीं हुआ तो आगे भी पेपरलीक होंगे। अभी पेपरलीक इसलिए नहीं हो रहे हैं, क्योंकि हमने कानून पास किया, हमने प्रोसेस को बदला था। यह उसका असर है। गहलोत ने कहा कि यह तो रुकना ही था। ये क्या श्रेय ले रहे हैं उसका? इन्होंने क्या किया? ओएमआर शीट घोटाले में जो पकड़े गए, उन आरोपियों की जमानत हो गई, इन्होंने कुछ किया नहीं। गहलोत जयपुर में सिविल लाइंस बंगले पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। नकल पर लोकसभा में पास बिल पर गहलोत ने कहा- विपक्षी दलों से सलाह करके बिल लाते तो ठीक रहता। नकल पर सजा बढ़ा दी है। हमारी सरकार ने राजस्थान में नकल के खिलाफ कानून बनाया उसमें आजीवन कारावास की सजा है, नकल माफिया की प्रॉपर्टी सीज करना और 10 करोड़ जुर्माने का प्रावधान पहले से कर रखा है, सब कुछ कर रखा है हमने। इस बात में दम हैं कि सजा मिलना एक बात है, और अगर मैनेजमेंट ढंग से नहीं होगा तो पेपरलीक बाद में होंगे। सजा का तो आप जानते हैं, कानून तो चोरी के खिलाफ भी बने हुए हैं, लेकिन चोरियां होती हैं। गहलोत ने अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सरकार बनने का दावा करते हुए राज्य सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा- अगली बार तो हमारा आना निश्चित है, सरकार कांग्रेस की बनेगी हम जानते हैं, लेकिन पांच साल जनता के काम तो हों, इसलिए हम चाहते हैं कि आप सुशासन दीजिए।

छात्र संघ चुनाव की मांग के बीच टंकी पर चढ़े एनएसयूआई के 3 स्टूडेंट, मचा हड़कंप

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार सुबह जयपुर में एनएसयूआई के तीन छात्र नेताओं ने टोंक फाटक पुलिया के समीप स्थित रेलवे प्रशासन की पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी छात्र राजस्थान में पिछले चार वर्षों से बंद छात्रसंघ चुनावों की बहाली और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन, रेलवे पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं तथा छात्रों को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू कर दिए। टंकी पर चढ़े छात्रों में राजस्थान विश्वविद्यालय के एनएसयूआई प्रभारी विजयपाल कुड़ी, छात्र नेत्री वियोना जाट और छात्र नेता कोशेन खान शामिल हैं। तीनों ने हाथों में पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और दिल्ली में छात्रों पर हुई कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से इस्तीफे और छात्रों से माफी मांगने की भी मांग उठाई।

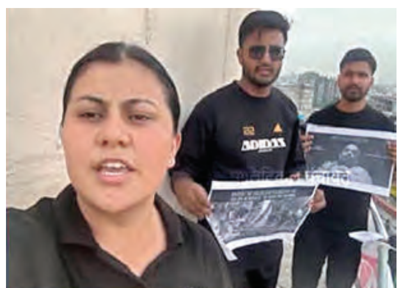

छात्र नेताओं का कहना है कि शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों पर बल प्रयोग स्वीकार्य नहीं है। उनका आरोप है कि छात्रों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होंने राजस्थान में लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं कराए जाने पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और चुनाव नहीं होने से छात्रों को अपना प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं मिल रहा है। उन्होंने राज्य सरकार से जल्द छात्रसंघ चुनाव कराने की घोषणा करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान टोंक फाटक क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए आसपास का क्षेत्र नियंत्रित किया। प्रशासनिक अधिकारी लगातार छात्रों से बातचीत कर उन्हें शांतिपूर्वक नीचे उतरने के लिए समझाइश दे रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर तैनात की गई है। वहीं सिविल डिफेंस की टीम ने संभावित दुर्घटना से बचाव के लिए पानी की टंकी के चारों ओर सुरक्षा जाल लगाया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। अधिकारियों का कहना है कि उनकी प्राथमिकता छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है और बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास जारी है। बताया जा रहा है कि जिस पानी की टंकी पर छात्र चढ़े हैं, वह गांधीनगर रेलवे प्रशासन द्वारा निर्मित है और अभी तक संचालन शुरू नहीं हुआ है। चूंकि प्रदर्शन रेलवे की संपत्ति पर हो रहा है, इसलिए रेलवे पुलिस के अधिकारी भी मौके पर मौजूद हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। फिलहाल तीनों छात्र अपनी मांगों पर अड़े हुए है।

आठ नवगठित जिलों में भी खुलेंगी स्थायी लोक अदालतें

सीएम भजनलाल ने दी मंजूरी

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में न्यायिक सेवाओं के विस्तार के तहत प्रदेश के आठ जिलों में स्थायी लोक अदालतों का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इसके गठन को मंजूरी दी है। नई अदालतें शुरू होने के बाद इन जिलों के लोगों को छोटे और सुलह योग्य मामलों के निपटारे के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। राजस्थान में अब तक 32 जिलों में स्थायी लोक अदालतें संचालित हो रही थीं। मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद फलौदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ और सलूम्बर सहित आठ नए जिलों में भी स्थायी लोक अदालतें स्थापित होंगी। इससे नवगठित जिलों के लोगों को स्थानीय स्तर पर ही वैकल्पिक विवाद निपटान की सुविधा मिल सकेगी।

स्थायी लोक अदालतों में ऐसे मामलों की सुनवाई होती है, जिनका समाधान आपसी सहमति और समझौते के आधार पर किया जा सकता है। इसका उद्देश्य विवादों का अपेक्षाकृत कम समय और कम खर्च में निस्तारण करना है, जिससे नियमित अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ भी कम हो सके।

इन अदालतों के शुरू होने से नवगठित जिलों के लोगों को अपने ही जिले में वैकल्पिक विवाद निपटान की सुविधा मिलेगी। इससे छोटे विवादों के समाधान के लिए लंबी न्यायिक प्रक्रिया की आवश्यकता कम होगी और पक्षकारों को समय व खर्च दोनों में राहत मिल सकती है।

बच्चों के लिए आया दूध पाउडर स्कूल से गायब

बाजार तक पहुंचने के मामले में केस दर्ज

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी स्कूलों के बच्चों के पोषण के लिए भेजे गए दुग्ध पाउडर की कथित अवैध निकासी का मामला सामने आने के बाद राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन ने सख्त कार्रवाई की है। राज्य सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत आरसीडीएफ ने पूरे मामले में सामोद थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के तहत मिड-डे मील के लिए सरकारी विद्यालयों में सप्लाई किया गया दुग्ध पाउडर विद्यालय परिसर से अवैध रूप से बाहर ले जाया गया। मामला आरसीडीएफ

के संज्ञान में आने के बाद तत्काल जांच कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई।

आरसीडीएफ अधिकारियों का कहना है कि बच्चों के पोषण से जुड़ी योजनाओं में किसी भी तरह की अनियमितता या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसी के तहत संबंधित प्रकरण में सामोद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि दुग्ध पाउडर की अवैध निकासी में किन-किन लोगों की भूमिका रही और इसके पीछे कोई संगठित नेटवर्क तो नहीं था। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति जारी रहेगी तथा सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तीसरी बार भी बेटी हुई, पिता ने अस्पताल में ही गला घोंट दिया

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर से एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर दिया. एक पिता ने सिर्फ इसलिए अपनी 13 घंटे की नवजात बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी, क्योंकि वह बेटे की उम्मीद कर रहा था. घटना जयपुर-दिल्ली हाइवे स्थित अस्पताल की है. आरोपी को हिरासत में लेकर पुलिस मामले की जांच कर रही है. उस बच्ची ने इस दुनिया में आंखें खोले अभी 13 घंटे ही हुए थे. न उसने मां की गोद ठीक से देखी थी, न दुनिया को समझा था. बस रोना ही उसकी पहली भाषा थी. लेकिन उसी रोने ने अस्पताल के स्टाफ के सामने एक सवाल खड़ा कर दिया. रात करीब तीन बजे तक वार्ड में नवजात के रोने की आवाज आ रही थी. फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया. पहले लगा कि शायद बच्ची सो गई होगी. लेकिन जब नर्स ने जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए. पुलिस के मुताबिक, बच्ची की मौत हो चुकी थी.

मामला राजस्थान के जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित अस्पताल का है. पुलिस का आरोप है कि 34 साल के रवि कुमार यादव ने अपनी 13 घंटे की नवजात बेटी का गला दबाकर हत्या कर दी. आरोपी कोटपूतली-बहरोड़ जिले के नीमराना इलाके का रहने वाला है और एक प्राइवेट कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड है.

सिर्फ 'अंडे टूटने' के विवाद में युवक की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या, सड़क पर तमाशबीन बनी रही भीड़

जयपुर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में बदमाश बेखौफ है। अब गुर्जर की थड़ी स्थित शांतिनगर रोड पर एक युवक की सरेराह डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात का वीडियो सामने आया है, जिसमें बदमाश युवक पर ताबड़तोड़ डंडे बरसाते दिखाई दे रहे हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग तमाशबीन बनकर देख रहे हैं। युवक सड़क पर गिर गया, तब कुछ लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए एक बदमाश को पकड़ लिया और उसके साथी लोगों पर हमला करते हुए भाग गए। बाद में पकड़े गए आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने तीन अन्य आरोपियों को पकड़ा। आरोपी नजदीक सुलभ शौचालय के पीछे शराब पार्टी कर रहे थे।

डीसीपी साउथ राजर्षि राज ने बताया कि मूल रूप से मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी 28 वर्षीय बलवीर सिंह जाटव की हत्या की गई। वह यहां मार्बल-टाइल्स लगाने का काम करता था। मंगलवार शाम को वह गुर्जर की थड़ी से अंडे लेकर जा रहे एक नाबालिग से टकरा गया। थैली में रखे अंडे टूट जाने पर नाबालिग ने साथियों को बुला लिया और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बाद में बलवीर की एसएमएस अस्पताल में मौत हो गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, गुर्जर की थड़ी चौराहे पर शांतिनगर रोड स्थित शराब के ठेके पर रोजाना असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। नशे में धुत बदमाश आए दिन उत्पात मचाते हैं। कॉलोनियों की महिलाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही छात्राओं के साथ अभद्रता की घटनाएं होती रहती हैं।

मृतक के परिजन का आरोप है कि हत्या में शामिल बदमाश लंबे समय से शांतिनगर इलाके में गुंडागर्दी कर रहे हैं। लोग उनके सामने आने से भी डरते हैं। मृतक के भाई रामवीर ने हत्या के संबंध में मानसरोवर थाने में मामला दर्ज करवाया है। एसीपी हेमेंद्र शर्मा ने बताया कि मूल रूप से दिल्ली निवासी मनीष कुमार सौलंकी, अजमेर निवासी रमजान अली व खैरथल के कोटकासिम निवासी रोहित यादव को गिरफ्तार किया है। मनीष व रमजान यहां गुर्जर की थड़ी स्थित बाबा रामदेव बस्ती में रहते हैं, जबकि रोहित सुल्तान नगर में रहता है। आरोपियों के नाबालिग साथी को निरुद्ध किया है।

मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद बिगड़ी 5 मरीजों की तबीयत

आंखों में जलन और धुंधलेपन की शिकायत; जयपुर रेफर

नागौर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। राजकीय चिकित्सालय के नेत्र विभाग में मंगलवार को हुए सात नेत्र ऑपरेशनों के बाद बुधवार को पांच मरीजों ने आंखों में धुंधलापन और असहजता की शिकायत की। अस्पताल प्रशासन ने सभी को विशेषज्ञ उपचार के लिए जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया।

बता दें कि मंगलवार को सात मरीजों के मोतियाबिंद सहित अन्य नेत्र संबंधी ऑपरेशन किए गए थे। बुधवार सुबह पट्टियां खोलने पर पांच मरीजों ने धुंधला दिखाई देने, जलन और असहजता की शिकायत की। इसके बाद चिकित्सकों ने उनकी जांच कर वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी।

चिकित्सकों के अनुसार, मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद शुरू में कुछ मरीजों को अस्थायी रूप से धुंधलापन या असहजता महसूस हो सकती है। हालांकि, वास्तविक स्थिति विशेषज्ञ जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। कार्यवाहक पीएमओ डॉ. प्रहलाद बाजिया ने बताया कि एहतियात के तौर पर मरीजों को एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया है, जहां नेत्र रोग विशेषज्ञ उनकी जांच कर रहे हैं।

एसएमएस अस्पताल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ित मरीजों में घासीराम (65), हीराराम (73), गोकुल (70), मीरा देवी (68) और नारायणी (67) शामिल हैं। ये सभी मरीज बुधवार रात करीब 9:30 बजे एसएमएस अस्पताल पहुंचे। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने मामले की संवेदनशीलता को समझते हुए देर रात ही सीनियर डॉक्टरों का एक विशेष मेडिकल बोर्ड गठित कर तुरंत इलाज शुरू करवाया।

इलाज और मॉनिटरिंग के लिए नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. नगेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में बोर्ड बनाया गया है। इसमें मेडिसिन एचओडी डॉ. महेंद्र अग्रवाल तथा नेत्र रोग विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. मनीष शर्मा और डॉ. पंकज शर्मा को शामिल किया गया है। डॉ. नगेंद्र सिंह के अनुसार, सभी मरीजों का स्टैंडर्ड मेडिकल प्रोटोकॉल के तहत उपचार जारी है। हालांकि, मरीजों की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। लेकिन मेडिकल टीम की पूरी कोशिश है कि मरीजों की आंखों को सुरक्षित रखते हुए उनकी रोशनी बचाई जा सके।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट घूमने पर रोक

जिला प्रशासन और बीएसएफ ने जारी किए सख्त आदेश

श्रीगंगानगर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे राजस्थान के जिलों में राष्ट्रीय सुरक्षा, तस्करी और घुसपैठ रोकने के लिए प्रशासन की ओर से सख्त आदेश जारी किए गए हैं।

जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा से पांच किलोमीटर के दायरे में शाम छह से सुबह सात बजे तब बिना अनुमति घूमने पर रोक लगाई गई है। वहीं श्रीगंगानगर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के तीन किलोमीटर के दायरे में शाम सात से सुबह छह बजे तक किसी भी व्यक्ति के घूमने पर रोक लगाई गई है।

श्रीगंगानगर जिले में सीमा के निकट खेतों में काम करने अथवा सिंचाई के लिए जाने वाले किसानों को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी। गृह मंत्रालय के नियमों के अनुसार, सीमावर्ती क्षेत्रों में विदेशी नागरिकों के आने-जाने और ठहरने के लिए अनुमति लेना आवश्यक किया गया है। दोनों जिला कलक्टरों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध अथवा नए व्यक्ति के नजर आने पर तत्काल निकटतम पुलिस थाने और बीएसएफ की चौकी में सूचना देने के साथ ही उसकी गतिविधियों पर नजर रखें। उधर, केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर अंतरराष्ट्रीय सीमा के 50 किलोमीटर के दायरे में कोई भी नया निर्माण जिला कलेक्टर अथवा पुलिस अधीक्षक की अनुमति के बिना नहीं हो सकेगा। सीमा से 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले पक्के निर्माण हटाने की कार्रवाई जारी है।

पत्नी के चरित्र पर करता था शक, इंजीनियर पति ने पीट-पीटकर कर दी हत्या

अलवर, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बहरोड़ की शिक्षक कॉलोनी के पीछे 27 जुलाई को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई महिला की मौत के मामले का कोतवाली पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके पति को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थानाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान धर्मेंद्र सोनी निवासी जैजौली, थाना मधुबन, जिला मऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को घटना के महज आठ घंटे के भीतर दस्तयाब कर अनुसंधान के बाद गिरफ्तार किया।

बता दें कि 27 जुलाई को शिक्षक कॉलोनी के पीछे एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, जहां महिला मृत अवस्था में मिली। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। एफएसएल टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम भी कराया गया। मृतका के पिता बद्रीनारायण वर्मा ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी की शादी धर्मेंद्र सोनी से 22 नवंबर 2019 को हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 26 जुलाई की रात दीपिका ने फोन कर बताया था कि धर्मेंद्र शराब के नशे में उसके साथ मारपीट कर रहा है। अगले दिन भी उसने फोन कर बताया कि धर्मेंद्र उससे सादे कागज पर कुछ लिखवा रहा है। इसके बाद उसका फोन नहीं उठा और परिजनों को उसकी मौत की सूचना मिली। पूछताछ में सामने आया कि धर्मेंद्र ने पूरे मामले को खुदकुशी दिखाने की कोशिश की थी। हालांकि, वह नशे में होने के कारण पत्नी को फंदे पर नहीं लटका पाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि मौत से पहले दीपिका के साथ मारपीट की गई थी। उसके सिर में खून का धक्का जमा हुआ मिला। वहीं, गले पर भी निशान मिले। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि महिला की मौत दम घुटने की वजह से हुई। धर्मेंद्र सोनी केशवाना स्थित एक ग्लास कंपनी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत है। दीपिका और धर्मेंद्र की शादी 2019 में हुई थी। लेकिन, दोनों के कोई संतान नहीं थी।

गुरु पूर्णिमा पर सिखवाल ब्राह्मण समाज ने निकाली शोभायात्रा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिखवाल ब्राह्मण समाज एवं सिखवाल सेवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में गुरु पूर्णिमा के पर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा राम दरबार पंचायती बाड़ा से प्रारंभ होकर बर्तन बाजार, कमालखां देवड़ी, कोलसावाड़ी, गांधी गली, बेगम बाजार, एसीपी ऑफिस, शृंग ऋषि भवन, फीलखाना एवं अजीज प्लाजा सहित विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए राम दरबार मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातःकाल अभिषेक, हवन एवं महाआरती के साथ हुआ। शोभायात्रा में सजाई गई विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक झांकियां श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। इस दौरान भगवान शंकर की भव्य बारात भी निकाली गई, जिसमें समाजबंधुओं ने श्रद्धा और उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, पूर्व पार्षद जी. शंकर यादव, डीसीसी कांग्रेस प्रदेश के एम. रोहित कुमार तथा समाज गौरव ऋषभ तिवाड़ी (एसीपी, मलकाजगिरी) उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सिखवाल ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष भगवान व्यास के साथ रामचंदर तिवाड़ी, रंगलाल ओझा, दामोदर ओझा, बिंजराज ओझा, कन्हैयालाल तिवाड़ी, मुरलीधर उपाध्याय, हरिकिशन ओझा, रामेश्वर लाल एलआईसी, मोतीलाल जोशी, श्यामसुंदर उपाध्याय धाकड़ी, किशोर तिवाड़ी, निरंजन जोशी, रामदेव नागला, सूर्यप्रकाश नागला, चंद्रभान व्यास, जगदीश ओझा, जगदीश कोलरिया, जगदीश उपाध्याय, कन्हैयालाल व्यास, रामदेव व्यास, सत्यनारायण व्यास, प्रह्लाद व्यास, अनिल जायलवाल, संदीप जायलवाल, मांगीलाल नागला, बद्रीलाल नागला, गोविंद उपाध्याय, पुरुषोत्तम व्यास, रामदेव नागला, अज्ज गुरु वैष्णव सहित समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सिखवाल सेवा संघ के अध्यक्ष वल्लभ उपाध्याय, उपाध्यक्ष कन्हैयालाल व्यास, रामदेव ओझा, विनोद पंडिया, विष्णुगोपाल तिवारी, लक्ष्मीनिवास व्यास एवं उमेश व्यास सहित समस्त सिखवाल समाजबंधुओं ने कार्यक्रम में सहभागिता की। समारोह के दौरान आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाली 'श्रावण की सैर 18 खेड़ा, जैतारण पट्टी' के बैनर एवं टिकट का विमोचन भी अतिथियों और समाज के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सिखवाल सेवा संघ के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय सुरेश उपाध्याय को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज के प्रति उनकी सेवाओं एवं योगदान का स्मरण किया गया।

गोशामहल में बोनालू उत्सव के लिए मंदिरों को सहायता राशि के चेक वितरित

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आषाढ़ मास के बोनालू उत्सव के अवसर पर तेलंगाना सरकार की ओर से गोशामहल क्षेत्र के मंदिरों में धूप, दीप और नैवेद्य सहित अन्य धार्मिक व्यवस्थाओं के खर्च के लिए सहायता राशि के चेक वितरित किए गए। इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य केतावत शंकर नायक और स्थानीय विधायक राजा सिंह ने मंदिरों के प्रतिनिधियों को चेक सौंपे। कार्यक्रम में गोशामहल विधायक राजा सिंह, सुनीता, श्रीकांत, विभिन्न मंदिरों के अध्यक्ष, मंदिर कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि बोनालू उत्सव को भव्य और सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए राज्य सरकार हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है।

तेलंगाना भर में लगातार बारिश से जलाशयों का जलस्तर बढ़ा

ओपन कास्ट-थर्ड कोयला खदानें बाढ़ के पानी में डूबी

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गहरे दबाव के प्रभाव से हो रही लगातार बारिश तेलंगाना के कई हिस्सों में कहर बरपा रही है, जिससे स्थानीय नदियों में भीषण उफान आ गया है और कृष्णा और गोदावरी बेसिन के प्रमुख जलाशयों में भारी मात्रा में बाढ़ का पानी भर गया है।

जुराला, श्रीरामसागर और निज़ामसागर परियोजनाओं में जलस्तर तेज़ी से बढ़ गया है। भद्राचलम में गोदावरी नदी में भी बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है, जहां जलस्तर अब 27.4 फीट तक पहुंच गया है। लगातार बारिश के कारण कई झरने उफान पर हैं, जिसके चलते अधिकारियों ने पर्यटकों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है। महबूबनगर जिले में स्थित प्रियदर्शिनी जुराला परियोजना में बाढ़ का पानी भारी मात्रा में आ रहा है। अधिकारियों ने अतिरिक्त पानी को निचले इलाकों में छोड़ने के लिए 10 स्पिलवे गेट खोल दिए हैं। परियोजना में वर्तमान में 91,000 क्यूसेक पानी आ रहा है, जबकि 81,695 क्यूसेक पानी बाहर जा रहा है। जलाशय का पूर्ण जलस्तर (एफआरएल) 318.516 मीटर है, जबकि वर्तमान जलस्तर 317.35 मीटर है। जलाशय की पूर्ण भंडारण क्षमता 9.657 टीएमसी है, जबकि वर्तमान भंडारण 7.371 टीएमसी तक पहुंच गया है। भारी जल प्रवाह के बावजूद, ऊपरी और निचले जलविद्युत संयंत्रों की 11 इकाइयों में बिजली उत्पादन जारी है। निज़ामाबाद जिले में श्रीरामसागर परियोजना (एसआरएसपी) में भी लगातार बारिश के कारण मध्यम स्तर का बाढ़ जल प्रवाह हो रहा है। वर्तमान में जल प्रवाह 6,250 क्यूसेक है। इसके जलस्तर के न्यूनतम स्तर (एफएल) 1,091 फीट के मुकाबले वर्तमान जलस्तर 1,065 फीट है। इस जलाशय की कुल भंडारण क्षमता 80 टीएमसी है, जिसमें से वर्तमान में 16 टीएमसी उपलब्ध है। निज़ामाबाद जिले में स्थित निज़ामसागर परियोजना में 3,935 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा है। इस परियोजना का जलस्तर 1,405 फीट है और भंडारण क्षमता 17.802 टीएमसी है।

वर्तमान जलस्तर 1,395.83 फीट है, जबकि भंडारण 7.146 टीएमसी है। संगारेड्डी जिले में स्थित सिंगुर परियोजना में बाढ़ के मौसम के दौरान मामूली जल प्रवाह हो रहा है। जलाशय में 517 क्यूसेक जल का प्रवाह हो रहा है और 470 क्यूसेक जल का बहिर्वाह हो रहा है। इसकी पूर्ण भंडारण क्षमता 29.9 टीएमसी है, जबकि वर्तमान में इसमें 4.249 टीएमसी जल का भंडारण है। इस बीच, पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जयशंकर भूपालपल्ली जिले में कोयला उत्पादन बाधित हो गया है। भूपालपल्ली डिवीजन में स्थित ओपन कास्ट-सेकेंड और ओपन कास्ट-थर्ड कोयला खदानें बाढ़ के पानी में डूब गई हैं, जिसके चलते दो दिनों के लिए परिचालन बंद करना पड़ा है।

वेमुलवाड़ा बस स्टेशन का 1.62 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण : मंत्री पोंनम

> तिप्पापुर बस स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्यों का शिलान्यास

वेमुलवाड़ा, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोंनम प्रभाकर ने कहा कि राज्य सरकार महालक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा सफलतापूर्वक उपलब्ध करा रही है।

उन्होंने कहा कि इस योजना से महिलाओं को बड़ी राहत मिली है और राज्य सड़क परिवहन निगम में यात्रियों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। गुरुवार को वेमुलवाड़ा तिप्पापुर बस स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्यों का मंत्री पोंनम प्रभाकर, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव और मंत्री अदलूरी लक्ष्मण कुमार ने शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने कोरुटला होते हुए बासरा के लिए नई द्रुत बस सेवा का शुभारंभ किया। इस

अवसर पर मंत्री पोंनम प्रभाकर ने कहा कि सरकार बनने के 48 घंटे के भीतर ही महिलाओं के लिए महालक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त बस यात्रा शुरू कर चुनावी वादा पूरा किया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं की मुफ्त यात्रा के कारण परिवहन निगम में यात्रियों की संख्या काफी बढ़ी है। यात्रियों की सुविधा के लिए नई बसों की खरीद के साथ ही कर्मचारियों की नियुक्तियां भी की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1984 में निर्मित वेमुलवाड़ा बस स्टेशन का 1.62 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

दक्षिण काशी के नाम से प्रसिद्ध वेमुलवाड़ा में प्रतिदिन लगभग 250 बसें और 560 फेरे संचालित होते हैं। मंत्री ने बताया कि वेमुलवाड़ा से कोरुटला होते हुए बासरा के लिए नई द्रुत बस सेवा शुरू की गई है। इससे पहले मुंबई के लिए भी बस सेवा शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि घाटे में चल रहे परिवहन निगम को लाभ की दिशा में लाया गया है और कर्मचारियों से किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वेमुलवाड़ा बस स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 50 हजार लोग यात्रा करते हैं। महालक्ष्मी योजना के तहत अब तक 334.11 करोड़ महिलाओं ने मुफ्त यात्रा की है, जिससे उन्हें लगभग 11,668 करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 2,600 नई बसें खरीदी गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बस स्टेशनों का विकास किया जा रहा है।

चेक पोस्ट पर अवैध वसूली के आरोप में कांस्टेबल सस्पेंड

मदनूर, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी जिले के मदनूर मंडल में स्थित सलाबतपुर उत्पाद शुल्क चौकी पर सीमा जांच के नाम पर अवैध वसूली चल रही है। उत्पाद शुल्क कर्मचारी बिना नाम बैज वाले ट्रकों को रोककर उनसे पैसे वसूल रहे हैं। हाल ही में, एक ट्रक चालक ने इस वसूली का वीडियो बनाया और कर्मचारियों ने विरोधाभासी जवाब दिए। इस विषय पर तत्काल कानूनी कार्यवाही करते हुय उच्च अधिकारी ने एक नोटिस दी इस में बताया कि सालबतपुर अंतरराज्यीय चेक पोस्ट पर एक सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई), तीन हेड कांस्टेबल और छह कांस्टेबल तैनात हैं। गुरुवार के दिन सालबतपुर अंतरराज्यीय चेकपोस्ट से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गया। कामारेड्डी जिला निषेध एवं उत्पाद शुल्क विभाग ने वीडियो में उल्लिखित मुद्दों को गंभीरता से लिया है। इस संदर्भ में, कामारेड्डी के जिला केंद्रीय निषेध एवं उत्पाद शुल्क अधिकारी बी. मुकुंद रेड्डी ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घटना से जुड़े सभी तथ्यों की गहन जांच करने और सच्चाई का पता लगाने के लिए तत्काल आधिकारिक जांच करने का निर्देश दिया है। सूत्रों से पता चला है कि एक कांस्टेबल को इस मामले में सस्पेंड कर दिया गया है।

मियापुर हत्याकांड में दोषी पाए गए व्यक्ति को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के एलबी नगर स्थित एक अदालत ने मियापुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत 2022 के एक सनसनीखेज मामले में एन. शोभा की हत्या और उनकी बेटी वैभवी की हत्या के प्रयास के लिए येद्दू संदीप कुमार उर्फ बबलू (26) को कठोर आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। बारहवीं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश टी अनीता ने दोषी को हत्या के प्रयास के लिए 10 साल के कठोर कारावास और घर में जबरन घुसने के लिए तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई, साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी वैभवी के साथ संबंध टूटने के बाद से ही उसे परेशान कर रहा था, उसके चरित्र पर संदेह जता रहा था और बार-बार उसे धमकी दे रहा था। उसकी सगाई के बारे में पता चलने पर, वह 13 दिसंबर, 2022 को परिवार के घर में घुस गया और वैभवी और उसकी मां पर चाकू से हमला कर दिया। शोभा ने अगले दिन चोटों के कारण दम तोड़ दिया, जबकि वैभवी हमले में बच गई। आरोपी ने बाद में आत्महत्या का प्रयास किया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

दक्षिण मध्य रेलवे

@SCRailwayindia

www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, सीई/सी/पीएलजी. & एसवाय./एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम संख्या:01, एनआयटी संख्या: पीजीएमएस-01-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.08-07-2026, **कार्य विवरण:** सीएओ कंस्ट्रक्शन इकाई, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद के लिए, परियोजना सामान्य प्रबंधन सेवाएं या प्रोजेक्ट जनरल मैनेजमेन्ट सर्विसेज प्रदान करने हेतु पीजीएमएस एजेंसी की नियुक्ति। अनुमानित मूल्य रु.360,02,60,000.00, अग्रधन रु.7,20,05,200.00, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 60 (साठ) महिने, **खोलने की तिथि:** 21-09-2026 के 15.00 बजे

क्रम संख्या:02, एनआयटी संख्या: 37-सीएओ-सी-एससी-2026, दि.23-07-2026, **कार्य विवरण:** दमरे निर्माण संगठन-मनोहराबाद तथा कोथापल्ली स्टेशनों के बीच प्रस्तावित नई बीजी लाइन का कार्य-जीजेडब्ल्यूएल-एलकेडीएम सेक्शन-नई पुल पर सडक या रोड ओवर ब्रिज नं.90/ए का प्रस्तावित निर्माण कार्य एवं तत्संबंधित निर्माण कार्य में एप्रोचेस सहित हैदराबाद डिवीजन के कोडाकोन्ड्ला एवं लकडारम स्टेशनों के बीच कुकुनूरपल्ली तथा बोब्बाइपल्ली बीटी रोड पर सीएच: 45190 एम पर मौजूदा अस्थायी मानवनिर्मित एलसी नं.2 के स्थान पर किसी भी तरफ शामिल 14X18.40 एम आरसीसी गिर्डर+1X36.00 एम कम्पोजिट गिर्डर (रेलवे प्रापर) +9X18.40 एम आरसीसी गिर्डर व्यवस्था कार्य। **अनुमानित मूल्य रु.**531591171.90 पैसे, अग्रधन रु.10631800.00, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 (अठारह) महिने, **खोलने की तिथि: 28-08-2026 के 15.00 बजे**

i. बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइट: https://ireps.gov.in पर लॉग इन करें।
ii. निविदाकार अपने ऑफर्स को ऑनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने की तिथि से पंद्रह दिनों की अवधि से पहले प्रस्तुत कर सकते हैं।
iii.निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य प्रशासन अधिकारी, निर्माण, सिकंदराबाद

निविदा सं. 18 _2026 _27 _ एसआर. डीईई_टीआरडी _ एचवायबी, दि.28-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरडी/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदा सं. 18_2026 _27 _ एसआर. डीईई_टीआरडी _ एचवायबी, दि.28-07-2026, बंद करने की तिथि: 19-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता या बिड्डर्स अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि व समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल ऑफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी मैन्युएल ऑफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

क्रम संख्या:01, कार्य विवरण: हैदराबाद डिवीजन- सिकंदराबाद-ढोने (अप&डाउन)-वक्रों का पुनः संरेखन या रिएलाइनमेंट आफ कर्व्ज-7 नंबर्स। विज्ञापित निविदा मूल्य रु.4,57,11,066.00, अग्रधन रु. 9,14,200,00, कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, बंद करने की तिथि: 19-08-2026

वेबसाइट विवरण:www.ireps.gov.in
निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थान: एसआर.डीईई/ टीआरडी/ एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500025

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, हैदराबाद

A595

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

एमजीआईटी 1 अगस्त को अपना पहला दीक्षांत समारोह आयोजित करेगा

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान (एमजीआईटी), गांडीपेट, 1 अगस्त को अपना पहला दीक्षांत समारोह मनाएगा, जिसमें पहले दो स्वतंत्र बैचों के स्नातक होने का जश्न मनाया जाएगा। 1,000 से अधिक स्नातकों के अपने परिवारों के साथ समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। जेएनटीयूएच के कुलपति प्रोफेसर टी किशन कुमार रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे, जबकि परसिस्टेंट सिस्टम्स के उपाध्यक्ष प्रसाद चेटलुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

प्रशिक्षण के दौरान गंभीर आरोप तो जनता का विश्वास कैसे जीतेंगे?

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल पुलिस अकादमी (एनपीए) के उदय कृष्ण रेड्डी प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी की गिरफ्तारी ने न केवल पुलिस व्यवस्था, बल्कि प्रशासनिक सेवा के नैतिक मानकों पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक साथी प्रशिक्षु अधिकारी की शिकायत पर दर्ज मामले में आरोपी अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शिकायत में यौन उत्पीड़न, मारपीट, धमकी, अश्लील संदेश भेजने, निजी वीडियो रिकॉर्ड करने और ब्लैकमेल करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बहरहाल, मामले की जांच जारी है और आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस सेवा केवल कानून लागू करने का काम नहीं है, बल्कि जनता का विश्वास जीतने और उनकी

सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी है। आईपीएस अधिकारी बनने से पहले प्रशिक्षण के दौरान ही यदि किसी अधिकारी पर इस तरह के गंभीर आरोप सामने आते हैं, तो स्वाभाविक रूप से यह चिंता पैदा होती है कि भविष्य में ऐसे अधिकारी जनता के साथ कैसा व्यवहार करेंगे। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी आरोपी को अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने से पहले उसे दोषी मान लेना उचित नहीं है। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है कि आरोप साबित होने तक व्यक्ति निर्दोष माना जाता है। इसलिए अंतिम निष्कर्ष न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही निकाला जाना चाहिए। इसके बावजूद, यह घटना प्रशिक्षण संस्थानों में अनुशासन, नैतिक शिक्षा और जवाबदेही को और मजबूत करने की आवश्यकता की ओर संकेत करती है। पुलिस जैसी संवेदनशील सेवा में केवल शारीरिक और बौद्धिक क्षमता ही नहीं, बल्कि चरित्र, संयम और महिलाओं के प्रति सम्मान भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

यदि जांच में आरोप सही साबित होते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है, ताकि पुलिस सेवा की साख बनी रहे और जनता का विश्वास कायम रहे। वहीं यदि आरोप गलत साबित होते हैं, तो संबंधित अधिकारी को कानून के अनुसार न्याय मिलना भी उतना ही जरूरी है।

महिला की हत्या के प्रयास के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दैबाग के समोसा गली के पास पारिवारिक संपत्ति विवाद को लेकर एक महिला की हत्या के प्रयास के आरोप में तप्पाचबूतरा पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और शस्त्र अधिनियम, 1959 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद दस्तगीर शरीफ, गुलाम नबी कुरैशी और मोहम्मद उस्मान ने पीड़िता के घर में घुसकर उस पर चाकू से हमला किया और जब उसके पति ने बीच-बचाव किया तो उस पर भी हमला किया।

पूर्व पार्षद ने ज़ोनल कमिश्नर से समस्या हल करने की मांग की

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के जाम बाग़ डिवीज़न के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल ने आज ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के गोलकोंडा ज़ोनल कमिश्नर उदय कुमार से मुलाक़ात की। उन्होंने अपने डिवीज़न से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की, जैसे कि खराब स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम, सीसी

सड़कों की मरम्मत (पैच वर्क) और बोरवेल का काम न करना। श्री जायसवाल ने ज़ोनल कमिश्नर से इन मामलों पर कार्रवाई करने और इन्हें जल्द से जल्द हल करने का अनुरोध किया। उन्होंने कॉर्पोरेटरों के लिए पहले मंज़ूर किए गए 1 करोड़ रुपये के उन कामों के बारे में भी बात की जो अभी तक पूरे नहीं हुए हैं। ज़ोनल कमिश्नर ने उनकी बात ध्यान से सुनी और भरोसा दिलाया कि सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश से 589 सरकारी इमारतों का ट्रांसफर

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के बंटवारे के बारह साल बाद भी केंद्र सरकार राज्य के बंटवारे से जुड़े अहम मुद्दों को हल नहीं कर पाई है, जिसमें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के बीच आवंटित सरकारी इमारतों का ट्रांसफर भी शामिल है। नदी के पानी के बंटवारे के अनसुलझे विवादों और प्रोजेक्ट की मंज़ूरी में देरी के अलावा, सरकारी इमारतों का आवंटन भी अभी तक तय नहीं हो पाया है। इस लंबी देरी का फ़ायदा उठाते हुए, आंध्र प्रदेश सरकार ने तेलंगाना के लिए तय कई इमारतें अभी तक नहीं सौंपी हैं, जबकि संयुक्त राजधानी की व्यवस्था की समय-सीमा भी खत्म हो चुकी है। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 के तहत, बंटवारे के बाद पाटीगड्डा, बंजारा हिल्स, कुंदनबाग, एर्रामंज़िल, सैफाबाद, मलकपेट, खलादेरा और मदान्नापेट जैसे इलाकों में मौजूद सरकारी इमारतें आंध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रण में आ गई थीं। हैदराबाद में मौजूद 2,565 सरकारी इमारतों में से 589 आंध्र प्रदेश को आवंटित की गई थीं, जबकि बाकी 1,976 तेलंगाना के पास रहीं।

कुकटपल्ली मुसापेट स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर गौशाला के महंत श्री श्री 108 मदनमोहन दास ने राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला से राजभवन में मिलकर ट्रस्ट के विकास और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में आ रही रुकावट और समस्याओं से अवगत कराया । उनके साथ रामेश्वर शुक्ल, अशोक कुमार तिवारी बाबूलाल सीरवी दुर्गाराम सीरवी नाथूराम परिहार व अन्य।

सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी के संस्मरण का लोकार्पण

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने लोक भवन में पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) एवं हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स, तेलंगाना, परेश कुमार शर्मा (आईएफएस, सेवानिवृत्त) द्वारा लिखित पुस्तक फुटप्रिंट्स इन द फॉरेस्ट्स मेमॉयर्स ऑफ ए फॉरेस्टर का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर एसआरएएस पब्लिश की श्रीमती सुप्रिया भालेराव, वन अधिकारी डॉ. मनोरंजन भांजा (आईएफएस, सेवानिवृत्त) तथा मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता सुश्री नेहा व्यास भी उपस्थित थीं। श्री शर्मा ने बताया कि यह पुस्तक तीन दशकों से अधिक की वन सेवा के अनुभवों पर आधारित है। इसका उद्देश्य सेवारत अधिकारियों, नए अधिकारियों, अन्य सिविल सेवकों, प्रकृति प्रेमियों तथा सिविल सेवा के अभ्यर्थियों को उनके अनुभवों से लाभान्वित करना है। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि नीति-निर्माताओं का ध्यान राष्ट्रीय वन नीति तथा जलवायु परिवर्तन संबंधी भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के अनुरूप वन एव प्रकृति संरक्षण की ओर आकर्षित करें तथा इस क्षेत्र के लिए बजटीय आवंटन बढ़ाने का प्रयास करें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल और संतुलित पर्यावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि वन समस्त जीव-जंतुओं के जीवन का आधार हैं।

उद्यमों की भूमिका विषय पर हिंदी में तकनीकी सेमिनार

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विकसित भारत 2047 में उद्यमों की भूमिका विषय पर हिंदी में एक-दिवसीय तकनीकी सेमिनार हुआ। भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले उद्यम, मिश्र धातु निगम लिमिटेड में, इसके संस्थापक अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. आर.वी. ताम्हणकर की 109वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक-दिवसीय तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. ताम्हणकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई, जिसके बाद औपचारिक रूप से दीप प्रज्वलन और वंदे मातरम का गायन किया गया।

मिधानी की निदेशक (वित्त) सुश्री के. मधुबाला ने सेमिनार की अध्यक्षता की। डीआरडीओ के विशेष परियोजना निदेशालय के निदेशक और वैज्ञानिक डॉ. अनुपम शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। हैदराबाद स्थित हिंदी शिक्षण योजना की सहायक निदेशक (प्रभारी) डॉ. सीमा कुमारी और सहायक निदेशक डॉ. रविचंद्र विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पीपीटी प्रस्तुतियों वाले पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता भारत डायनामिक्स लिमिटेड के उप महाप्रबंधक (एचआर—राजभाषा) होमानिधि शर्मा ने की और अतिरिक्त महाप्रबंधक निशंक कुमार जैन ने सह-अध्यक्षता की। दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. सीमा कुमारी ने की और मिधानी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (स्टोर्स) प्रवीण एस. वरद ने सह-अध्यक्षता की। स्वागत भाषण अतिरिक्त महाप्रबंधक (खरीद) शुभदीप घोष ने दिया। इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के प्रभारी हरिकृष्ण वी. और एजीएम (एचआर) (प्रभारी: सुरक्षा, ईएमएस और टीएंडडी) एम.पी. रमेश भी उपस्थित थे। इस सेमिनार में टोलिक , डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं, इंजीनियरिंग और डिग्री कॉलेजों तथा मिधानी के सदस्य कार्यालयों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। तकनीकी सत्रों के दौरान 20 प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें राजभाषा के कार्यान्वयन और उद्यमों की भूमिका पर प्रकाश डाला गया ताकि इस विज़न को साकार किया जा सके।

महबूबाबाद में ट्रक पलटने के बाद लोगों ने सेब लूटे

महबूबाबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के माटेदु गाँव के निवासियों और वहाँ से गुज़रने वाले लोगों की तो जैसे लॉटरी ही लग गई, जब सेब से भरा एक ट्रक बेकाबू होकर पलट गया और सड़क किनारे एक गड्ढे में जा गिरा। यह घटना गुरुवार को थोरूर मंडल के माटेदु गाँव के पास वारंगल-खम्मम नेशनल हाईवे पर हुई। जिन लोगों ने ट्रक को गड्ढे में गिरते और सेब के बक्सों को ज़मीन पर बिखरते देखा, वे सेब उठाने के लिए दौड़ पड़े और कुछ ही मिनटों में पूरा माल साफ हो गया। पुरुष, महिलाएँ, बुज़ुर्ग और बच्चे बोरे और बैग लेकर मौके पर पहुँचे और एक-दूसरे से होड़ करते हुए जितना हो सका, उतने सेब ले गए। रास्ते से गुज़रने वाले लोग भी रुके और अपने हिस्से के सेब ले गए। लोगों द्वारा सेब लूटने के वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर शेयर किए गए और वायरल हो गए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स में तीसरा गोल्ड

पैरा 100 मीटर रेस में गावित पहले, बासिल दूसरे नंबर पर रहे; लॉन्ग जंप में मुरली को सिल्वर

दिलीप महादु गावित

मोहम्मद बासिल

मुरली श्रीशंकर

ग्लासगो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दिलीप महादु गावित ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवें दिन भारत को तीसरा गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने पुरुषों की पैरा टी47 कैटेगरी में 100 मीटर रेस में 10.71 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया।

भारत के ही मोहम्मद बासिल ने 10.83 सेकेंड के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि इंग्लैंड के केविन सैंटोस ने 10.85 सेकेंड के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। गावित से पहले भारत के लिए महिलाओं के पैरा शॉटपुट एफ57 इवेंट में शर्मिला धनकड़ और रविवार को वेटलिफ्टिंग के 48 किलोग्राम इवेंट में मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीत चुकी हैं।

इससे पहले सातवें दिन लॉन्ग जंपर मुरली श्रीशंकर ने 8.09 मीटर की छलांग लगाकर सिल्वर मेडल जीता।

वह पुरुषों की लॉन्ग जंप में लगातार दो कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय बने। इस इवेंट का गोल्ड जमैका के तजय गेल ने 8.15 मीटर की जंप के साथ जीता।

छठे दिन के मुकाबले समाप्त होने के बाद भारत के खाते में 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज समेत कुल 15 मेडल हो गए हैं। इसके साथ ही भारतीय टीम मेडल टैली में आठवें स्थान पर पहुंच गई। भारत पांचवें दिन नौवें स्थान पर खिसक गया था। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 47 गोल्ड समेत कुल 103 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

रहाणे का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास, भावुक हुए

बोले- अब नया पड़ाव; 2020 में कप्तानी की, मेलबर्न में सेंचुरी, सीरीज 2-1 से जीते

मुंबई, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी।

फॉर्मेट	मैच	रन	औसत	50/100
टेस्ट	85	5077	38.46	26/12
वनडे	90	2962	35.26	24/3
टी20I	20	375	20.83	1/0

रहाणे के करियर का सबसे सुनहरा अध्याय 2020-21 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर लिखा गया। एडिलेड टेस्ट में भारत के 36 रन पर ऑलआउट होने और विराट कोहली के लौटने के बाद रहाणे ने कप्तानी संभाली। मेलबर्न में शतक लगाकर उन्होंने भारत को जीत दिलाई और सीरीज 1-1 से बराबर की। रहाणे की कप्तानी में भारत ने गाबा में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से सीरीज हराई और उसका 32 साल पुराना अजेय रिकॉर्ड तोड़ा।

रहाणे ने भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में 2011 में डेब्यू किया था। उन्होंने पहला वनडे 3 सितंबर 2011 को इंग्लैंड के खिलाफ चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेला, जबकि टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू 31 अगस्त 2011 को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ किया।

रहाणे ने टेस्ट क्रिकेट में 22 मार्च 2013 को दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला मैच खेला। उनका आखिरी टेस्ट 20-24 जुलाई 2023 के बीच पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ रहा।

वनडे में उन्होंने अपना आखिरी मुकाबला 16 फरवरी 2018 को सेंचुरियन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला, जबकि टी-20 इंटरनेशनल में आखिरी बार 28 अगस्त 2016 को लॉडरहिल में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया।

रहाणे ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी की। टेस्ट क्रिकेट में रहाणे ने 6 मैचों में भारत की कप्तानी की। इनमें टीम ने 4 मुकाबले जीते, जबकि 2 टेस्ट ड्रॉ रहे।

वनडे में उन्होंने 3 मैचों में टीम की कमान संभाली और भारत ने तीनों मुकाबले जीते। वहीं, टी-20 इंटरनेशनल में रहाणे ने 2 मैचों में कप्तानी की, जिसमें भारत को 1 जीत और 1 हार मिली।

रहाणे ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी की थी। वे IPL में कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने 212 मैचों में 5,367 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 125.60 और औसत 30.15 रहा। उनके नाम आईपीएल में 2 शतक और 35 अर्धशतक दर्ज हैं।

नीरज, रोहित और यश जैवलिन फाइनल में

नीरज ने 79.61 मीटर का थ्रो किया, पाकिस्तान के अरशद भी क्वालिफाई

ग्लासगो, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के नीरज चोपड़ा, रोहित यादव और यश वीर सिंह कॉमनवेल्थ गेम्स के जैवलिन थ्रो फाइनल में पहुंच गए हैं। क्वालिफिकेशन राउंड में नीरज ने 79.61 मीटर का बेस्ट थ्रो कर पांचवां स्थान हासिल किया।

पाकिस्तान के ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम 78.63 मीटर के साथ सातवें स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। मेडल इवेंट शुक्रवार देर रात 12:45 बजे से खेला जाएगा।

नीरज ने पहले प्रयास में 76.28 मीटर और दूसरे प्रयास में 79.61 मीटर का थ्रो किया। इसके बाद उन्होंने तीसरा प्रयास नहीं किया और पांचवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया।

भारत के रोहित यादव 78.37 मीटर के साथ नौवें और यश वीर सिंह 78.36 मीटर के साथ दसवें स्थान पर रहे।

क्वालिफिकेशन में श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे 82.84 मीटर के साथ पहले स्थान पर रहे। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (81.29 मीटर), साउथ अफ्रीका के डाउ स्मिट (80.64 मीटर) और इंग्लैंड के बेन ईस्ट (80.38 मीटर) ने भी नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान के अरशद नदीम दूसरे और तीसरे प्रयास में सुधार नहीं कर सके। उनका बेस्ट थ्रो पहले प्रयास का 78.63 मीटर रहा। इसी की बदौलत उन्होंने सातवें स्थान से फाइनल में प्रवेश किया।

क्वालिफाइंग राउंड में खिलाड़ियों को 3 अटेम्प्ट मिलते हैं। ऑटोमैटिक क्वालिफाइंग मार्क हासिल करने वाले खिलाड़ी सीधे फाइनल में पहुंचते हैं। इसके अलावा टॉप 12 खिलाड़ी फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई करते हैं।

नीरज और अरशद की पहली भिड़ंत 2016 साउथ एशियन गेम्स में हुई थी। इसके बाद दोनों 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आए। इनमें नीरज ने 10 बार अरशद को पीछे छोड़ा। अरशद को एकमात्र सफलता पेरिस ओलिंपिक 2024 में मिली थी, जहां उन्होंने 92.97 मीटर के ओलिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड जीता था। नीरज ने 89.45 मीटर के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया था।

नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर थ्रो फेंककर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जैवलिन थ्रोअर हैं।

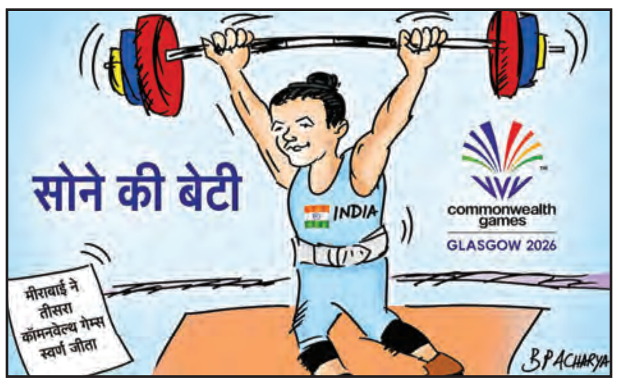

वैभव सूर्यवंशी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के उप-कप्तान बने

ईशान किशन को कप्तानी, मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी टीम में

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। ईशान किशन को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उप-कप्तान बनाया गया है।

टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं। वहीं, चोट के कारण रियान पराग और आकाश दीप का चयन नहीं हुआ। दलीप ट्रॉफी 23 अगस्त से खेली जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी ने इसी महीने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया था। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर तीसरे टी-20 में 49 गेंदों पर 81 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और पूरी सीरीज में 181 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

इससे पहले इसी साल जिम्बाब्वे में खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन बनाकर भारत को चैंपियन बनाया था। कम उम्र में ही वैभव ने बड़े मुकाबलों में खुद को साबित किया है। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 97 रन और क्वालिफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 96 रन की अहम पारियां खेलीं।

पिछले महीने श्रीलंका में इंडिया-ए की ओर से ट्राई सीरीज के फाइनल में भी उन्होंने 94 रन बनाए थे।

वैभव ने अब तक आठ फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इसमें 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 93 रन है। उन्होंने अपना पिछला फर्स्ट क्लास मुकाबला पिछले साल बिहार की ओर से मेघालय के खिलाफ रणजी प्लेट लीग में खेला था। टीम में वैभव के साथ बंगाल के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। 113 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके ईश्वरन टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बना रहे हैं। झारखंड के शिखर मोहन को रिजर्व ओपनर के तौर पर शामिल किया गया है।

वर्ल्ड स्क्वॉश जूनियर टीम चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष टीम सेमीफाइनल में पहुंची

महिला टीम यूएसए से 1-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर

ओंटारियो (कनाडा), 30 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा के ओंटारियो में चल रही वर्ल्ड जूनियर स्क्वॉश टीम चैंपियनशिप में भारत के लिए मिला-जुला दिन रहा। भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीय इंग्लैंड को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उसका मुकाबला यूएसए से होगा। वहीं, भारतीय महिला टीम क्वार्टर फाइनल में यूएसए से 1-2 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

पिछले साल भारत ने इस प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता था और इस बार टीम अपने प्रदर्शन को बेहतर करने की कोशिश में है। मैच की शुरुआत में आर्यवीर दीवान ने रोनी हिकलिंग को 11-9, 12-10, 11-5 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद इंग्लैंड के इस्माइल खलील ने युशा नफीस को 11-7, 8-11, 11-4, 13-11, 11-7 से हराकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। अंत में गुरवीर सिंह ने जॉर्ज ग्रिफिथ्स को 11-3, 11-8, 11-6 से सीधे गेम में हराकर भारत को जीत दिलाई।

महिला टीम के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को अमेरिका से 1-2 से हार झेलनी पड़ी। हाल ही में वर्ल्ड जूनियर महिला चैंपियन बनी अनाहत सिंह ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने यूएसए की दीया यादव को 11-7, 11-5, 11-4 से हराया।

हालांकि, इसके बाद अमेरिका ने वापसी की। भारत की रुद्रा सिंह को चार्लोट स्ज़े के हाथों 6-11, 4-11, 8-11 से हार मिली। वहीं, अनिका दुबे को लिली बोरेल ने 13-11, 11-8, 11-6 से हराया। इन दो हार के साथ ही भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

लिटन दास बांग्लादेश वनडे टीम के नए कप्तान बने

2027 वर्ल्ड कप के लिए बोर्ड का फैसला; तीन फॉर्मेट के लिए 2 कप्तान होंगे

ढाका, 30 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने लिटन दास को वनडे टीम का नया कप्तान बनाया है। बांग्लादेश क्रिकेट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर इसका ऐलान किया।

बोर्ड ने लिटन की तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें कप्तान बनने पर बधाई दी। बोर्ड का यह फैसला 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का हिस्सा है।

लिटन दास इससे पहले 7 वनडे मैचों में टीम की कमान संभाल चुके हैं। उनकी कप्तानी में 2022 में बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीती थी। उन्होंने 2023 में अफगानिस्तान के खिलाफ दो वनडे और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मैचों में टीम की कमान संभाली थी।

लिटन से मेहदी हसन मिराज टीम के कप्तान थे। मिराज को जून 2025 में टीम कमान सौंपी गई थी। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में बांग्लादेश को 1-2 से हार मिली। इसके बाद उन्हें कप्तानी से हटा दिया गया। मिराज की कप्तानी में बांग्लादेश ने कुल 20 वनडे मैच खेले। इसमें टीम ने 10 मुकाबले जीते, जबकि 9 में हार का सामना करना पड़ा।

बोर्ड प्रेसिडेंट तमीम ने कहा- 'मैनेजमेंट का मानना है कि तीन फॉर्मेट के लिए तीन अलग कप्तान रखने के बजाय दो कप्तान रखना बेहतर है।' अब लिटन दास वाइट बॉल टीम के कप्तान होंगे। वहीं नजमुल हुसैन शांतो टेस्ट के कप्तान बने रहेंगे। तौहीद हृदोय को वाइट बॉल और मेहदी हसन मिराज टेस्ट में उप-कप्तान होंगे। हालांकि तमीम ने कहा है कि फ्यूचर में बांग्लादेश तीनों फॉर्मेट के लिए एक कप्तान पर भी विचार कर सकता है।

तमीम ने कहा कि बोर्ड अब बार-बार बदलाव की बजाय छह महीने के बेस पर प्रदर्शन की समीक्षा करेगा। इस दौरान राष्ट्रीय क्रिकेटरों और कोचिंग स्टाफ के काम का मूल्यांकन किया जाएगा। बोर्ड का लक्ष्य खिलाड़ियों और बोर्ड के बीच की दूरी को कम करना और केवल जीत-हार के आधार पर प्रतिक्रिया देने की संस्कृति को बदलना है।

भारतीय टीम की भगवा जर्सी को लेकर मचा बवाल

पूर्व कप्तान ने उठाए सवाल; हॉकी इंडिया का आया जवाब

नई दिल्ली, 30 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आगामी पुरुष और महिला हॉकी विश्व कप से पहले हॉकी इंडिया ने टीम की पारंपरिक नीली जर्सी की जगह नारंगी (ऑरेंज) रंग की जर्सी लॉन्च की है। इस फैसले पर पूर्व भारतीय कप्तान वीरेन रासक्विन्हा ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि आखिर भारतीय हॉकी की पहचान रहे नीले रंग को बदलने की जरूरत क्यों पड़ी? अब इस विवाद पर हॉकी इंडिया का जवाब भी आया है।

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीम दशकों से नीली जर्सी में खेलती आई हैं। यही रंग भारतीय हॉकी की पहचान बन चुका है। नई ऑरेंज जर्सी सामने आने के बाद पूर्व कप्तान वीरेन रासक्विन्हा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि हॉकी इंडिया ने कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला निराशाजनक है। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'हॉकी इंडिया ने भारत लिए कई अच्छे काम किए हैं, लेकिन यह फैसला शर्मनाक है। भारतीय टीम की विरासत और पहचान हमेशा नीली जर्सी रही है। मैंने कई वर्षों तक गर्व के साथ नीली जर्सी पहनी है। फैंस भी भारतीय टीम को नीली जर्सी में देखना चाहते हैं। आखिर नारंगी (भगवा) रंग का तर्क क्या है?' वीरेन ने आगे कहा, 'मेरा सीधा और विनम्र सवाल सिर्फ भारतीय हॉकी की पहचान, गौरव और विरासत को लेकर है।'

विवाद बढ़ने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस फैसले की वजह स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि यह बदलाव किसी एक व्यक्ति का फैसला नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सपोर्ट स्टाफ के सुझाव पर किया गया है। टिर्की ने बताया, 'यह देखा गया कि नीली जर्सी अंतरराष्ट्रीय हॉकी में इस्तेमाल होने वाले नीले सिंथेटिक टर्फ में काफी हद तक घुल-मिल जाती थी। इससे खिलाड़ियों को मैदान पर एक-दूसरे को पहचानने और विजिबिलिटी में दिक्कत होती थी। कोचों और खिलाड़ियों ने इस समस्या के समाधान के लिए पीले और केसरिया रंग का सुझाव दिया था। सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद केसरिया रंग को चुना गया। तकनीकी जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ केसरिया हमारे राष्ट्रीय ध्वज के तीन रंगों में से एक है, जो साहस, त्याग और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है।'

हॉकी इंडिया ने यह भी साफ किया कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी में बदलाव कोई अभूतपूर्व फैसला नहीं है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर तकनीकी जरूरतों और अन्य आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम की जर्सी के रंग में बदलाव किया जाता रहा है। हॉकी इंडिया ने अपने पुराने उदाहरण भी दिए और बताया कि इससे पहले भी विश्व कप में भारतीय टीम अलग-अलग रंग की जर्सी पहन चुकी है।

हॉकी इंडिया ने कहा, 'उदाहरण के तौर पर 2014 एफआईएच हॉकी विश्व कप के दौरान भारतीय टीम की जर्सी का रंग पीला किया गया था। वहीं 2018 एफआईएच हॉकी विश्व कप में टीम ने पूरी तरह नए डिजाइन के साथ स्काई ब्लू (हल्के नीले) रंग की जर्सी पहनी थी।' हॉकी इंडिया ने यह भी स्पष्ट किया कि इस बार केसरिया रंग चुनने के पीछे केवल प्रतीकात्मक सोच ही नहीं, बल्कि तकनीकी कारण भी हैं।

जो रूट इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने

स्टीफन फ्लेमिंग नए कोच, ,सीएसके को 5 बार चैंपियन बनाया

लंदन, 30 जुलाई (एजेंसियां)। जो रूट इंग्लैंड क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान बनाए गए हैं। रूट हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने वाले बेन स्टोक्स की जगह लेंगे। इसके साथ ही स्टीफन फ्लेमिंग को इंग्लैंड का नया टेस्ट कोच बनाया गया है।

कप्तान के रूप में रूट का पहला असाइनमेंट 19 अगस्त से लीड्स में शुरू होने वाली पाकिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। रूट ने 13 फरवरी 2017 से 15 अप्रैल 2022 तक 64 मैचों में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी की। करीब पांच साल के कार्यकाल के बाद उन्होंने कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था।

इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के लिए पिछले कुछ महीने काफी उथल-पुथल भरे रहे हैं। चेल्सी में सीरीज के पहले मैच के बाद देर रात शराब पीने की घटना और नाइटक्लब विवाद के कारण स्टोक्स को निलंबन का सामना करना पड़ा था। इस विवाद के बाद स्टोक्स ने इसी साल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

51 साल के स्टीफन फ्लेमिंग दुनिया के सबसे सफल क्रिकेट कोचों में गिने जाते हैं। उनकी कोचिंग में चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 बार IPL का खिताब जीता। इसके अलावा वे साउथ अफ्रीका की SA 20 लीग और अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट में भी सीएसके की सिस्टर फ्रेंचाइजियों के कोच रहे हैं।

इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट से भी उनका पुराना नाता रहा है। खिलाड़ी के तौर पर वह मिडलसेक्स, यॉर्कशायर और नॉटिंघमशायर के लिए खेले, जबकि 'द हंड्रेड' में सदर्न ब्रेव के हेड कोच भी रहे।

मैकुलम टेस्ट टीम के कोच पद से हट चुके हैं, लेकिन अगले साल के अंत तक इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम के हेड कोच बने रहेंगे। फ्लेमिंग और मैकुलम लंबे समय से करीबी दोस्त और पेशेवर सहयोगी रहे हैं। ऐसे में अगर फ्लेमिंग टेस्ट टीम की कमान संभालते हैं तो दोनों के बीच तालमेल इंग्लैंड के लिए फायदेमंद माना जा रहा है।

शिक्षकों को आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने के अवसर प्रदान करेंगे : रेवंत रेड्डी

> तेलंगाना को देश का आदर्श शिक्षा मॉडल बनाएंगे : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फिनलैंड और जर्मनी के शैक्षणिक अध्ययन दौरे से लौटे शिक्षकों के दल के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केवल शिक्षा देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से ही तेलंगाना को देश का आदर्श राज्य बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने घोषणा की है कि आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तर्ज पर सरकारी शिक्षकों के लिए हर साल विदेशी अध्ययन यात्राओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि वे ज्ञान प्राप्त कर सकें और प्रशासन में अपने कौशल को उन्नत कर सकें। गुरुवार को फिनलैंड और जर्मनी से प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे शिक्षकों से एमसीआरएचआरडी में बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'अब से हम शिक्षकों को आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने के अवसर प्रदान करेंगे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए आवश्यक खर्चों को सरकार द्वारा वहन करने के लिए योजनाएं बनाई जानी चाहिए।' रेवंत रेड्डी ने जोर देकर कहा कि वे ये सभी पहलें राजनीति या वोटों के लिए नहीं बल्कि गरीबों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आइए हम सब मिलकर शिक्षा के इस मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।' रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए दिसंबर तक एक रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि योजना बनाते समय प्रत्येक मंडल को एक समूह में शामिल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि छात्र तभी जीवन में सफल हो पाएंगे जब उन्हें शिक्षा और अनुशासन प्रदान किया जाएगा। पिछड़ापन संपत्ति या सामाजिक स्थिति से संबंधित नहीं है। शिक्षा का अभाव ही पिछड़ेपन का वास्तविक रूप है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य के राजस्व को बढ़ाना और उसका लाभ गरीबों तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार शिक्षकों की शिकायतों का समाधान करने के लिए तैयार है और राज्य सरकार प्रत्येक छात्र पर 1.08 लाख रुपये खर्च कर रही है। उन्होंने कहा, 'माता-पिता अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाने पर लगभग 50,000 रुपये खर्च करते हैं। हमें इस बात पर विचार करने की आवश्यकता है कि माता-पिता निजी स्कूलों को क्यों पसंद करते हैं। इस वर्ष एक लाख अतिरिक्त छात्रों का नामांकन स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।' रेवंत रेड्डी ने शिक्षा मंत्रालय छोड़ने की विपक्षी दलों की मांग पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा, 'मुझे शिक्षा मंत्रालय से इस्तीफा क्यों देना चाहिए? क्या इसलिए कि नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक नाश्ता उपलब्ध कराया जा रहा है, शिक्षकों की भर्ती और पदोन्नति का प्रबंधन किया जा रहा है, और आईटीआई को एटीसी में बदला जा रहा है?' क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि छात्रों को कौशल से लैस करने के लिए एक कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी, और विश्व स्तर पर सफल कॉर्पोरेट संगठनों के प्रमुखों को कौशल विश्वविद्यालय के बोर्ड में नियुक्त किया गया था?, मुख्यमंत्री ने इस बात को दोहराते हुए कहा कि जनता की सरकार 2034 तक सत्ता में बनी रहेगी और राज्य सरकार सभी सरकारी कर्मचारियों को महीने की पहली तारीख को वेतन दे रही है। उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य है कि शिक्षक छात्रों के साथ अपना अनुभव साझा करें। हमने सरकारी स्कूलों में कई सुधार किए हैं।' रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षकों को विद्यार्थियों में शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करनी चाहिए और सुझाव मांगे।

उन्होंने आश्वासन दिया कि वे शिक्षकों की सभी समस्याओं का समाधान करेंगे और कहा कि शिक्षक संघों को केवल अपने लिए ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के मुद्दों के लिए भी लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'आइए हम अपने सरकारी शिक्षण संस्थानों को विश्व स्तरीय केंद्रों में बदलें। हम सभी को समाज के लिए पांच साल समर्पित करने चाहिए और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को संवारने के साथ-साथ तेलंगाना को राष्ट्र के लिए एक आदर्श बनाने के लक्ष्य के साथ काम करना चाहिए।' मुख्यमंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समाज में मानवीय बंधन टूट जाते हैं, तो न तो परिवार और न ही राष्ट्र स्थिर रह सकता है।

सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराएं : मंत्री सीतक्का

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री डॉ. दनसरी अनसूया सीतक्का ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर पोषण, पूर्व प्राथमिक शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

सचिवालय में महिला एवं बाल कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री सीतक्का ने आंगनवाड़ी केंद्रों की सुविधाओं, कर्मचारियों की नियुक्ति, बच्चों के पोषण आहार, पूर्व प्राथमिक शिक्षा, दत्तक ग्रहण केंद्रों और बाल विवाह रोकथाम जैसे विषयों पर विस्तृत समीक्षा की। मंत्री ने बताया कि पिछले एक वर्ष में 5,938 आंगनवाड़ी केंद्रों में शौचालय, 3,815 केंद्रों में पेयजल सुविधा और 14,271 केंद्रों में बिजली सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि अब राज्य के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र में शौचालय, पेयजल और बिजली की सुविधा अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में लंबित बुनियादी सुविधाओं के कार्यों को बिना किसी देरी के पूरा किया जाए। जहां निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां सहायक अभियंताओं और उप अभियंताओं के साथ समन्वय कर कार्यों की नियमित समीक्षा की जाए तथा प्रत्येक केंद्र की प्रगति रिपोर्ट तैयार रखी जाए। मंत्री ने आंगनवाड़ी बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार और उनके शारीरिक विकास की स्थिति का नमूना सर्वे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सर्वे के परिणामों के आधार पर पोषण कार्यक्रमों में और सुधार किया जाए। सभी जिलों में आंगनवाड़ी बच्चों को दूध और नाश्ता उपलब्ध कराने की योजना को बिना देरी लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि नाश्ता योजना से बच्चों की सुबह की भूख दूर होगी और उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास में सहायता मिलेगी।

मंत्री श्रीधर बाबू ने उप्पल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, उद्योग एवं वाणिज्य तथा विधायी कार्य मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने उप्पल विधानसभा क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों में रमनथापुर स्थित बजरंग व्यायामशाला का विकास, वर्षा जल निकासी नालियों का निर्माण, सीसी सड़कें, फुटपाथ, उप्पल भागायत क्षेत्र में बहुउद्देश्यीय खेल परिसर और बस स्टॉप सुविधाओं का विकास शामिल है। इसके अलावा बोद्राई—चिलकानगर क्षेत्र में सड़क एवं जल निकासी सुधार कार्य तथा चेरलापल्ली क्षेत्र में प्रमुख वर्षा जल निकासी व्यवस्था और सड़क अधोसंरचना विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया गया। इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरी अधोसंरचना को मजबूत करना, नागरिक सुविधाओं में सुधार करना और क्षेत्र के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। कार्यक्रम में मेडक-मल्काजगिरी जिले के कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट मिक्किलिनेनी मनु चौधरी, आईएएस, नगर निगम आयुक्त टी. विनय कृष्ण रेड्डी, आईएएस, उप्पल जोनल आयुक्त राधिका गुप्ता, आईएएस, कीसरा मंडल के राजस्व अधिकारी, नगर निगम के मुख्य अभियंता, उप्पल के उपायुक्त, कार्यकारी अभियंता, जनप्रतिनिधि तथा वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ताजिकिस्तान के राजदूत ने तेलंगाना राज्य अभिलेखागार का किया दौरा

✻ दुर्लभ पांडुलिपियों के अनुवाद और प्रकाशन में सहयोग का प्रस्ताव

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत में ताजिकिस्तान गणराज्य के राजदूत महामहिम बोबोकालोनजोदा लुकमोन ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य अभिलेखागार का दौरा किया और वहां संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों तथा विशाल ऐतिहासिक दस्तावेजों के संग्रह की सराहना की। दौरे के दौरान राजदूत ने कहा कि ताजिकिस्तान सरकार भारत और ताजिकिस्तान के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत दुर्लभ पांडुलिपियों के अनुवाद, लिप्यंतरण और प्रकाशन के लिए तेलंगाना राज्य अभिलेखागार के साथ सहयोग का प्रस्ताव तेलंगाना सरकार को भेजेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य अभिलेखागार में संरक्षित दुर्लभ पांडुलिपियों का ताजिक भाषा में अनुवाद देखना उनके लिए सम्मान की बात होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से ताजिकिस्तान के लोगों को भारत के ज्ञान और समृद्ध विरासत को बेहतर ढंग से समझने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य अभिलेखागार की निदेशक डॉ. जरीना परवीन ने एक शिकस्ता फारसी पांडुलिपि का अध्ययन कर उसका विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के दुर्लभ और जटिल ऐतिहासिक अभिलेखों को समझने के लिए विशेष विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। ताजिकिस्तान के राजदूत ने कहा कि भारत और ताजिकिस्तान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और सभ्यतागत संबंध हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति के क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी होगा और मध्य एशिया में शांति एवं समृद्धि को बढ़ावा देगा। दौरे के दौरान उस्मानिया विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के प्रोफेसर अख्तर अली भी राजदूत के साथ मौजूद रहे। तेलंगाना राज्य अभिलेखागार के सहायक निदेशक एम. ए. रकीब ने राजदूत का स्वागत किया और अभिलेखागार में चल रहे डिजिटलीकरण कार्य की जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक निदेशक संध्या रानी और जी. श्रीकांत भी उपस्थित थे।

तेलंगाना सरकार ने कर्मचारियों से किया वादा निभाया

सौ दिनों में 6 हजार करोड़ रुपये के बकाये का भुगतान

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कर्मचारी संगठनों से किए गए अपने वादे को पूरा करते हुए 100 दिनों के भीतर 6 हजार करोड़ रुपये के लंबित बकाये का भुगतान कर दिया है। सरकार ने इसे कार्यरत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क के निर्देशों के अनुसार वित्त विभाग ने कर्मचारियों से संबंधित लंबित देनदारियों के निपटारे की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया। सरकार ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके आर्थिक हितों की रक्षा के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। कर्मचारी संगठनों के साथ किए गए आश्वासनों को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए प्रशासनिक स्तर पर विशेष प्रयास किए गए हैं।

भारी बारिश के मद्देनजर अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश

> मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले दो दिनों में तेलंगाना में हुई व्यापक वर्षा को देखते हुए, सड़क एवं भवन (आर एंड बी) मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थिति और तैयारियों का आकलन करने के लिए एक समीक्षा बैठक की। मंत्री ने पूर्ववर्ती जिलों और आर एंड बी डिवीजनों में सड़कों, पुलों, निचले स्तर के कॉज़वे और पुलियों की स्थिति की समीक्षा की और कमजोर बुनियादी ढांचे पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक यातायात व्यवस्था की जाए ताकि सड़क संपर्क बाधित न हो। मंत्री ने अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों, जलमग्न पुलों और पुलियों के पास चेतावनी चिन्ह लगाने का भी निर्देश दिया ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। निरंतर सतर्कता की आवश्यकता पर जोर देते हुए, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे फील्ड में बने रहें और यह सुनिश्चित करें कि वर्तमान में निर्माणाधीन सड़कों और पुलों पर पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए जाएं। उन्होंने विभाग को प्रभावी आपदा प्रतिक्रिया के लिए जमीनी स्तर पर राजस्व, पुलिस, बिजली और सिंचाई विभागों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। मंत्री ने अधिकारियों को दैनिक फील्ड रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया और कहा कि वह स्थिति पर नजर रखने के लिए फील्ड इंजीनियरों के साथ नियमित रूप से मोबाइल कॉन्फ्रेंस कॉल करेंगे। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने इंजीनियर-इन-चीफ (ईएनसी) से लेकर असिस्टेंट इंजीनियर (एई) तक सभी आर एंड बी अधिकारियों को स्थिति सामान्य होने तक पूरी तरह सतर्क रहने का निर्देश दिया।

सरकारी स्कूल में क्लासरूम की दीवार गिरी, छात्र सुरक्षित

मेडक, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टेकमाल मंडल के एकलासपुर स्थित सरकारी स्कूल की इमारत का एक हिस्सा मंगलवार को गिर जाने के बाद शिक्षकों को स्कूल में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। जब एक क्लासरूम की बाहरी दीवार गिरी, तो स्कूल में मौजूद 35 छात्र और शिक्षक बिना किसी चोट के बच गए। ज़िला शिक्षा अधिकारी से सलाह लेने के बाद, शिक्षकों ने स्कूल में छुट्टी की घोषणा कर दी।

लोकसभा में राहुल गांधी का आचरण विपक्ष के नेता के पद का अपमान : एनवीएसएस प्रभाकर

हैदराबाद, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लोकसभा में उनका हालिया भाषण और व्यवहार विपक्ष के नेता के पद की गरिमा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणियां संसदीय मर्यादा के विपरीत हैं और उन्होंने सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई है।

राज्य भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता डॉ. पलनाटी वेंकट रेड्डी के साथ गुरुवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में प्रभाकर ने कहा कि राहुल गांधी को स्थानीय स्तर के मंच और देश की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था लोकसभा के बीच का अंतर भी समझ में नहीं आता। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का भाषण तथ्यों से रहित था और इससे देश की जनता निराश हुई। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी पूर्व में भी न्यायालय से लिखित माफी मांग चुके हैं तथा एक मानहानि मामले में उनकी लोकसभा सदस्यता भी समाप्त हुई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी जमानत पर हैं और ऐसे में नैतिकता की बातें करना उचित नहीं है। प्रभाकर ने आरोप लगाया कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान कांग्रेस की देरी के कारण अनेक छात्रों और युवाओं ने आत्मबलिदान किया। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में शुल्क प्रतिपूर्ति निधि समय पर जारी नहीं होने से लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है तथा रोजगार कैलेंडर के नाम पर युवाओं से किए गए वादे पूरे नहीं किए गए। उन्होंने कांग्रेस पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की घटनाओं का भी आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस सरकारों के दौरान भी ऐसी घटनाएं सामने आई थीं। भाजपा नेता ने राहुल गांधी की कथित विदेशी यात्राओं और नागरिकता से जुड़े विवादों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें इन विषयों पर देश की जनता के सामने स्पष्ट जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशों में दिए गए कुछ बयान देश की छवि और सशस्त्र बलों के मनोबल को प्रभावित करने वाले रहे हैं। प्रभाकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के प्रति राहुल गांधी का व्यवहार अनुचित है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी का आचरण लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार सवार व्यक्ति की मौत

सिद्दिपेट, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के बेज्जांकी मंडल के रेगुलपल्ली जाते समय एक अज्ञात वाहन ने पीछे से कार को टक्कर मार दी, जिससे कार सवार व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक का नाम जेल्ला शेखर (30) था और वह रेगुलपल्ली का रहने वाला था। वह सिद्दिपेट से राजीव राहदारी होते हुए अपने गाँव जा रहा था, तभी बेज्जांकी क्रॉस रोड के पास यह हादसा हुआ। गंभीर चोटें लगने के कारण शेखर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस हादसे में शामिल वाहन की पहचान करने की कोशिश कर रही थी। मृतक के परिवार में उनकी पत्नी, बेटी और बेटा हैं।

निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार की जाए : संजय जाजू

> राज्य निर्यात संवर्धन समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को निर्यातकों की चिंताओं को दूर करने, बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, नए अंतरराष्ट्रीय बाजारों की खोज करने और निर्यात-अनुकूल नीतियों को लागू करके राज्य के निर्यात विकास को गति देने के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।

गुरुवार को सचिवालय में राज्य निर्यात संवर्धन समिति (एसईपीसी) की बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को उद्योगों, विनिर्माण, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, फार्मास्यूटिकल्स, हस्तशिल्प और आईटी-सक्षम सेवाओं सहित प्रमुख क्षेत्रों से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निकट समन्वय में काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे उपायों में तेजी लाने का निर्देश दिया जिससे निर्यात के माध्यम से राज्य की आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा मिले और तेलंगाना देश के प्रमुख निर्यात केंद्रों में से एक के रूप में स्थापित हो सके। अधिकारियों ने बैठक को जानकारी दी कि तेलंगाना ने पिछले वित्तीय वर्ष में 1,22,655 करोड़ का निर्यात दर्ज किया। उन्होंने बताया कि राज्य में कृषि उपज, बागवानी उत्पाद, मुर्गी पालन उत्पाद, सब्जी के बीज, लाल मिर्च और अन्य वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना इन उत्पादों के अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को राज्य में निर्यात वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार के अधीन विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के साथ समन्वय मजबूत करने की सलाह दी।

कोंडा सुरेखा ने राज्यपाल को लश्कर बोनालू समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया

हैदराबाद, 29 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरण एवं वन एवं बंदोबस्ती मंत्री कोंडा सुरेखा, बंदोबस्ती आयुक्त हनुमंत राव के साथ, गुरुवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मिलने गईं। बैठक के दौरान, मंत्री ने राज्यपाल को सिकंदराबाद में होने वाले आगामी आषाढ़ जातरा (लश्कर बोनालू) उत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

इससे पहले, राज्यपाल ने लोक भवन में तेलंगाना के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन बल प्रमुख परेश कुमार शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'फुटप्रिंट्स इन द फॉरेस्ट्स - मेमोयर्स ऑफ ए फॉरेस्टर' का विमोचन किया। इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने वनों के संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा के महत्व पर जोर दिया और भावी पीढ़ियों के लिए देश की प्राकृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

उपस्थित लोगों में एसआरएएस प्रकाशन की सुप्रिया भाले राव, डॉ. मनोरंजन भांजा, (सेवानिवृत्त), और मनोवैज्ञानिक और परामर्शदाता श्रीमती नेहा व्यास शामिल थीं। बाद में, लोक भवन में विशाखा श्री शारदा पीठाधिपति श्री श्री स्वरूपानंदेंद्र सरस्वती महास्वामी ने राज्यपाल से मुलाकात की। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी केसी रेड्डी और माई भारत तेलंगाना राज्य के निदेशक अन्वेश ने भी दिन के दौरान राज्यपाल से मुलाकात की।

चार मुख्यमंत्रियों के सहयोग से विकसित हुआ संगारेड्डी का राजीव पार्क : जग्गारेड्डी

संगारेड्डी, 30 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गारेड्डी ने कहा कि संगारेड्डी के राजीव पार्क के निर्माण और विकास में चार मुख्यमंत्रियों का योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री वाई. एस. राजशेखर रेड्डी ने पार्क को स्वीकृति दी थी, उसके बाद मुख्यमंत्री रोशैया ने शिलान्यास किया और मुख्यमंत्री किरण कुमार रेड्डी ने इसका उद्घाटन किया। अब व्यापक सौंदर्यीकरण के बाद मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी जल्द ही इसका पुनः उद्घाटन करेंगे। गुरुवार को जग्गारेड्डी ने राजीव पार्क का दौरा कर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे पार्क का भ्रमण कर अधिकारियों से निर्माण एवं प्रस्तावित कार्यों की जानकारी ली। पार्क में लगाए गए नए व्यायाम उपकरणों और फव्वारे के जीर्णोद्धार कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के दस वर्षों के शासनकाल में राजीव पार्क पूरी तरह उपेक्षित होकर जर्जर अवस्था में पहुंच गया था। वर्तमान मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तथा नगर प्रशासन विभाग की सचिव टी. के. श्रीदेवी के सहयोग से पहले चरण में तीन करोड़ रुपये की लागत से पार्क का विकास कराया गया है। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में छह करोड़ रुपये की अतिरिक्त लागत से पार्क का और व्यापक विकास किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.